

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. २९] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई १९, १९८६ (आषाढ़ २८, १९०८)

No. २९] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 19, 1986 (ASADHA 28, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जो उसे विभिन्न अन्तर्भूत संलग्न से कठ में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part so that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

PART III-SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीकार, संघ लोक सेवा आयोग, रेलविभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-११००११, दिनांक १५ मई १९८६

मं. ए० ३२०१३/३/८३(II)-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में १०-८-१९८५ के (अपराह्न) से विशेष सहायक के पद समाप्त होने के परिणाम स्वरूप श्री आर्ह० ए० शर्मा और तरसेमसिंह को संघ लोक सेवा आयोग के के० म० आ० से० संबंध के आशुलिपिक ममूह (ब) (वरिष्ठ निजी सहायक) के उनके नियमि० पद पर दिनांक ११ अगस्त, १९८५ के पूर्वाहि से प्रत्यावर्तित किया जाता है और गट्टपति उन्हें (के० म० आ० से० के ममूह क) द्वारा संबंध के निजी सचिव के पद पर उनके नाम के सामने दर्शायी गयी अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक आदेशों तक जो भी पहले हो तदर्थं आधार पर नियुक्त करने हैं :—

क्र० सं० अधिकारी का नाम

तदर्थं नियुक्त की अवधि

1. श्री आर्ह० ए० शर्मा ११-८-८५ से १०-११-८५ और १२-११-८५ से २५-१२-८५ तक
2. श्री तरसेम सिंह ११-८-८५ से १०-११-८५, १२-११-८५ से ९-२-८६ और ११-२-८६ से ३१-५-८६ तक

उपयुक्त व्यक्ति कृपया ध्यान दें कि निजी सचिव (के० म० आ० से० ममूह—क) के पद पर उनकी नियुक्ति सदर्थ है और उन्हें के० म० आ० से० के ममूह—क में विलयन और वरिष्ठता का हक प्राप्त नहीं होगा।

मं. ए० ३२०१३/३/८३-(IV)-प्रशा०-I---गट्टपति, संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग के निम्नलिखित वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों (के० म० आ० से० का ग्रुप “ब”) को उसी संबंध में, उनके सामने दर्शायी गयी तारीख अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थं आधार पर निजी सचिव (के० म० आ० से० का ग्रुप “क”) के रूप में नियुक्त करते हैं :—

अमांक नाम	अवधि
1. श्री के० ए० भूटानी	२-१-८६ से २७-२-८६ तक और २८-३-८६ से ३१-५-८६ तक
2. श्री पी० पी० मिश्का	२८-३-८६ से ३१-५-८६ तक
3. श्री ए० ए० ए० चौदहा	--वही--
4. श्री ए० ए० ए० दुआ	--वही--

2. उल्लिखित व्यक्ति कृपया ध्यान दें कि निजी सचिव (के० म० आ० से० का ग्रेड “क”) के रूप में उनकी नियुक्ति तदर्थं आधार पर है और के० म० आ० से० के ग्रेड में विलयन

अथवा उस ग्रेड में वरिष्ठता का उनका कोई दावा मान्य नहीं होगा ।

सं० ए० 32013/3/83(5)—प्रशास्त्र 1—राष्ट्रपति राज्य लोक सेवा आयोग के के० स० आ० से० संवर्ग के निम्नलिखित वैयक्तिक सहायकों को उसी संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० आ० से० का ग्रेड ख) के पदों पर उनके नाम के मामले दर्शायी गयी तारीखों के लिए या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हों तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं :—

के० सं० नाम तदर्थ नियुक्ति की अवधि

1. श्री बी० पी० महाजन 2-१-1986 से 31-५-1986 तक
—वही—
2. श्रीमती सरोज के० कपूर —वही—
3. श्री लेखराज गुप्ता 6-५-1986 से 31-५-1986 तक

2. उपर्युक्त व्यक्ति कृपया ध्यान दें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० आ० से० का ग्रेड-ख) के पदों पर उनकी नियुक्ति तदर्थ है और के० स० आ० से० ग्रेड ख के इस में उन्हें विलयन या अविष्टता का हक नहीं मिलेगा । इनकी नियुक्ति कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के अनुमोदन से ही होगी ।

दिनांक 6 जून 1986

सं० ए० 32014/1/86(I)—प्रशास्त्र 1—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग के निम्नलिखित वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों (के० स० आ० से० का ग्रेड ख) को 2-६-८६ से तीन महीने के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में तदर्थ आधार पर निजी सचिव (के० स० आ० से० का ग्रेड क) के पद पर नियुक्ति करते हैं :—

प्रमाणक नाम	अवधि
मर्व श्री	
1. तरसेस सिंह	2-६-८६ से 1-९-८६ तक
2. के० एस० भूटानी	—वही—
3. पी० पी० मिक्का	—वही—
4. एम० एम० एल० चार्चना	—वही—
5. एम० एम० एल० दुआ	—वही—

2. उल्लिखित व्यक्ति यह नोट कर लें कि निजी सचिव (के० स० आ० से० का ग्रेड क) के पद पर उनकी नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और के० स० आ० से० के ग्रेड क में विलयन अथवा इस ग्रेड में वरिष्ठता के लिए उनका कोई दावा मान्य नहीं होगा । इन अधिकारियों की नियुक्ति कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग के अनुमोदन के अध्यधीन है ।

एम० पी० जैन
अवर सचिव (का० प्रशास्त्र)
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 25 जून 1986

सं० 1/2/85—प्रशास्त्र 1—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त प्रत्यक्ष द्वारा इस आयोग में श्री कंवन नेन, स्थायी सहायक को अनुभाग

अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से वेतनमान रु० 650-1200 रु० 19-६-1986 (पूर्वाह्न) से तीन माह की अवधि के लिए या अगले आदेश तक जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं ।

सं० 1/2/85—प्रशास्त्र 1—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थायी अनुभाग अधिकारी, श्री मनोहर लाल को अवर सचिव के पद पर तदर्थ रूप से वेतनमान रु० 1200-1600 में 19-६-1986 (पूर्वाह्न) से 3 माह की अवधि के लिए या अगले आदेश तक जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं ।

सं० 1/2/85—प्रशास्त्र 1—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त प्रत्यक्ष द्वारा केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थायी अवर सचिव श्री कृष्ण लाल मलहोत्रा को विशेष कार्य अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से वेतनमान रु० 1500-60-1800-100-2000 में 19 जून 1986 (पूर्वाह्न) से 3 माह की अवधि के लिए या अगले आदेश तक जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं ।

मु० के० दीक्षित
उप सचिव

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

कार्मिक एवं प्रशिक्षण, प्रशासन सुधार,
लोकशिकायत तथा पेशन मन्त्रालय
(कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 25 जून 1986

सं० 3/24/86—प्रशास्त्र 1—राष्ट्रपति ने श्री बी० के० गिल, (एस० पी० एस०-गुजरात) को दिनांक 31 मई, 1986 अपराह्न से अगले आदेश होने तक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया है ।

दिनांक 30 जून 1986

सं० 3/41-85—प्रशास्त्र 1—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, एक पुलिस महानिरीक्षक/विशेष पुलिस स्थापना ने एतद्वारा हनियाणा राज्य पुलिस के श्री मुरज पाल, पुलिस उपाधीक्षक की दिनांक 12 जून 1986 पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक प्रतिनियुक्ति, पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, छण्डीगढ़ में पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त किया है ।

धर्मपाल भल्ला
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मन्त्रालय

सरदार घलबभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

हैदराबाद-500 252, दिनांक 25 मई 1986

क्रमांक 15011/21/86-स्थापना—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य विभाग हैदराबाद में स्थानान्तरित होकर केन्द्रीय स्वास्थ्य

सेवा के बरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी आ० एम० बी० रंगा रेण्डी
ने अकादमी में दिनांक 16-5-86 पूर्वाह्न को स्टाफ सर्जन के
पद का कार्यभार ग्रहण किया

ए० ए० श्री
निदेशक

महानिदेशालय, के० रि० पु० बल,

नई दिल्ली-०३, दिनांक 26 जून 1986

सं० ओ० दो०-२२१३/८६-स्थापना-I-राष्ट्रपति जी
ने डाक्टर तथन कान्ति राय की अस्थायी रूप से आगामी आदेश
जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल डिग्री
अफिसर मेड-II (डी० एम० पी/कम्पनी कमांडर) के पद पर
दिनांक 30 मई 1986 (पूर्वाह्न) से सहर्व नियुक्त किया है।

दिनांक 27 जून 1986

सं० ओ० दो०-१८२१/८३-स्थापना—श्री बी० पी०
तिवारी भा० पु० सेवा (पंजाब : 1967), पुलिस उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, चण्डीगढ़ ने पंजाब राज्य
को वापिस जाने के फलस्वरूप दिनांक 17-6-86 (अपराह्न)
से अपने पद का कार्यभार सीप दिया।

सं० ओ० दो०-१७९१/८६-स्थापना—महानिदेशालय,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर टी० के० ० राय को दिनांक
26-४-८६ (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ
चिकित्सा अधिकारी के पद पर केवल एक माह के लिए अथवा
उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो
उस तारीख तक तदर्थी रूप में नियुक्त किया है।

एम० अशोक राज
सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-११०००३, दिनांक जून 1986

सं० ई-१६०१३(१)/१/८१-कार्मिक-I-प्रतिनियुक्ति की
अवधि पूरी करने पर, श्री आर० राधा कृष्ण भा० पु० से०
(केरल : ६२) ने ६ जून, 1986 के अपराह्न के० औ० सु० ब०
(दक्षिण थोक) भदाम के उप महानिरीक्षक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-३२०१५(४)/१/८६-कार्मिक-I-राष्ट्रपति, श्री
एस० एन० कौल को प्रोफेशन पर १८ जून 1986 के पूर्वाह्न से
के० औ० सु० ब० मुख्यालय (कार्मिक-II), नई दिल्ली के
सहायक कमांडेट (क० प्र० अ०), के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 जून 1986

सं० ई०-२८०१७/१०/८४-कार्मिक-II/१०८३--श्री के०
के० एस० अहलुवालिया, उप कमांडेट, के० औ० सु० ब० यूनिट,
एच० एफ० सी० एल०, नामरूप का ११ जून, १९८६ को
स्वर्गवास हो गया था। उनका नाम केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा
बल की नकरी से दिनांक १२ जून १९८६ के पूर्वाह्न से काट दिया
गया है।

सं० ई-२८०१७/१०/८४-कार्मिक-II—निवर्तन की आयु
पूरी कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर,
श्री सेमुश्ल सेमसन ने २८ फरवरी १९८६ के अपराह्न से केन्द्रीय
औद्योगिक सुरक्षा बल प्रणिक्षण रिजर्व, दक्षिण थोक, भदाम के
सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 23 जून 1986

सं० ई-३२०१५(४)/१/८६-कार्मिक-I--प्रतिनियुक्ति
पर नियुक्ति होने पर श्री य० एम० कुमार ने ६ जून, १९८६
के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट, बी० एस० एल०, बोकारो
के सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 24 जून 1986

सं० ई-३२०१५(४)/१/८६-कार्मिक-I--के० औ० सु०
ब० में प्रत्यावर्तन होने पर, श्री बी० एन० तिवारी, ने ६ जून,
१९८६ के अपराह्न से सहायक कमांडेट, के० औ० सु० ब०
मुख्यालय (आमूल्या स्कवाड), नई दिल्ली के पद का कार्यभार
संभाल लिया।

डी० एम० मिश्रा
महानिदेशक/के० औ० सु० ब०

वित्त मंत्रालय

राजस्व विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 25 जून 1986

मुख्य नियंत्रक, शासकीय अफीम एवम् क्षारोद कारखाने
संस्थापना

सं० (११/३/१/स्था०/८५)--श्री एम० डी० तिवारी, फैक्ट्री
इंजीनियर शासकीय अफीम एवम् क्षारोद कारखाना, गाजीपुर
अधिकारियकी की आयु प्राप्त करने पर ३० नवम्बर १९८५ के
अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

ह० अपठनीय
नारकोटिक्स कमिशनर/मुख्य नियंत्रक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-११०००२, दिनांक 17 जून 1986

सं० १२-वा० ले० प०/३१-७४--गदस्य लेखा परीक्षा
तथा पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, कलकत्ता के कार्यालय

में कार्यरत श्री एस० एम० पाल, लेखा परीक्षा अधिकारी (वा०) अपनी अधिवार्षिता आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-5-1986 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

के० पी० लक्ष्मण राव
सहायक निदेशक—महालेखापरीक्षक (वा०)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) —प्रथम, पश्चिम बंगाल,

कलकत्ता-700001, दिनांक 20 जून 1986

सं० प्रशासन-1/पदोन्नति-93/स० ले० प० अ०/2270—
महालेखाकार (लेखा परीक्षा)—प्रथम, पश्चिम बंगाल ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (लेखा परीक्षा) को दिनांक 11 बीं मार्च, 1986 के पूर्वाह्न से लेकर अगला आदेश मिलने तक महालेखाकार (लेखा परीक्षा)—प्रथम और महालेखाकार (लेखा परीक्षा)—द्वितीय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता के कार्यालयों में अस्थायी तथा स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा परीक्षा (वर्ग-ख—राजपत्रित-650-30-710-35-880-द० प०-40-1040 इते के वेतनमान में) नियुक्त करने की कृपा की है।

क्र० सं० नाम

1. श्री वेनूधर मण्डल
2. श्री शुशील कुमार पाल
3. श्री मुकुल मोहन भट्टाचार्य,

ये पदोन्नतियां माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता में लम्बित रिट याचिका के अन्तिम निर्णय होने के अधीन हैं।

नये पदोन्नत महायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को भारत सरकार, वित्त मंत्रालय के ज्ञापन दिनांक 26-9-81 के अनुच्छेद 2(ख) के अनुसार एक माह के भीतर अपना वेतन या तो मूल नियम 22(क) (1) के अन्तर्गत पदोन्नति की तारीख के दिन से और फिर उसके बाद मूल नियम 22 ग के अन्तर्गत नीचे के पद में आगामी वेतन वृद्धि की तारीख से अथवा मूल नियम 22 ग के अन्तर्गत सीधे पदोन्नत तारीख के दिन से निर्धारण करने के लिए विकल्प देना होगा।

मनत कुमार मिश्र
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)
पश्चिम बंगाल

निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय का कार्यालय

कलकत्ता-700001, दिनांक 24 जून 1986

सं० प्रशासन-1/सी०/राजपत्रित/878-879—निदेशक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय कलकत्ता ने निम्नलिखित स्थानापन्न अनुभाग

अधिकारियों को रु० 650-30-740-35-880-ई० बी०-40-1040 के वेतनमान पर सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी (ग्रुप 'ख') के पद पर उनके सामां के साथ दिए गए तारीख से अगला आदेश जारी किए जाने तक निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय, कलकत्ता के कार्यालय में नियुक्त किए हैं।

क्र० सं०	नाम	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1	श्री प्रताप शंकर दाँ	16-4-86 (पूर्वाह्न से)
2	श्री रमेन्द्र गुहा	16-4-86 (पूर्वाह्न से)

सुनोल
उप० निं० ले० परीक्षा (प्रशा०) केन्द्रीय

लेखा परीक्षा निदेशक का कार्यालय

प० मे० रेलवे

मालीगांव, दिनांक 19 जून 1986

सं० प्रशा० /5-16/79/35ए/2357—श्री दयामय विशाय अस्थायी सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी को वेतनमान 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 में दिनांक 6-6-86 से अगले आदेश तक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

एन० जी० मलिक
लेखा परीक्षा निदेशक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली-110 066, दिनांक 26 जून 1986

सं० प्रशा० /1/1419/4/जिल्द-I—निम्नलिखित अधिकारियों की, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के ग्रुप "ए" के कनिष्ठ समयमान में, प्रत्येक के नाम के समझ दर्शायी गयी तारीखों से पुष्टि कर दी गयी है:—

क्र० सं०	नाम	पुष्टि की तारीख
1	5	3

मर्वश्री—

1	जादी लाल वर्मा	02-06-85
2	ए० जामकी रामन	02-06-85
3	बी० सम्पथ	02-06-865
4	एल० एन० नाथमुनी	25-08-85
5	ज्योति लाल	29-08-85
6	डी० कृष्णमूनि	02-06-85
7	लच्छा गिह	02-06-85
8	टी० एम० कृष्णन	30-8-85
9	सनीष चन्द्र	18-08-85

क्र० सं०	नाम	पुष्टि की तारीख	क्र० लेखा अधिकारी	ग्रेड	तारीख जिससे संगठन
	सर्वश्री—		सं० का नाम, रोस्टर सहित		अपराह्न में पेंशन स्थापना की अन्तरित किया गया
10	राम रत्न	01- 9-85			
11	एच० सी० दास	02-06-85			
12	सी० आर० मजूमदार	02-06-85	पी०डी०कृष्णा-	स्थायी	30-6-86 र०ले०नि०
13	ई० आर० चक्रवर्ती	26-08-85	स्वामी	लेखा अधिकारी	(पी०डी०) (पी०/457)
14	ए० जमूनाथन	29-08-85			नई दिल्ली ।
15	के० वी० वर्गीज	22-08-85	1	एस०एन०	स्थायी
16	सी० सुर्यनारायणा	11-07-85	भट्टाचार्या	लेखा अधिकारी	31-8-86 शु० नि० (फैक्ट्रीज)
17	डी० के० कार	02-06-85			कलकत्ता
18	टी० एम० माधवन	11-08-85	2	जे० के० शर्मा,	स्थायी
19	एन० आर० रामाभासन	17-08-85	(पी०/145)	लेखा अधिकारी	31-7-86 र०ले०नि० (बा० से०)
20	एस० एम० मल्होत्रा	30-08-85			देहरादून
21	महेन्द्र मिह—I	23-08-85			
22	पी० के० घेबन	20-08-85			
23	राधेश्याम पाल	19-08-85			
24	एम० एम० दूबे	22-08-85			
25	सी० राधा कृष्णन	12-09-85			
26	विलोक सिंह नायर	29-08-85			
27	डोरी लाल	18-08-85			
28	गोविन्द महाय	18-08-85			
29	ए० मादास्वामी	18-08-85			
30	वी० एन० राम	18-08-85			
31	रत्नी राम	11-08-85			
32	महेन्द्र मिह—II	16-08-85			
33	शिव चरन सिंह	09-09-85			
34	जगन नाथ	30-08-85			
35	वी० जी० दातार	17-08-85			
36	के० वी० रमनन	05-09-85			
37	आर० एम० जोशी	18-08-85			

सं० प्रशान्त/11/606/86—निम्नलिखित लेखा अधिकारियोंको, 58 वर्ष की आयु प्राप्त करलेने पर, प्रत्येक के ममक द्वार्या गयी तारीखों के अपराह्न सेवेशम स्थापना की अन्तरित कर दिया जाएगा :—

सर्वश्री—			
1	पी०डी०कृष्णा-	स्थायी	30-6-86 र०ले०नि०
	स्वामी	लेखा अधिकारी	(पी०डी०) (पी०/457)
2	एस०एन०	स्थायी	31-8-86 शु० नि० (फैक्ट्रीज)
	भट्टाचार्या	लेखा अधिकारी	कलकत्ता
3	जे० के० शर्मा,	स्थायी	31-7-86 र०ले०नि० (पी०/145)
	(पी०/509)	लेखा अधिकारी	देहरादून

आर० बी० कपूर
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आईनेंस फैक्टरियां सेवा

आईनेंस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-1, दिनांक 26 जून 1986

सं० 32/जी०/86—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री ए० सिंह मुखर्जी, स्थानापन्न कार्यशाला प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फॉरमैन) दिनांक 30-6-85 (अपराह्न) में सेवा निवृत हुए।

सं० 33/जी०/86—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री ए० सिंह मुखर्जी, स्थानापन्न कार्यशाला प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फॉरमैन) दिनांक 28-2-86 (अपराह्न) से सेवा निवृत हुए।

सं० 34/जी०/86—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री एन० आर० एम० पिल्लाई सहायक कार्यशाला प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फॉरमैन) दिनांक 30-4-86 (अपराह्न) से सेवा निवृत हुए।

श्री० सेन
मंत्रकृत निदेशक

श्रम संचालय

मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 जून 1986

सं०प्रशा० 1/4(1)/86 (1) सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर श्री बी० टी० मालहे ने 30-11-85 (अपराह्न) श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) बम्बई कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया ।

—यथोक्त—

(2) स्थानांतरण होने पर श्री बी० बी० पांडे ने 10-1-86 (अपराह्न) को मुख्य श्रमायुक्त मुख्यालय, नई दिल्ली में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया और 13-1-86 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०), दिल्ली-1 कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया ।

—यथोक्त—

(3) स्थानांतरण होने पर श्री ए० बनर्जी ने 29-1-86 (अप्र०) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०), मुजफ्फरपुर कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया और उसी हैसियत से 30-1-86 (पूर्वाह्न) को धनबाद में कार्यभार संभाल लिया ।

—यथोक्त—

(4) स्थानांतरण होने पर श्री आई० जे० एस० भाटिया ने 10-2-86 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०), दिल्ली-11 कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया और 10-2-86 (अपराह्न) को उसी हैसियत से नई दिल्ली में फरीदाबाद कैम्प का कार्यभार संभाल लिया ।

—यथोक्त—

(5) सहायक कल्याण आयुक्त के पद पर चुन लिए जाने पर श्री आर० पैलानीश्वामी ने 19-2-86 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०), कोयम्बतूर कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया ।

—यथोक्त—

(6) ग्रपने मूल विभाग में वापस भेजे जाने पर श्री के० एस० सम्मू

प्रशा० 1/4(1)/86

ने 6-1-86 (अपराह्न) से श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०), बड़ौदा कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया ।

(7) सहायक श्रमायुक्त (के०) के पद पर प्रवर्तन होने पर श्री आर० एन० मुले ने 17-2-86 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०), बेलारी कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया ।

—यथोक्त—

(8) वार्षिक्यता की आयु प्राप्त होने पर श्री पी० राजरत्नम ने 31-12-85 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०), विजयवाडा कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया ।

—यथोक्त—

(9) स्थानांतरण होने पर श्री बी० एन० चटर्जी ने 10-1-86 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) कार्यालय दिल्ली-1 का कार्यभार छोड़ दिया और 13-1-86 (पूर्वाह्न) को उसी हैसियत से कानपुर में कार्यभार संभाल लिया ।

—यथोक्त—

(10) स्थानांतरण होने पर श्री विलियम बुर्रा ने 24-2-86 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) विशाखापट्टनम कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया और 25-2-86 (पूर्वाह्न) को राजमुंद्री में उसी हैसियत से कार्यभार संभाल लिया ।

—यथोक्त—

(11) स्थानांतरण होने पर श्री ए० बी० बसु ने 17-2-86 (पूर्वाह्न) को मुख्य श्रमायुक्त मुख्यालय नई दिल्ली में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया और 17-2-86 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०), दिल्ली-11 का कार्यभार संभाल लिया ।

—यथोक्त—

(12) स्थानांतरण होने पर श्री के० गोपीकण्ठ ने 28-2-86 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०), गुन्टाकल

कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया और उसी हैसियत से 11-3-86 (पूर्वाह्न) को छिद्रवाड़ा में कार्यभार संभाल लिया ।

प्रश्ना० 1/4(1)/86 (13) स्थानांतरण होने पर श्री अमर कांत ने 28-2-86 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०), चण्डीगढ़-I कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया और 28-2-86 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०), चण्डीगढ़-III का कार्यभार संभाल लिया ।

—यथोक्त— (14) स्थानांतरण होने पर श्री आर० बेंकटासेसन ने 14-3-86 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०), मद्रास का कार्यभार छोड़ दिया और 17-3-86 (पूर्वाह्न) को उसी हैसियत से पांडिचेरी में कार्यभार संभाल लिया ।

—यथोक्त— (15) वार्धक्यता की आयु प्राप्त होने पर श्री पी० सी० पूष्पाङ्के ने 31-3-86 (अपराह्न) को मुख्य श्रमायुक्त मुख्यालय, नई दिल्ली में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया ।

—यथोक्त— (16) स्थानांतरण होने पर श्री बी० बी० सिंह सामंत ने 21-4-86 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी, (के०), गोहाटी कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया और 28-4-86 (पूर्वाह्न) को उसी हैसियत से वैरादीप में कार्यभार संभाल लिया ।

—यथोक्त— (17) वार्धक्यता की आयु प्राप्त होने पर श्री एस० एस० गोस्वामी ने 30-4-86 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) कलहना कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया ।

—यथोक्त— (18) त्रिचुरा में ब्रा-निवृत्ति पर श्री पी० सी० बांगिया ने 30-4-86 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०), बीकानेर

कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया ।

नन्द लाल
प्रणामनित अधिकारी

वाणिज्य मंत्रालय
मुख्य नियंत्रक, आयात एवं नियर्ति का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 19 जून 1986
आयात व नियर्ति व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० ६/६९०/६२-प्रशासन (राज०)/३३८२—केन्द्रीय व्यापार मंत्रा के शणी-२ के अधिकारी श्रीर संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-नियर्ति के कार्यालय, बंगलादेश में श्री ए० ठुकाराम, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति ३० अप्रैल १९८६ के अपराह्न से सरकारी मंत्रा से निवृत्त हो गए हैं ।

शंकर चन्द
उप मुख्य नियंत्रक, आयात एवं नियर्ति
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात एवं नियर्ति

वस्त्र मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

वस्त्राई-२०, दिनांक 26 जून 1986

सं० सी० ई० आर०/७/८६-सी० एल० बी०/६९९—वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, १९८६ के खण्ड १६ में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एततद्वारा निर्दिष्ट करता हूँ कि :—

(एक) कस्ताई लांट रखने वाले राष्ट्रीय वस्त्र निगम (अब के बाद एन० टी० सी० कहे जाने वाले) के अधीन उत्पादक द्वारा उत्पादित तथा १ जुलाई १९८१ के बाद पैक किए गए “नियंत्रित धोती”, “नियंत्रित लड्ठा”, तथा “नियंत्रित सूती पालिएस्टर शॉटिंग” के अधिकाराम एक्स फैक्ट्री मूल्य, नियंत्रित वस्त्र के उत्पादन में शामिल होने वाली मिलों के मामले में बास्तविक क्षमता उपयोग, बास्तविक व्याज तथा जीरो रिटर्न को छ्यान में रखकर सरकार द्वारा स्वीकृत सत के अधार पर गणित प्रभि चौराम मीटर एन० टी० सी० लागत होगी जिसमें मे “नियंत्रित धोती” व “नियंत्रित लड्ठे” के लिए प्रति चौराम मीटर रु० २/- तथा “नियंत्रित लट्टे” के लिए प्रति चौराम मीटर रु० १.५० नियंत्रित पालिएस्टर संमिश्र शॉटिंग के मामले में सरकार द्वारा समय-समय पर निश्चिन्ति किए अनुमार ब्रानाना होगा ।

(दो) सैकण्डस का अधिकाराम एक्स-फैक्ट्री मूल्य उप-गोक्त्र एक्स-फैक्ट्री मूल्य से 10% (इस प्रतिशत)।

कम होगा। शब्द सैकंड़ेग में तात्पर्य यही है जो उपरोक्त नियंत्रण आदेश के खण्ड 17 के अवैत जारी अधिसूचना में परिभासित है।

(तीत) 1-7-81 को या उससे बाद पैक की गयी कपड़ों की उपरोक्त किस्मों का उपभोक्ता मूल्य, सूती कपड़े के मामले में एकम-फैकट्री मूल्य पर 15% तथा पालिएस्टर सूती शॉटिंग के मामले में 20% (अस्थायी) जो उपरोक्त खण्ड (एक) या (दो) जैसा भी मामला हो उसकी अनुरूपता में नियन्त्रण किया हो, जिस में केवलीय उत्पाद नम्रता नियम, 1944 के अधीन उत्पाद शुल्क तथा उस समय प्रभाव में होने वाले कानून के किसी भी उपबन्ध के अन्तर्गत लगाए गए नियंत्रण शुल्क की राशि जोड़ी जायेगी।

2 इस अधिसूचना के प्रयोजन हेतु :—

(प्र) नियंत्रित घोटो/नियंत्रित साड़ी/नियंत्रित लड्डा/नियंत्रित पालिएस्टर संमिश्र शॉटिंग को निम्नोक्त (आ), (इ), (ई) उपखण्ड 2 के अन्तर्गत इनमें से प्रत्येक किस्म को दिए गए विभिन्न के साथ निम्नोक्त सामान्य विनिर्देश दिए जाएंगे :—

(एक) ग्रीमत काउंट जो 40, 49 काउंट से ज्यादा नहीं हो।

(दो) साथी बुनावट में बुना हो।

(तीन) वार्प काउंट और बेफट काउंट में अन्तर 8 काउंट से ज्यादा नहीं हो।

(चार) विरंजन में पक्के 2 लाल धागों के साथ बुना हो जो पूरी लम्बाई में वार्प वाईज हो तथा किनारों में से किसी एक के साथ (किनारी बालों माडियों एवं धोतियों की छोड़कर) चैठाया गया हो।

परन्तु यह नब जब कि तेरे रंगीन धागे अनियंत्रित कपड़े में नहीं छाले जायेंगे।

टिप्पणी — उपरोक्त प्रयोजन के लिए लगाए गए रंगीन धाग सामान्यतः नेथाल लाल रंग में होंगे। यद्यपि छपे हुए, रंगीन या दूसरे रंगीन कपड़े के संबंध में प्रयोग में लाए जाने वाले रंगीन धागे किसी भी दूसरे वैकल्पिक, विषम रंग में हो सकते हैं तथा वे ग्राट रूप में दिखायी दें।

(पांच) पूर्ण रूप ने कपास में निर्मित हुए होंगे (संमिश्र पालिएस्टर शॉटिंग को छोड़कर)

(छ) रीड व पिक के बीच अन्तर चार से ज्यादा नहीं हो तथा पिक 40 से कम नहीं हो।

(पाँच) उपरोक्त वस्त्रों में उन्योग में लाए गए रंग/डाई धुलने में पक्के हो।

(आ) नियंत्रित धोती

(ब) उपरोक्त (ग्र) के अनिरिक्त कोरा या विरंजन कपड़ा होगा जो सामान्यतः नाम से जाना जाता हो, मर्मराईज़ड हो या नहीं हो तथा किसी भी व्यापारी व अन्याय में गफेद या रंगीन सूत समाविष्ट होगा।

(च) 104 से 122 से० मी० (दोनों समाविष्ट) के बीच चौड़ाई होगी।

(द) नियंत्रित साड़ी

(क) उपरोक्त (ग्र) के अतिरिक्त कोरा या विरंजन कपड़ा होगा जो सामान्यतः नाम से जाना जाता हो, मर्मराईज़ड हो या नहीं हो।

(ख) उसकी किनारियों में तथा अन्याय में रंगीन सूत या सकेद सूत अन्तविष्ट हो।

(ग) 104 से० मी० तथा 122 से० मी० (दोनों समाविष्ट) के बीच चौड़ाई होगी।

(घ) जिसमें छपी हुई ममल तथा छपो हुई वायल सामाविष्ट है जिसको लम्बाई प्रति नग 5 मीटर से कम नहीं हो।

टिप्पणी — इसमद के प्रयोजन के लिए छपो हुई ममल तथा छपी हुई वायल से तात्पर्य इकहरे सूत तथा ताना काउंट, जो 28 काउंट से कम नहीं हो, से निर्मित (छपी किनारियों/पालंबों के समेत या उनके बिना) सीधी बुनाई के छपे हुए कपड़ों से होगा और यदि वह साड़ी की लम्बाई का 5 मीटर, 5 1/2 मीटर का टुकड़ा हो, तो उन पर प्रति टुकड़ा उपभोक्ता मूल्य अंकित करना होगा।

(ई) नियंत्रित लड्डा

(क) उपरोक्त (अ) के अतिरिक्त कोरा या विरंजन या रंगा हुआ कपड़ा चाहे वह मर्मराईज़ड या प्रिश्रंक हो या न हो, तथा

(ख) 84 से० मी० से 120 से० मी० (दोनों मिलाकर) तक की चौड़ाई होगी।

(उ) नियंत्रित विरंजन/रंगा हुआ/छपा हुआ पॉलिएस्टर दई संमिश्र शॉटिंग के लिए निम्नलिखित भिन्नेश होंगे :
ताना — 38 काउंट
बाना — 42 काउंट
रीड — 72
प्रति दंच पिक — 68
फिलिप्प चौड़ाई — 89 से० मी० संमिश्र प्रतिशत — 89 52 , पालिएस्टर 48

अंकित किया जाने वाला अन्तिम उपभोक्ता मूल्य विरंजन के लिए प्रति मीटर ₹ 10.50 और रंगी हुई किस्मों के लिए ₹ 11.50 तथा छपी हुई किस्मों के लिए ₹ 12/- होगा।

3. उपरोक्त खण्ड 2 के अनुसार निष्ठित किया गया उग्र-भोक्ता मूल्य नियंत्रित वस्त्र की फेस प्लेट पर और यदि वस्त्र मीटर के हिस्से में बेचा गया हो तो प्रत्येक मीटर के किनारे पर या जब नाड़ी अथवा धोती की जोड़ी हो तो दूसरे नग के अन्त पर लाल रंग/स्थाही में अंकित किया जाएगा;
4. मैं एतद्वारा राष्ट्रीय वस्त्र निगम के अन्तर्गत नियंत्रित वस्त्र के प्रत्येक उत्पादक की यस्ते आयुका, दूसी० जी० ओ० विलिंग, चर्चेट, वर्षाई-२० वर्षा वस्त्र आयुका प्रावेशित आयलिंग, जिसके लेवाधिकार में निर्मित तथा स्थान स्थिर है, को याने द्वारा निर्मित तथा पैदा किए गए नियंत्रित वस्त्र वे भारे में सत्य पृष्ठ धूपी धूपी धूपी धूपी संतुष्टि फार्म ए में दिनांक १-७-८१ को या उसके बाद भेजने का निर्देश देता हूँ।

(दो) वस्त्र के संबंध में उसी क्रम संख्या वाला उपरोक्त फार्म वस्त्र आयुका को ऊपर दर्शाइ अनुसार, जब मूल्य संशोधित किए गए हों तब प्रत्येक अवधि में एक बार प्रमुख करका होगा लेकिन जिस भवीते में मूला संशोधित किए गए हों उसके बाद आने वाले महीने के दसवें दिन के बाद नहीं। जब मूल्य अवधि के दौरान निर्माता द्वारा पहली बार नई क्रम संख्या बालो किस्म लाई जाए, तो ऐसे वस्त्र के संबंध में फार्म ए में विवरण नई क्रम संख्या वाले ऐसे वस्त्र के परिचय के महीने के बाद आने वाले महीने के दसवें दिन या उससे पहले भेजे जायेंगे।

फार्म—“ए”

मिल द्वारा निर्मित प्रत्येक किस्म के मंत्रंध में वर्णन आयुका को भेजे जाने वाले विवरण का फार्म।

तिमाही के लिए मूल्य निर्धारण

मिल का नाम :—

स्थान :—

1. (क) वस्त्र पर अंकित मिल की क्रम सं० --
- (ख) अनुलग्न के साथ कोड सं० यदि कोई हो :—
2. वस्त्र का पूर्ण विवरण (अन्तिम फिनिश विवरण में)
3. आयाम नंबर स्थिति कैलेप्डर और/या फिनिश
- (क) सेटीमीटर में चौड़ाई
- (ख) मीटर में लम्बाई
- (ग) किलोग्राम में वजन
4. प्रति * इंच रीड (2.34 सं० मी०)

5. प्रति इंच विका (2.54 सं० मी०)
6. श्रीमा डाउन (अंग्रेजी काउन्ट)
7. सेटीमीटर में रीड लेम
8. मीटर में टेप की लम्बाई
9. छोरों को संख्या : (एक) नामा (क) (ख) (ग) (दो) किनारी कोरा विरक्ति रंगीन (तीन) किनारा

10. सू। 5। वास्तविक वजन

विवर	काउन्ट	छोर को जोड़े अभ्युक्तियां		
	फेच काउन्ट	भासान अंग्रेजी गणना वजन	में	(वास्तविक)
	1	2	3	4
(ए) नाम :				
(ख) वाना :				
(ग) किनारी/किलाग				
(घ) विशिष्ट				
सूत, यदि				
कोई प्रयुक्ति				
किया हो				
(अ) समिश्र %				
(कपड़े में सब				
जगह)				
संमिश्रित				
पर्टिंग के				
संबंध में				

11. फिल्मों की चौड़ाई एवं निम्नलिखित से० मो० एवं इंच में (साड़ियों एवं धोनियों के लिए)

12. यदि छपा हुआ वस्त्र हो, कृपया दर्शाइ —

(एक) प्रयुक्ति किए गए रंगों की संख्या।

(दो) एपडे के दृष्टे हुए, क्षेत्र वा प्रतिशत

13. वस्त्र की पैरिंग के अवधारणा की तारीख।

14. मूल्य गणना :

क्रम संख्या

कोड संख्या

विवरण :

(क) प्रति मीटर/प्रति नग अधिकलम एक्स-फेक्टरी मूल्य

(ख) प्रति मीटर/प्रति नग का फुटफर मूल्य

(ग) प्रति मीटर/प्रति नग उत्पादन मूल्य

(घ) एक इनम उपभोक्ता मूल्य

(क) पूर्णांकन पैमें में (जब भीटर के हिसाब में बेचा गया हो) या करीब 5 पैमें में पूर्णांकन (जब नग के हिसाब से बेचा गया हो)

स्थान : मिल प्रबन्धक/मर्चिव के हस्ताक्षर
विद्वान् :

टी० रामचन्द्र राव
औद्योगिक सलाहकार
मिल सं० २ (१२)/३६-मी एल बी

उद्योग मंत्रालय
औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जून 1986

सं० १२ (१०४)/६१-प्रशा० (राष्ट्र०)---राष्ट्रालिः, विभाजन आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली के श्री पी० आर० मल्हन, [निदेशक, ग्रेड-१ (राज्यालय) को, दिनांक 12-५-१९८६ (पूर्वाह्न) में अगले अवैष्टों तक, इसी कार्यालय में औद्योगिक सलाहकार (राज्यालय) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-१९०१८(७५४)/८४-प्रशा० (राष्ट्र०)---राष्ट्रालिः, श्री विनोद कुमार नन्ददारी को दिनांक ६-५-१९८६ (पूर्वाह्न) से अगले अवैष्टों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान गुवाहाटी के अधीन शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, दूरा में सहायक निदेशक ग्रेड-१ (खाल) के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री० मी० राय
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन शाखा ए-६ अनुभाग)

नई दिल्ली-११०००१, दिनांक 13 जून 1986

सं० ए-१७०११/३१९/८६/ए-६---महानिदेशक (पूर्ति तथा निपटान) एतद्वारा निरीक्षण निदेशक फॉक्ट्री के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी०) श्री एम० एम० भट्टाचार्य को दिनांक 15 मई 1986 के पूर्वाह्न से आगामी अवैष्टों तक निरीक्षण निदेशक बम्बई के कार्यालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्थ सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के रूप में नियुक्त करते हैं।

आर० पी० शाही
उप निदेशक (प्रशासन)
हते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इसपात और खाल मंत्रालय

(खाल विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-७०००१६ दिनांक 18 जून 1986

सं० ३५६४बी/१६/बी० एम०/८६/१९---भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक (हिन्दी) श्री विजय मिह को हिन्दी अधिकारी के अस्थायी पद पर उसी विभाग में नियमानुसार ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० रु० के बेतनमान के बेतन पर आगामी आदेश होने तक १२ मई, ८६ के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी
निदेशक (कार्मिक)
हते महानिदेशक

कलकत्ता-७०००१६ दिनांक 19 जून 1986

सं० ३७०८बी/ए-१९०१२(२-कौके० एम०)/१९बी---भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूभौतिकीविद श्री कौके० मुरलीधरन ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूभौतिकीविद के पद का कार्यभार त्यागपत्र पर ३०-४-८५ (प्रपराह्न) से छोड़ दिया।

सं० ३७२०बी/ए-१९०१२(२-एम० आर०) ८५-१९बी---भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्री सरीना राम को सहायक भूभौतिकीविद के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द०रो०-३५-८८०-४०-१०००-द०रो०-४०-१२०० रु० के न्यूनतम बेतनमान में अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक १७-४-८६ के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 20 जून 1986

सं० ३८०३बी/ए-३२०१३(३-स्ता० वरि०)/८४-१९बी---राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के रसायनज्ञ (कनिष्ठ) श्री एम० चन्द्रा को रसायनज्ञ (वरिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार ११००-१६०० रु० के बेतनमान के बेतन पर स्थानापन्थ क्षमता में आगामी आदेश होने तक २-५-८६ के पूर्वाह्न में पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० ३८१६बी/ए-३२०१३(प्रशा० अधि०)/१९ए---भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित अधीक्षकों को प्रशासनिक अधिकारी के पद पर उसी विभाग में नियमानुसार ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० रु० के बेतनमान के बेतन पर अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश

होने तक प्रत्येक के सामने दर्शायी गयी तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

क्रमांक	नाम	नियुक्ति-तिथि
1.	श्री एन० आर० मुखर्जी	30-5-86 (पूर्वाह्न)
2.	श्री बी० एन० दत्त	30-5-86 (पूर्वाह्न)

दिनांक 23 जून 1986

सं० 3842बी/ए-19012(3-बी० एच० के०)/85-19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिवेशक श्री बी० एच० खान को सहायक रक्षणात्मक के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ह० के न्यूनतम वेतनमान के बेतन में अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक 15-5-1986 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी
निवेशक (कार्मिक)
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान ब्यूरो

नगापुर, दिनांक 20 जून 1986

सं० ए-19011(69)/86-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की मिफारिश पर श्री आर० डी० नाईक खनिज अर्थशास्त्री को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में अधीक्षक खनिज अर्थशास्त्री के पद पर दिनांक 2 जून 1986 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया गया।

जी० सी० शर्मा
सहायक प्रशासन अधिकारी
भारतीय खान ब्यूरो
बूते महानिवेशक

आकाशवाणी महानिवेशालय

(सिविल निर्माण संकाय)

नई दिल्ली, दिनांक 27 जून 1986

सं० ए-19012/27/84-सी० डब्ल्यू०-1—श्री हरवेंद्र चिंह सहायक कार्य सर्वेक्षक (विद्युत) सिविल निर्माण संकाय आकाशवाणी नई दिल्ली का 19-5-1986 को निधन हो गया है।

एस० के० महिन्द्रा
मुख्य इंजीनियर (सिविल) के इंजीनियरी अधिकारी
कृते महानिवेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1986

सं० 4-3/73/प्रशासन-1/के० स० स्वा० यो०-1—सेवा-निवृति की आयु हो जाने के फलस्वरूप वैद्य देसराज शर्मा ने 31 मार्च 1986 से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना अपराह्न दिल्ली में आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

पी० एन० ठाकुर
उप निवेशक प्रशासन (के० स० स्वा० यो०)

नई दिल्ली दिनांक 25 जून 1986

सं० ए० 12026/1/82-एम० (एफ० एण्ड एस०)—राष्ट्रपति ने श्री पी० गजेन्द्रन को 31 मई 1986 पूर्वाह्न जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में समाज-वैज्ञानिक के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

पी० के० घई
उप निवेशक प्रशासन (सी० एण्ड बी०)

कृषि मंत्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 25 जून 1986

सं० प०-31014/3/85-प्र०-1—निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के सामने लिखी तारीख से विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय के अधीन विपणन अधिकारी (शर्मा) के स्थाई पद पर मूल रूप से नियुक्त किया जाता है :—

मर्वश्री

- | | | |
|--------------------------------|---|---------|
| 1. आर० सुब्रह्मण्यम | . | 1-10-81 |
| 2. एम० के० पी० मेनन | . | 1-9-83 |
| 3. टी० एम० कर्णनाकर्णन | . | 1-9-83 |
| 4. एस० सी० सरकार | . | 1-9-83 |
| 5. आर० नरसिंह | . | 1-9-83 |
| 6. बी० के० बर्मा | . | 1-9-83 |
| 7. एम० एल० कान्ता गव | . | 1-9-83 |
| 8. बी० बी० सरकार | . | 1-9-83 |
| 9. बी० डी० शेरकर (श्र० ज० जा०) | . | 1-9-83 |
| 10. के० एल० चंगरूद्धकर | . | 1-9-83 |
| 11. एम० चक्रवर्ती | . | 1-9- |
| 12. हरप्रसाद (श्र० जा०) | . | 1-9- |
| 13. एच० डी० श्रीवास्तव | . | 1-9-8 |
| 14. एस० बी० चक्रवर्ती | . | 1-9-83 |
| 15. डी० पी० सिंह | . | 1-9-83 |
| 16. एम० बी० कृष्णमूर्ति | . | 1-9-83 |
| 17. पी० कुटम्बाराव | . | 1-9-83 |

18. आर० पी० चतुर्वेदी 1-1-84
 19. डा० सन्तलाल 1-6-85

उपरोक्त अधिकारियों का विषयत अधिकारी (वर्ग-1) के पद पर स्थाई होने की तारीख से निचले पद पर उनका ग्रहणाधिकार यदि कोई है तो स्वतः ही भवान माना जाएगा।

अनीता चौधरी
 कृषि विषयत सचाहकार
 भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

निर्माण एवं सेवा वर्ग

बम्बई-400094, दिनांक 17 जून 1986

सं० सी० ई० डी०/ए०/२(16)—निदेशक निर्माण एवं सेवा वर्ग परमाणु ऊर्जा विभाग श्री वी० एन० जनादेव, अस्थायी प्रबरण श्रेणी लिपिक, नि० एवं से० वर्ग को श्री वी० सी० मैथू, सहायक कार्मिक अधिकारी, जिन्हें प्रशासन अधिकारी-II के रूप में पदोन्नत किया गया है, के स्थान पर तारीख 8-5-1986 पूर्वाह्न से तदर्थ सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० सी० ई० डी०/ए०/२(16)—निदेशक निर्माण एवं सेवा वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री पी० सी० मैथू अस्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी नि० एवं से० वर्ग को श्री डी० एन० शेट्टी, प्रशासन अधिकारी-II, जिन्हें प्रशासन अधिकारी-III के रूप में पदोन्नत किया गया है, के स्थान पर तारीख 8-5-86 पूर्वाह्न से तदर्थ प्रशासन अधिकारी-II के रूप में नियुक्त करते हैं।

डी० एन० शेट्टी,
 प्रशासन अधिकारी

क्रय और भंडार निवेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 24 जून 1986

सं० क्रमनि/41/1/85-प्रशा०/3360—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निवेशालय के निदेशक ने क्रय घटायक, श्री के० एम० नाईक को इसी निवेशालय में दिनांक 5-5-86 (पूर्वाह्न) से 6-6-1986 (अपराह्न) तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के बेतनमान में सहायक क्रय अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री पी० बालसुभामणियम के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिए क्रय अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर पदोन्नत किया है।

बी० जी० कुलकर्णी,
 प्रशासन अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 16 जून 1986

सं० पद्मप्र-8/1/86-भर्ती—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एलेक्ट्रोरा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी सहायी मुख्य अधिकारी श्री एम० एस० विश्वानाथम् को उसी प्रभाग में श्री एम० के० मराफ, सुरक्षा अधिकारी के छुट्टी पर जाने पर 2-6-1986 से 4-7-1986 तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न मुख्य अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० एस० आर० मूर्ती
 प्रशासन अधिकारी-II

तारापुर परमाणु विजलीघर

टी.ए.पी.पी.-401 504, दिनांक 18 जून 1986

सं० टी० ए० पी० एस०/1/18(3)/77-आर०—मुख्य अधोक्षक, तारापुर परमाणु विजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग, स्थायी निम्न श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न प्रबरण कोटि लिपिक श्री पी० एम० गोत्सालिवस को दिनांक 12-5-1986 के पूर्वाह्न से 12-6-1986 के अपाह्न तक के लिए तारापुर परमाणु विजलीघर में तदर्थ आधार पर सहायक प्रशासनिक अधिकारी के ग्रेड (रु 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960) में एक अधिकारी के तौर पर नियुक्त करते हैं, यह नियुक्ति श्री एम० एल० मालू, सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर को जारी है जो छुट्टी पर गए हैं।

आर० जे० भाटिया
 मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

टी.ए.पी.पी.-401504, दिनांक 18 जून 1986

सं० टी० ए० पी० एस०/1/19(3)/76-आर०—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु विजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग इस विजलीघर में स्थायी नहायक लेखापाल श्री के० के० पुरुषोत्तमन् को दिनांक 12 मई, 1986 की पूर्वाह्न से 13 जून, 1986 तक नियुक्त इसी विजलीघर में तदर्थ आधार पर सहायक लेखा अधिकारी के तौर पर नियुक्त है, यह नियुक्ति श्री जे० एम० शारीर, तारापुर लेखा अधिकारी के स्थान पर की जा रही है जो छुट्टी पर गए हैं।

बी० पी० नाईक,
 प्रशासनिक अधिकारी-III

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलोर-560 009, दिनांक 29 मई 1986

सं० ६/३९/८४-सी० ई० डी० (एच०)—मुख्य इंजीनियर, सिविल इंजीनियरी प्रभाग, अंतरिक्ष विभाग इस विभाग के

सिविल इंजीनियरी प्रभाग में श्रीमती लैला पाल जेम्स को इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 23-1-1986 के पूर्वाहि में आगामी आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 जून 1986

सं० 6/39/84—सी० ई० डी० (पच०) —मुख्य इंजीनियर, सिविल इंजीनियरी प्रभाग, अंतरिक्ष विभाग, श्री विजयानन्द बाबानागर को 2-5-86 (पूर्वाहि) में आगामी आदेशों तक अंतरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में स्थानापन्न इंजीनियर एस० बी० के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक, 16 जून 1986

सं० 6/39/84—सी० ई० डी० (एच०) —मुख्य इंजीनियर, सिविल इंजीनियरी प्रभाग, अंतरिक्ष विभाग, श्री एम० चन्द्रशेखर को 15-5-86 (पूर्वाहि) से आगामी आदेशों तक अंतरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में स्थानापन्न इंजीनियर एस० बी० के पद पर नियुक्त करते हैं।

के० इन्दिरा देवी,
प्रशासन अधिकारी-1
कृते मुख्य इंजीनियर

इन्सैट-1 प्रधान नियन्त्रण सुविधा

हस्त-573201, दिनांक 18 जून 1986

सं० एम० सी० एफ० प्रशा० स्थापना—जी० एन० 029— परियोजना निदेशक, इन्सैट-1 अंतरिक्ष खण्ड परियोजना, अंतरिक्ष विभाग, कुमारी एच० शशीकला को इन्सैट-1 प्रधान नियन्त्रण सुविधा, हस्त में वैज्ञानिक/इंजीनियर-एस० बी० के पद पर 12 जून, 1986 के पूर्वाहि से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

वी० के० नायर,
प्रशासन अधिकारी-II
कृते परियोजना निदेशक

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन

(मुख्यालय)

बंगलौर-560 009, दिनांक 23 जून 1986

सं० मुख्य-प्रशा० 4. 20 (5)-4ए —सक्षम प्राधिकारियों ने, अंतरिक्ष विभाग/इसरो के केन्द्र/यूनिटों में तिम्नस्थिति

कार्मिकों को, नहायक कैटीन प्रबंधक के स्थायी पदों पर नीचे बताए अनुसार स्थायी रूप में नियुक्त किया है:—

क्र०	व्यक्ति का नाम	वर्तमान पदनाम	सहायक कैटीन
सं०	आर० केन्द्र/यूनिट	प्रबंधक के रूप में जहाँ अब काम कर रहा है	स्थायी नियुक्ति की तारीख

- श्री स्टीफन सारो सहायक कैटीन प्रबंधक 6-2-1982 आईजक
- श्री पी० पदमनाथन सहायक कैटीन प्रबंधक 19-12-1984 नायर वि० सा० अ० के०
- श्री पी० ए० राजन सहायक कैटीन प्रबंधक 6-2-1986 अ० उ० के०

सं० मुख्य - प्रशा० 4. 20 (5)-4ए —सक्षम प्राधिकारियों ने, अंतरिक्ष विभाग/इसरो के केन्द्र/यूनिटों में तिम्नस्थिति कार्मिकों को, सहायक भण्डार अधिकारियों के स्थायी पदों पर नीचे बताए अनुसार स्थायी रूप में नियुक्त किया है:—

क्र०	व्यक्ति का नाम	वर्तमान पद	सहायक भण्डार
सं०	आर० केन्द्र/यूनिट	जहाँ अब काम कर रहा है	अधिकारी के रूप में स्थायी नियुक्ति की तारीख

- | 1 | 2 | 4 | 5 |
|----------|-----------------|------------------|------------|
| सर्वश्री | | | |
| 1. | एन० एन० पाठक | सहायक भण्डार | 1-4-1978 |
| | सी० ई० डी०/ | अधिकारी | |
| | आहमदाबाद | | |
| 2. | पी० एम० पाप्पन् | भण्डार अधिकारी-1 | 1-4-1978 |
| | आईजक | | |
| 3. | एस० सोमशेखरन | भण्डार अधिकारी-1 | 1-4-1978 |
| | नायर अ० उ० के० | | |
| 4. | जी० नीलाम्बरन | भण्डार अधिकारी-1 | 12-12-1978 |
| | पिल्लै | | |
| | वि० सा० अ० के० | | |
| 5. | वी० के० थामस | भण्डार अधिकारी-1 | 25-9-1979 |
| | वि० सा० अ० के० | | |
| 6. | एस० श्री कुमारन | भण्डार अधिकारी-1 | 31-12-1979 |
| | नायर | | |
| | वि० सा० अ० के० | | |
| 7. | एन० विजयगाथा | राहायक भण्डार | 13-10-1983 |
| | नायर | अधिकारी | |
| | वि० सा० अ० के० | | |
| 8. | के० विजय कुमार | भण्डार अधिकारी-1 | 15-10-1983 |
| | शार | | |

1	2	3	4
सर्वश्री			
9.	के० के० गोपाल-	सहायक भण्डार अधिकारी	1—1—1985
कृष्णन नायर			
वि० सा० अ० के०			
10.	वा० रामम्या	सहायक भण्डार अधिकारी	15—10—1983
अ० उ० के०			
11.	के० चन्द्रशेखरन	सहायक भण्डार अधिकारी	15—12—1985
नायर शार			
12.	वा० राजा राव	सहायक भण्डार अधिकारी	15—12—1985
शार			

सं० मुख्य - प्रश्ना - 4.20 (5)-4ए—सक्षम प्राधिकारियों ने, अंतरिक्ष विभाग इमरों के केन्द्र/यूनिटों में निम्नलिखित कार्मिकों को, सहायक लेखा अधिकारियों के स्थायी रूपों पर नीचे बताए अनुसार स्थायी रूप में नियुक्त किया है :—

क्र०	ध्यक्ति का नाम	वर्तमान पदनाम	सहायक भण्डार
सं०	तथा केन्द्र/यूनिट	लेखा अधिकारी	
	जहाँ अब काम कर	के रूप में ग्रामी	
	रहा है।	नियुक्ति की	
		तारीख	

1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	सी० के० नागर्यणन	लेखा अधिकारी—I	1—4—1980
	वि० सा० अ० के०		
2.	बी० टी० वेसाई	लेखा अधिकारी—I	22—4—1981
	अ० उ० के०		
3.	ए० पद्मनाभन	लेखा अधिकारी—I	26—5—1981
	वि० सा० अ० के०		
4.	के० जी० सोमनी	महायक लेखा अधिकारी	6—10—1981
	अ० उ० के०		
5.	ए० पी० रामन	लेखा अधिकारी—I	13—11—1981
	वि० सा० अ० के०		
6.	एस० चन्द्रचूडन	लेखा अधिकारी—I	28—11—1981
	पिस्टै		
	वि० सा० अ० के०		
7.	आर० विश्वनाथम	लेखा अधिकारी—I	4—4—1982
	वि० सा० आ० के०		
8.	आर० राजामणि	लेखा अधिकारी—I	15—4—1982
	मुख्या/दिल्ली		
9.	के० रामु	लेखा अधिकारी—I	15—4—1982
	अ० से० विंग		
10.	ए० झी० गजार	लेखा अधिकारी—I	20—4—1982
	अ० उ० के०		
11.	के० विजयकुमारन	लेखा अधिकारी—I	21—4—1982
	वि० सा० अ० के०		

1	2	3	4
सर्वश्री			
12.	एम० श्रीनिवास	लेखा अधिकारी—I	21—4—1982
	राव शार		
13.	टी० रामलिंगेश्वर	लेखा अधिकारी—I	21—4—1982
	राव आइजेक		
14.	प०० शेषाद्रि	लेखा अधिकारी—I	30—4—1982
	इत्सैट		
15.	के० श्रीनिवासन	लेखा अधिकारी—I	3—5—1984
	आइजेक		
16.	एन० प्रभाकरन	लेखा अधिकारी—I	3—5—1984
	वि० सा० अ० के०		
17.	आर० मुनिनर०	लेखा अधिकारी—I	3—5—1984
	पिंग्मा आइजेक		
18.	श्रीमती एम० एम०	लेखा अधिकारी	3—5—1984
	पिरेन्द्रनाथ आइजेक		
19.	एच० एस० सुब्रं	सहायक लेखा सुराम्या	3—5—1984
		अधिकारी	
	सि० इ० प्र०		
20.	पी० राजेन्द्रन	महायक लेखा	3—5—1984
	वि० सा० अ० के०	अधिकारी	
21.	सी० के०	सहायक लेखा केरलादासन	3—5—1984
		अधिकारी	
	वि० सा० अ० के०		
22.	के० सुब्रं राव	लेखा अधिकारी—I	3—5—1984
	शार		
23.	प०० सुकुमार पिल्लै	महायक लेखा	3—5—1984
	वि० सा० अ० के०	अधिकारी	
24.	एस० श्रीनिवासन	सहायक लेखा	3—5—1984
	मुख्या/आर० एम०	अधिकारी	
	प०० पी०		
25.	टी० लाई० धर्महाम	सहायक लेखा	3—5—1984
	वि० सा० अ० के०	अधिकारी	
26.	ए० सुधाकर राव	महायक लेखा	3—5—1984
	सि० इ० डी०/शार	अधिकारी	
27.	एम० बी० श्री-	महायक लेखा निवास मूर्ति (सी०	16—7—1984
		पी० आर० आई०	
		में विवेश सेवा पर)	
28.	के० बहुलेयन नायर	सहायक लेखा	19—7—1984
	वि० गा० अ० के०	अधिकारी	
29.	एन० बी० ए००	महायक लेखा शास्त्री शार	30—7—1984
		अधिकारी	
30.	एन० बी० अय्यर	महायक लेखा	8—8—1984
	वि० सा० आ० के०	अधिकारी	
31.	के० भास्कर राव	महायक लेखा अधिकारी	1—10—1984
	शार		

सं० मुख्या. प्रशा. 4.20(5)-4ए—सक्षम प्राधिकारियों ने, अंतरिक्ष विभाग/इसरो के केन्द्र/यूनिटों में निम्नलिखित कार्यकों को, सहायक प्रशासनिक अधिकारियों के स्थायी पदों पर नीचे दिखाए अनुसार स्थायी रूप में नियुक्त किया है:—

क्रम० व्यक्ति का नाम	वर्तमान पदाम	सहायक प्रशासन अधिकारी के रूप में स्थायी नियुक्ति को तारीख
सं० तथा केन्द्र/यूनिट जहां अब काम कर रहा है		

1	2	3	4
1.	श्रीमती सी० एन० प्रशासन अधिकारी—I सारदम्मा वि० सा० अ० के० सर्वश्री		1-4-1980
2.	आर० कृष्ण कामत प्रशासन अधिकारी— सी० ई० प्र/शार		1-4-1980
3.	टी० आर० एम० प्रशासन अधिकारी—II महेश्वराच शार		1-4-1980
4.	वी० करुणाकरन प्रशासन अधिकारी—II नायर प्र० नि० सु/इन्सीट		1-4-1980
5.	ए० पी० गोपालन प्रशासन अधिकारी—I मुख्या०/बम्बई		1-4-1980
6.	पी० एन० राजपा प्रशासन अधिकारी—I आशोक		1-4-1980
7.	एन० सुन्दरराजन प्रशासन अधिकारी—II वि० सा० अ० के०		1-4-1980
8.	एम० पी० कुमारन प्रशासन अधिकारी— इन्सीट		1-4-1980
9.	एल० के० एम० प्रशासन अधिकारी—I नायर वि० सा० अ० के०		1-4-1980
10.	के० एम० जी० प्रशासन अधिकारी—I वारियर सि० ई० प्र०		1-4-1980
11.	के० जी० के० प्रशासन अधिकारी— नायर अ० उ० के०		1-4-1980
12.	एम० वेंकटाचलम सहायक प्रशासन वि० मा० अ० के० अधिकारी		1-4-1980
13.	बी० विश्वनाथ प्रशासन अधिकारी—II पिल्लै वि० सा० अ० के०		1-4-1980
14.	सी० एम० मणि प्रशासन अधिकारी—I आशोक	28-2-1981	
15.	ओ० एम० एन० प्रशासन अधिकारी—I कुरुप शार	19-4-1981	

1	2	3	4
सर्वश्री			
16.	एम० जी० आर० प्रशासन अधिकारी—I पिल्लै वि० सा० अ० के०	6-5-1981	
17.	वी० अर्जुनन् सी० ई० प्र०/ वि० सा० अ० के०	प्रशासन अधिकारी—I 18-9-1981	
18.	के० सुकुमारन नायर एल० पी० एस० य०	प्रशासन अधिकारी—I 19-9-1981	
19.	श्रीमती आर० विजयमाल सी० ए० प्र०/ सर्वश्री	सहायक प्रशासन अधिकारी वि० सा० अ० के०	22-1-1982
20.	के० एन० एन० नम्बूद्धिरी एन० एन० आर० एम० एस०	सहायक प्रशासन अधिकारी महायक	7-10-1983
21.	पी० आर० बाल- कृष्णन इन्सीट-II आशोक	महायक प्रशासन अधिकारी	1-1-1985
22.	पी० केशव राव शार	प्रशासन अधिकारी—I 14-3-1985	
23.	एम० सेनगुप्त दिं० भू० के०/ अ० उ० के०	महायक प्रशासन अधिकारी	1-5-1985
24.	आर० रविकुमारन नायर वि० सा० अ० के०	सहायक प्रशासन अधिकारी	1-9-1985

दिनांक 24 जून 1986

सं० मुख्या. प्रशा. 4.20(5)-4ए—सक्षम प्राधिकारियों ने, अंतरिक्ष विभाग/इसरो के केन्द्र/यूनिटों में निम्नलिखित कार्यकों को, सहायक क्रय अधिकारियों के स्थायी पदों पर नीचे बताये अनुसार स्थायी रूप में नियुक्त किया है:—

क्रम० व्यक्ति का नाम	वर्तमान पद	सहायक क्रय अधिकारी के रूप में स्थायी नियुक्ति की तारीख	
1	2	3	4
सं० और केन्द्र/यूनिट जहां अब काम कर रहा है			
1.	एन० अपुकुट्टन नायर वि० सा० अ० के०	क्रय अधिकारी—I 1-1-1979	
2.	ए० राबर्टसन एल० पी० एस० य०	क्रय अधिकारी—I 1-1-1979	

1	2	3	4
सर्वश्री			
3.	के० वी० राधवा-	क्या अधिकारी-I	1-1-1979
	चारी प्राइजेक		
4.	के० सिवानन्दन	क्या अधिकारी-II	1-1-1979
	वि० सा० श्र० के०		
5.	के० जेम्स मेथ्यू	क्या अधिकारी-I	1-1-1979
	वि० सा० श्र० के०		
6.	वी० एन० गोपाल-	सहायक क्या	1-1-1979
	कुण्णन	अधिकारी	
	वि० सा० श्र० के०		
7.	के० आर० प्रभाकर	सहायक क्या	20-4-1980
	प्राइजेक	अधिकारी	
8.	एम० एन० सदानन्दन	क्या अधिकारी-I	20-4-1980
	वि० सा० श्र० के०		
9.	वी० विश्वनाथन	क्या अधिकारी-I	20-4-1980
	वि० सा० श्र० के०		
10.	एस० वी० जयरामन	क्या अधिकारी-I	20-4-1980
	नायर श्वेतैक		
11.	सी० के० राज-	क्या अधिकारी-I	20-4-1980
	गोपाल प्राइजेक		
12.	जार्ज जोसेफ	सहायक क्या	9-6-1981
	वि० सा० श्र० के०	अधिकारी	
13.	के० बाल कुण्णन	क्या अधिकारी-I	17-4-1983
	प्राइजेक		
14.	ए० एन० वैद्या	क्या अधिकारी-I	9-8-1983
	श्र० उ० के०		
15.	डी० एस० प्रकास्म	सहायक क्या	11-8-1985
	एल०पी०एस०य००	अधिकारी	
16.	जान म्यात्यू	सहायक क्या	11-8-1985
	वि० सा० श्र० के०	अधिकारी	
एम० पी० आर० पण्डिकर प्रधान, कार्मिक और सामान्य प्रशासन			

बैंगलूर-560017, दिनांक 10 जून 1986

सं० 020/1(15.1)/86-स्थापना-I—इसरो उपग्रह केन्द्र के निवेशक अंतरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बैंगलूर के निम्नलिखित कर्मचारियों से प्राप्त त्याग पत्र को उनके नाम तथा पद पर दर्शाई गई तिथियों से स्वीकार करते हैं।

क्र०	सं०	नाम	पद	त्याग पत्र स्वीकृत
1.	श्री सुरेश एल०	वैज्ञानिक/अभियंता	23-4-1986	
	बीलगी	“एम० वी०”		(अपराह्न)
2.	श्री आर० सी०	वैज्ञानिक/अभियंता	4-6-1986	
	अग्रोक्ष कुमार	“एस० वी०”		(अपराह्न)

एच० एस० रामदास
प्रशासन अधिकारी-

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1986

सं० ए० 32014/1/86—ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को उनके द्वारा उच्चतर पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से 31-3-86 तक अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, 650-1,200 रुपये के वेतनमान में सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं और प्रत्येक के सामने दिये गये स्टेशन पर तैनात करते हैं :—

क्र०	नाम	वर्तमान स्टेशन	जिस पर कार्यभार ग्रहण
सं०	तैनाती का स्टेशन	तैनात किया गया	करने की तारीख

1 2 3 4 5

सर्वश्री

1.	वी० के०	दिल्ली	वैमानिक संचार स्टेशन, राउरकेला	28-3-86 (पूर्वाह्न)
2.	एच० के०	दिल्ली	वैमानिक संचार शर्मा स्टेशन, मूरत (प्रपराह्न)	29-3-86
3.	ए० अमृतराज	बंगलूर	वैमानिक संचार स्टेशन, बंगलूर (पूर्वाह्न)	28-2-86
4.	आर० एस०	प्रमृतसर मंगत	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद	20-3-86 (अपराह्न)
5.	आर०	मद्रास	वैमानिक संचार स्टेशन, बंगलूर (पूर्वाह्न)	30-3-86
6.	वी० प्र०	बम्बई टेल्विल कर	स्टेशन, रैपागिरी (पूर्वाह्न)	30-3-86
7.	आई० एस०	रेडियो भसीन	रेडियो निमण श्रीर विकास एकक, नई दिल्ली (पूर्वाह्न)	28-2-86
8.	यू० के०	महाराजा जेताले	वैमानिक संचार स्टेशन, गवाडाटी नागर विमानन (एस० टी० पी०)	13-3-86 (अपराह्न)
9.	ए० के०	कलकत्ता	वैमानिक संचार नियंत्रक, कलकत्ता	28-2-86 (पूर्वाह्न)
10.	बलराज	अमृतसर सरीन	वैमानिक संचार स्टेशन, कोटा (पूर्वाह्न)	30-3-86
11.	टी० के० दाम	कलकत्ता	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता (पूर्वाह्न)	5-3-86

1	2	3	4	5
सर्वथ्री				
12.	एम० पी०	कलकत्ता	वैमानिक संचार	25-3-86
	लाहौड़ी	स्टेशन, बैला शहर	(पूर्वाह्नि)	
13.	के० जी०	तिवेन्द्रम	वैमानिक संचार	28-2-86
	नायर	स्टेशन, तिवेन्द्रम	(अपराह्नि)	
14.	एस० कमलम/	मद्रास	वैमानिक संचार	28-2-86
	श्रीमती	स्टेशन, मद्रास	(पूर्वाह्नि)	
15.	ई० एन०	मद्रास	वैमानिक संचार	23-3-86
	रामचन्द्रन	स्टेशन, विभाग	(अपराह्नि)	
16.	बी० डी०	कलकत्ता	वैमानिक संचार	12-3-86
	गुज्जा	स्टेशन, कलकत्ता	(पूर्वाह्नि)	
17.	जयंत बनर्जी	भुवनेश्वर	वैमानिक संचार	27-3-86
		स्टेशन, धनबाद	(पूर्वाह्नि)	
18.	एम० कृष्णन्	मद्रास	वैमानिक संचार	4-3-86
		स्टेशन, कुल्लूपा	(पूर्वाह्नि)	
19.	एम० पी०	भोपाल	वैमानिक संचार	30-3-86
	अंगिहोत्री	स्टेशन, भावनगर	(पूर्वाह्नि)	
20.	जगदीश	भीष्माल	वैमानिक संचार	31-3-86
	प्रमाद	स्टेशन, भोपाल	(पूर्वाह्नि)	
21.	प्रयामल सूर	कलकत्ता	वैमानिक संचार	17-3-86
		स्टेशन, कलकत्ता	(अपराह्नि)	

बी० जयचन्द्रन,
उप निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क व सीमा शुल्क समाहतलिय
सीमा शुल्क/स्थापना विभाग

मद्रास-1, दिनांक 12 जून 1986

सं० एस० 2/1/86—स्थापना विभाग—श्री प्रभासिंग, श्री रामचन्द्र राव, श्री बी० सुद्धीया, श्री नमशिवायाम से एष्ठ श्री पी० षणमुगम् एम० जी० पी० श्री० मद्रास सीमा शुल्क, को स्थापना रूप में अधीक्षक पद पर पदीक्षित दी जाती है और उन्होंने 13-3-1986, 13-3-1986, 15-4-1986, 13-3-1986 और 18-4-1986 पूर्वाह्नि (क्रमशः) कार्यभार ग्रहण किया है।

आर० जयरामन
समाहृति
(सीमा शुल्क)

बडोदरा, दिनांक 24 जून 1986

सं० 15/1986—श्री बी० दोषी, अधीक्षक (वर्ग "ख") केन्द्रीय उत्पाद और सीमा-शुल्क, मण्डल-4, बडोदरा दिनांक 5-6-1986 को 58 वर्ष के हो गये हैं। तदनुसार, वे दिनांक 30-6-1986 के अपराह्नि में निर्वतन सेवा निवृत्त होंगे।

3-156GI/86

सं० 16/1986—श्री आर० बी० उपाध्याय, अधीक्षक (वर्ग "ख") केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क, मण्डल, बलसाड दिनांक 1-7-1986 के पूर्वाह्नि में स्वैच्छिक रूप से सेवा से निवृत्त होने वाले हैं।

सं० 17/1986—श्री आर० जे० गैलत, अधीक्षक (वर्ग "ख") केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बलसाड दिनांक 1-7-1986 के पूर्वाह्नि में स्वैच्छिक रूप से सेवा से निवृत्त होने वाले हैं।

सं० 18/1986—श्री यू० के० मोहनानी, अधीक्षक (वर्ग "ख") केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क, बलसाड दिनांक 1-7-1986 के पूर्वाह्नि में स्वैच्छिक रूप से सेवा से निवृत्त होने वाले हैं।

सं० 19/1986—श्री एम० पी० मुंल, प्रशासनिक अधिकारी (वर्ग "ख") केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क (मुख्यालय) बडोदरा दिनांक 4-7-1986 के पूर्वाह्नि में स्वैच्छिक रूप से निवृत्त होने वाले हैं।

श्रीमती वरालक्ष्मी राजमनिकम
समाहृति

निरीक्षण महानिदेशालय

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1986

सं० 8/86—वार्षिकय के कारण सेवा निवृत्त होने पर श्री जी० ए० बागले ने, निरीक्षण महानिदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क की बम्बई स्थित पश्चिमी प्रावेशिक एक्सप्रेस से दिनांक 31-5-86 (अपराह्नि) को निरीक्षण अधिकारी ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार त्याग दिया। [सी० सं० 1041/31/81]

एस० एम० सिह
निरीक्षण महानिदेशालय

कलकत्ता, दिनांक 29 मई 1986

विषय:—अधीक्षक ग्रेड "बी" में पदीक्षित, स्थानान्तरण एवं पदस्थापना।

1. पदोक्षिति

सं० 132/86—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहतलिय, कलकत्ता I/II/बोलपुर के सम्मिलित संवर्ग के निम्नलिखित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निरीक्षक पदोक्षिति के उपरान्त इसके द्वारा अन्तिम रूप से केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक, ग्रेड "बी" के रूप में नियुक्त किए जाते हैं जिनका वेतनमान रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के साथ नियमानुसार भासान्व भास्ता उच्च पद (अधीक्षक, के० उ० शु०, ग्रेड "बी") का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख में लागू होगा। अन्य आदेश आने तक उभयों पदस्थापना निम्न प्रकार होगी।

क्र०	नाम	वर्तमान पदस्थापना	1	2	3	4
१०	सर्वश्री					
१.	देवेन्द्र कुमार दास (सिंहा)	कलकत्ता-II समाहृतालिय	जहानाल घोषाल	हावड़ा नार्थ प्रमण्डल	-वही-	
२.	जहानाल घोषाल	कलकत्ता-II समाहृतालिय	कल-०-II समा०	कल-०-II समा०	-वही-	
३.	अशित चन्द्र बसू राय चौधरी	कलकत्ता-II समाहृतालिय	शशिं चन्द्र बसू राय चौधरी	दमदम प्रमण्डल	-वही-	
४.	अनाथ बन्धु दे	कलकत्ता-I समाहृतालिय	अनाथ बन्धु दे	कल-०-II समा०	आनंदिक लेखा	-वही-
५.	पवित्र नारायण सेनगुप्ता	-वही-		परीक्षा, कल-०-I		
६.	भूपेन्द्र नाथ नाथ	-वही-		समा०		
७.	द्विपेन्द्र नाथ मुखर्जी	-वही-				
८.	रथिन्द्र नाथ कर	-वही-				
९.	उपर निखित पदोन्नति अधिकारी को चेतावनों दो जातो हैं ग्रेट “बी” में उनको नियुक्त पूर्णत अस्थाई हैं और सौधी भर्ती या अन्य अधिकारियों के लिए निर्धारित पद पुनरीक्षण/परिवर्तन योग्य है जिसके आवंटन या निर्णय सरकार अन्तिम रूप से ले सकती है। दूसरे छद्दों में अन्तिम रूप से पदोन्नति अधिकारों को गृह मन्त्रालय के आदेश सं० ९/१/५५-एम० आर० प०० एस० दिनांक २२-१२-५९ के निर्देशनुसार सौधी भर्ती के अधिकारी के साथ रेल्टसें में लाया जायेगा (जब वे उपलब्ध होंगे) और जब वे स्थापना के लिए अधिक होंगे तब उन्हें वापस लौटा दिया जायेगा।					
१०.	उनकी पदोन्नति श्री गोरु कुमार दे, निरीक्षक (एम० जी०) द्वारा दायर की गई 1984 की रिट याचिका सी० आर० सं० ४९६ (डब्ल्यू) के अन्तिम निर्णय के अनुसार होगी और अवमानना आवेदन के आदेशनुसार एक पद वितर रखा गया है।					
११.	यह पदोन्नति श्री एस० आर० दत्त शर्मा, निरीक्षक और अन्य द्वारा आरक्षण पर फार्हित की गई रिट याचिका के अन्तिम निर्णय पर भी निर्भर करेगी।					
१२.	II. स्थानान्तरण एवं पदस्थापना					
१३.	निम्नलिखित स्थानान्तरण एवं पदस्थापना अन्य आदेश आमे तक इसके द्वारा तत्काल सारू की जाती है :—					
१४.	क्र० अधिकारी का नाम वर्तमान पदस्थापना पदोन्नति/स्थानान्तरण के बाबू पदस्थापन					
१५.	१. देवेन्द्र कुमार दास (सिंहा)	खरद केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रमण्डल, कल-०-II समा०	बोलपुर के० उ० शु० समा०	-वही-	-वही-	-वही-
१६.						
१७.						
१८.						
१९.						
२०.						
२१.						
२२.						
२३.						
२४.						
२५.						
२६.						
२७.						
२८.						
२९.						
३०.						
३१.						
३२.						
३३.						
३४.						
३५.						
३६.						
३७.						
३८.						
३९.						
४०.						
४१.						
४२.						
४३.						
४४.						
४५.						
४६.						
४७.						
४८.						
४९.						
५०.						
५१.						
५२.						
५३.						
५४.						
५५.						
५६.						
५७.						
५८.						
५९.						
६०.						
६१.						
६२.						
६३.						
६४.						
६५.						
६६.						
६७.						
६८.						
६९.						
७०.						
७१.						
७२.						
७३.						
७४.						
७५.						
७६.						
७७.						
७८.						
७९.						
८०.						
८१.						
८२.						
८३.						
८४.						
८५.						
८६.						
८७.						
८८.						
८९.						
९०.						
९१.						
९२.						
९३.						
९४.						
९५.						
९६.						
९७.						
९८.						
९९.						
१००.						
१०१.						
१०२.						
१०३.						
१०४.						
१०५.						
१०६.						
१०७.						
१०८.						
१०९.						
११०.						
१११.						
११२.						
११३.						
११४.						
११५.						
११६.						
११७.						
११८.						
११९.						
१२०.						
१२१.						
१२२.						
१२३.						
१२४.						
१२५.						
१२६.						
१२७.						
१२८.						
१२९.						
१३०.						
१३१.						
१३२.						
१३३.						
१३४.						
१३५.						
१३६.						
१३७.						
१३८.						
१३९.						
१४०.						
१४१.						
१४२.						
१४३.						
१४४.						
१४५.						
१४६.						
१४७.						
१४८.						
१४९.						
१५०.						
१५१.						
१५२.						
१५३.						
१५४.						
१५५.						
१५६.						
१५७.						
१५८.						
१५९.						
१६०.						
१६१.						
१६२.						
१६३.						
१६४.						
१६५.						
१६६.						
१६७.						
१६८.						
१६९.						
१७०.						
१७१.						
१७२.						
१७३.						
१७४.						
१७५.						
१७६.						
१७७.						
१७८.						
१७९.						
१८०.						
१८१.						
१८२.						
१८३.						
१८४.						
१८५.						
१८६.						
१८७.						
१८८.						
१८९.						
१९०.						
१९१.						
१९२.						
१९३.						
१९४.						
१९५.						
१९६.						
१९७.						
१९८.						
१९९.						
२००.						
२०१.						
२०२.						
२०३.						
२०४.						
२०५.						
२०६.						
२०७.						
२०८.						
२०९.						
२१०.						
२११.						
२१२.						
२१३.						
२१४.						
२१५.						
२१६.						
२१७.						
२१८.						
२१९.						
२२०.						
२२१.						
२२२.						
२२३.						
२२४.						
२२५.						
२२६.						
२२७.						
२२८.						
२२९.						
२३०.						
२३१.						
२३२.						
२३३.						
२३४.						
२३५.						
२३६.						
२३७.						
२३८.						
२३९.						
२४०.						
२४१.						
२४२.						
२४३.						
२४४.						

समाहर्ता, कलकत्ता-II/बोलपुर, अधिकारियों के पदस्थापना संबंधी निश्चित आदेश अपने-अपने समाहर्तालय में पुनः जारी करेंगे।

गृह मंत्रालय के कार्यालय जापन सं० एफ० 7/1/80/स्था० पार्ट-1 दिनांक 26-9-81 के अनुसार अपने वेतन नियतन के संबंध में पदोन्नति अधिकारी अधिकारी पदोन्नति तिथि से एक माह के अन्दर अपना आशय प्रकट करेंगे।

स्थानीय व्यवस्था करके अधिकारी को शीघ्र कार्यमुक्त करें।

सी० भुजंगस्वामी

प्रधान समाहर्ता

सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
कलकत्ता

इलाहाबाद, दिनांक 26 जून 1986

मं० प० क्र० II(3) 103-स्था०/85/487—समाहर्ता केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, इलाहाबाद ने निम्नलिखित निरीक्षकों (सेलेक्शन ग्रेड) को वर्ष 1984 एवं 1985 में उनके नाम के सामने दर्शाई तिथि से अधीक्षक, ग्रुप 'बी' के पद पर नियुक्त किया है :—

क्रमांक	अधिकारी का नाम	नियुक्ति की तारीख
सर्वश्री :		
1.	श्री कान्त श्रस्थाना	8-8-1984
2.	हरिहर राय	11-9-1984
3.	प० क० घटक	15-8-1984
4.	अर्जीत कुमार बालचंद्री	4-6-1984
5.	के० एल० श्रीवास्तव	17-7-1984
6.	मो० अंतर रजा	31-7-1984
7.	कामला प्रसाद गुप्ता	5-9-1984
8.	जगजीवन बक्स सिंह	15-12-1984
9.	राम जीवन पांडेय	1-2-1985
10.	कृष्ण कुमार शुक्ला	21-1-1985
11.	विष्णु द्वारपल श्रीवास्तव	28-1-1985
12.	बघर्ह लाल (एस० सी०)	4-2-1985
13.	राम राज हरिजन (एस० सी०)	18-4-1985
14.	मीता राम (एस० सी०)	11-6-1985
15.	के० सी० सक्सेना	28-8-1985
16.	एस० पी० सिंह	28-8-1985
17.	बी० आर० डे	4-9-1985
18.	बी० के० श्रीवास्तव	10-1-1985
19.	घनश्याम सिंह	8-10-1985
20.	एस० सी० गुप्ता	21-2-1986

प० क्र० 11(3) 103-स्था०/85/487—समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क इलाहाबाद ने निम्नलिखित कार्यालय अधीक्षकों को वर्ष 1984 एवं 85 में उनके नाम के सामने दर्शाई गई तिथि से प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

क्रमांक	अधिकारी का नाम	नियुक्ति की तिथि
सर्वश्री		
1.	श्री गोरी शंकर श्रीवास्तव	6-7-1984
2.	ए० के० कार	21-2-1986

परवीन तल्या,
उप समाहर्ता (का० एवं स्था०)

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी रजिस्ट्री का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अमेदर एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 23 जून 1986

सं० 2410/560/86-87—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर अमेदर एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अठीयन्तादी कन्प-ट्रूक्शन सर्विसेस कम्पनी प्रा० लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 23 जून 1986

सं० 5736/560/86—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर अठीयन्तादी कन्प-ट्रूक्शन सर्विसेस कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे० के० रमणी,
कमानियों का रजिस्ट्रार

प्रकल्प वार्षिक ट्रॉफी एवं एवं

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वा
269-प (1) के अधीन सूचना

(1) श्री वर्धन आईस फैक्टरी

जीवना बन्दरज श्रीवर्धन जि० रायगढ़।

(अन्तरक)

(2) म्लोरियस एण्टरप्राइजेस

ए-6, एवरेस्ट टारदेव बम्बई।

(अन्तरिती)

भारत वरुण

कार्यालय, उद्यापक बाबकड़ बाबूपत्र (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना-1

पुना, दिनांक 28 मई 1986

निदेश सं० 37जी/483/85-86—यतः मुझे; अनिल
कुमारआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्हें इसमें
उक्त प्रकल्प 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घाय
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह प्रियवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्तरा उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० है तथा जो श्रीवर्धन में स्थित है (और
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्री करण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
नवम्बर, 1985,के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवाउ
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अथवाउ प्रतिफल से, ऐसे अथवाउ प्रतिफल का
पूर्व प्रतिष्ठान से अधिक है जो अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रत्यक्षिक रूप से कठित नहीं किया गया है—कि यह सूचना आई वर्क्स पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के दिये
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(ष) एसी फिसी आय या किसी भन या अन्य वासिताओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वारा उक्त अधिनियम द्वा धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तर्रती इमाय प्रकट नहीं किया था या
किया जाना चाहिए या छिपाने में विविध के लिए,

अनुसूची

(व) एसी फिसी आय या किसी भन या अन्य वासिताओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वारा उक्त अधिनियम द्वा धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तर्रती इमाय प्रकट नहीं किया था या
किया जाना चाहिए या छिपाने में विविध के लिए,अनिल कुमार
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पुनाअतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 28-5-86

मोहर :

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 जून 1986

निदेश सं० 48799/85-86—यतः मुझे, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 16 है, तथा जो जयमहा रोड जय महा एक्सटेनशन
बंगलूर-46 में स्थित है (और इसमें उपावद्व अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय,
गांधी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 28-10-1985,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हृष्यमान प्रतिफल से ऐसे हृष्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री जोन साम्युल लूतर
5/14, मिलटन स्ट्रीट,
कुम्ह टौन बंगलूर-560005

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सिनेमा प्राइवेट लिमिटेड
संतोष सिनेमा काम्पलेक्स
के० जी० सरकल, बंगलूर-9

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृधि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधाहृस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की आवस उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बच्से में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगभार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहुए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2087/85-86 दिनांक 28-10-85)

[सब सम्पत्ति है जिसका सं० 10 जो जयमहल रोड, जयमहल
एक्सटेनशन बंगलूर-46 में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 9-6-1986

मोहर [.]

प्रस्तुप आई. टी., एम., एस. -----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन दृष्टवा

भारत सहायता

कार्यालय, सहायत कायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 जून 1986

निदेश सं० 48800/85-86—यतः मुझे, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'चक्र अधिनियम' कहा जया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, विविहा उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 3/1 है, तथा जो 1 ए मैन रोड, गंगेनहल्ली,
बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गांधीनगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 24-10-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित कों गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविहा में
वात्तव्यिक रूप से कार्यत नहीं किया जाया है—

(क) अंतरण से हूर्दे किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुएक के
शायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) हेसी किसी बाब वा किसी अन्य वा बन्ध वास्तवियों
वाले, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
वा वा किया जाला जाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) डॉक्टर एम० अखेत्या
काढुगोडी बिदराहल्ली होबली
हुम्सकोटे तालुक।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० जगेन्नाथन,
3/1, I ए० मैन रोड,
गंगेनहल्ली एकम्टेंगत
बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्तन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्तन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख ते 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही वर्थ होना जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2664/85-86 दिनांक 24-10-85)
मव्र सम्पत्ति है, जिसकी सं० 3/1 जो Iए मैन रोड गंगेन-
हल्ली बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बाबू बद्र, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तरण
में, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा :

दिनांक : 9-6-1986

मोहर :

प्रबन्ध आहे. टी. एन. एल. -----

(1) पूजा आरकेड,
को० एम० राव रोड़,
मंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री संजीवा नारायण शेट्टी और
श्री दिनेश एलापा शेट्टी,
2. दक्षिण एन्टेट, मशावेह विलेज,
किंगडोलि, मंगलूर । (अन्तरिती)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आधिकर भारत सरकार (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 जून 1986

निवेश सं० आर-1861/85-86—यन्त्र: मुझे, आर०

भारद्वाज,

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० शाप नं० एल-बी 8 से एल-बि 14, एल-एम,
एल-ग, एल-ग्डि 3 और एल-सी-4 है, तथा जो कसवा
बाजार विलेज, मंगलूर में स्थित है (अर्थात् इसमें उपोत्तर अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी
के द्वायालिय मंगलूर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28-10-1985,
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) एसी किसी जाय या किसी एन या कन्या वासितणी
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रभुसुखी

(दस्तावेज सं० 1617/85 ता० 28-10-86)

सम्पत्ति है, जिसकी सं० एल-बी 8 से एल-बी 14, एल-
ए३, एल-एम, एल-सी 3 और एल-सी-4, जो, कसवा बाजार
विलेज, 13 वार्ड, मंगलूर, में स्थित है ।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर ।

कथ: आप, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उम्माग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 4-6-1986

मोहर :

प्रसूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 4 जून, 86

निदेश सं० 1122/86-अतः—मुझे आर० भारद्वाज
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 293-1 पि, 309-पि, 294 से
300-पि, 312(416/313) 313(415/313 वि), 308/
पि, 308/पि, 307 हैं तथा जो देवहन्दा विलेज गोपीबीर
होड़लि मुडिगेरे तालुक में स्थित है (और
इससे उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि:
स्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मुडिगेरे में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-1-86
मठिगेरे

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का
पूर्व प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के बंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/वा

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवीयों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती रूपारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

... आय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण
में, तक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

- (1) 1 पी० आर० एम० एल० आर० एम० रामनाथन
—आर० एम० गणपति चेट्टियार, जगिरखान
एमटेट मुडिगेरे तालुक (2).आर० एम० रामनाथन—
सेतुरामन नचन्दु पट्टि पुदुकोटा तमिलनाडु
- (3). पी० एल० एम० वि० वेंकटाचलम चेट्टियार,
वीररथि॒ पुदुकोटै तमिलनाडु डिस्ट्रिक्ट
- (4) श्रीमती वि० मुनुकुण्ठि अयि, नं० ३
श्रीराधिसं पुदुकोटै तमिलनाडु ।

(अन्तरक)

- (2) श्री पी० स्कावियर फ्रनान्डिस,
श्रार्या समाज रोड,
मंगलर बै प्रतिनिधि—श्री कठान्लै हेरोल्ड लोबो,
55, बीलर रोड, [कास बंगलूर—5]

(अन्तरिती)

को यह सूचना आर्यी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वासेव ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति है: जिसकी सं० 293-1पी, 309-पि, 294 से
299, 300-पी, 416/313, 415/313वि० 308-पी.
308-पी, 308पी जो देवहन्दा विलेज, मुडिगर तालुक, में स्थित
है ।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 4-6-1986

मोहर :

प्रकाश लाइन्स एस.एस.-----

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारत 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर आवृत्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जून 1986

निवेश सं. एम. डी. 1/86-87—प्रातः मुझे, एम.
आर० दास

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा-
269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो बेरल हाउस मसूरी में स्थित है
(और इसमें उपावड्ह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहानुन में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-
10-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त दावार मूल्य से कम के दृष्टिभाव
द्वारा दाव के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य के मह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टिभाव प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिभाव प्रतिफल के पांच
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वापर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आविष्ये
के, जिन्हे भारतीय ब्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

वक्त: जब, उक्त अधिनियम की धारा 260-प के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
है स्वीकृत निरीक्षण व्यक्तियों, अधीक्षि :—

4—156GI/86

(1) श्रीमती गुरुज देवी 2. श्रीमती सरोज कुमारी
3. श्रीमती बीना बडबर 4. रमेश अन्द्र गलहोता
द्वारा गुरान एसोसिएट फ्रांजिल्का पंजाब
(अन्तरक)

(2) मैं० सरस्वती द्रेझर्स द्वारा किशनलाल एवं आर०
के० कोहली शेर सिंह प्लेस जी० टी० रोड
गाजियाबाद । (अन्तरिती)

(3) उपरोक्त (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) उपरोक्त (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

वह यह सूचना आर० करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन वे लिख
कार्यालयों करता है ।

सम्पत्ति सम्पत्ति के अधीन के संबंध में काहू भी बाष्पोप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
वायिक दाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45
दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल
लिखित में किए जा सकेंगे ।

वायिकरण:—इसमें प्रथम उद्दौ और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में वरिभावित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
जाता है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जो लेटल हाउस के नाम से ग्रांन्ट लेन कुरली
मसूरी में स्थित है)

एच० आर० दास
सक्रम प्राधिकारी
सहायक ब्रायकर आवृत्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 4-6-1986

मोहर :

इस्प बाहूँ दौँ एस. पर्स.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत बारकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 4 जून 1986

निवेश मं० एम० डी० 376/85-86—अतः मुझे, एवं
आर० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन, सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिमकी सं० --- है तथा जो दिमाल मूसूरी में स्थित है
(और हमें उपावद अनुमति में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीर्टर
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-
10-1985

कि पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हस्यमान
श्रांतफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य के यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवेक्षण सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीतयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सर पाया गया
श्रांतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रस्तावित रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देव के अन्तरक के
वार्यात्मक में कमी करने का उक्त अन्तरण एवं सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एही किसी बाय का किसी भन या अन्य वासितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात् :—

- (1) श्री किशनलाल—बी—12 मजलिस पार्क नई दिल्ली
- 2. श्री कश्मीरी लाल पैराडाइज बिल्डिंग 100/1
जी० टी० रोड करनाल।
- 3. श्री कुमुद लाल बी०—12 मजलिस पार्क नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) श्री एस० आर० नरुला
द्वारा सन्दीप ग्राफिक प्रा० लि०
23—कम्प्युनिटी सेंटर मायापुरी
नई दिल्ली।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के उच्चपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अक्षितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उच्चपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुत
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
जिहित ने किए था तबैं।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्ट और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में वर्णित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
विद्या द्वारा है।

मूसूरी

होटल पैराडाइज कान्टीनेंटल दि माल मूसूरी।

एच० आर० दास
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

दिनांक : 4-6-1986

मोहर :

प्रक्रम बाहौदी.एव.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत बाजार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जून 1986

निवेश सं० को-349/85-86—अतः मुझे, एच० आर० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० ब्लाक सं० 7 है तथा जो नवशील अपार्टमेंट कानपुर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-10-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिक प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अधिकारी प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंलरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ता अन्तरण लिंगत में धाराविक रूप से कथित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भक्ति अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अधीन में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन रेज़, कानपुर

(1) श्री क० क० भृतिग एवं अन्य
56 कन्टोनमेंट कानपुर।

(अन्तरक)

(2) इण्डियन एक्स्प्रेसिव लिं०
34 चौराधी रोड, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

(3) क्रेतागण

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
मम्पत्ति है)

(4) क्रेतागण

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय अवधि किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिपिचित में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक सं० 7
नवशील अपार्टमेंट्स कन्टोनमेंट कानपुर।

एच० आर० दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, कानपुर

दिनांक : 6-6-86

मांदूर :

प्रख्यात डॉ. औ. एन. दस. -----
बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-क (1) के अधीन सूचना

प्राचीन संरक्षण

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जून 1986

निर्वेश सं० एम० 1085/86-87—अतः मुझे, एवं

आर० दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘विसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है’), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० — है तथा जो सदुल्लाखाद, गाजियाबाद में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में आंगूर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-10-1985

को पर्वोंकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृमत यह विवास करने का कारण है कि यथापर्वोंकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके अव्यापान प्रतिफल से ऐसे अव्यापान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर हने के अन्तरण के अविवित ने कमों करने या उत्तर से बचने वाले सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी भाव या किसी वज या अव अविवित के, जिन्हे भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया रखा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने वाले अविवित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, यौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-क की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविवितों, अवधारी :—

(1) श्री जगमाल मिह पूत्र श्री तिरखा निं० सदुल्लाखाद लौनी, गाजियाबाद ।
(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी नारायण गुप्ता द्वारा मै० डॉ० एल० एफ० होटल्स लि० नरेन्द्रा लेस संसद मार्ग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

(3) तथैव

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) तथैव
(वह व्यक्ति; जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानकारी है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

करों यह सूचना जारी करके प्रावौंकृत सम्पत्ति के अर्जन के लए कार्यदातियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वापरेव —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों परु सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोंकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताक्षरी के बाब निवित में किए जा सकें।

प्राप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राम—सदुल्लाखाद परगमा लौनी, गाजियाबाद ।

प्राप्त आर० दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 6-6-1986

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कामपुर

कामपुर, दिनांक 6 जून 1986

निर्णय सं. एम० 1086/86-87—यतः, मुझे,
एच० आर० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते
हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसुका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जियकी सं. --- है तथा जो बहटाहाजीपुर में स्थित है (ओर
इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्ट्री-
रूर्ति अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
14-10-85

क्षे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम हो इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य उसके इयमान प्रतिफल से ऐतेह इयमान प्रतिफल का
एन्वेष्य प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तथा पाया
जाना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरण से उचित अवश्यक विविध
में वास्तविक रूप से कमित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से इस किसी काव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक से
हासिल हो करने का उद्देश बचने में तुलित
हो लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय वा किसी भग वा अन्य वासिताओं
को, जिन्हे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्राप्त-
गार्व अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया वा
या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सूचित
हो लिए;

जब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसार
में, वे उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1)
के द्वारा, निम्नलिखित अन्तरण, अस्ति :—

(1) श्री कबूल व खजाना पुन श्री केवल
निं. बहटाहाजीपुर लौनी, गाजियाबाद ।
(अन्तरक)

(2) मे० उत्तरांचल विहार सहकारी आवास समिति
लि०, गाजियाबाद द्वारा अध्यक्ष श्री के० एस०
नेंगी ।

(अन्तरिती)

(3) तथैव
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(2) तथैव
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है)

वह सम्पत्ति बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के संबंध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की बद्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की बद्धि, जो भी
बद्धि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति हूँ तथा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी बन्द व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

लिखितरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और एवं का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही वर्त होंगा, जो उस अन्याय में दिया
जाता है ।

अनुसूची

ग्राम—बहटाहाजीपुर, परगना लौनी, गाजियाबाद ।

एच० आर० दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कामपुर

दिनांक : 6-6-1986
मोहर ।

प्रस्तुत वाहन, डी.एस.एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आदानपत्र (विरोक्ति)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जून 1986

निर्देश सं० 1/अक्टूबर 85—अतः मुझे, आर०
जानकीरामन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 85 (डी० एस० सं० 423)
है वथा जो नुंगम्बाकरम् मद्रास में स्थित है (और इसमें अनुबन्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, थौसन्डलैट्स) लेख सं० 506/85 में रजिस्ट्रीकरण
भारतीय अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्ष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
की कारण है कि यथाकौशल सम्पत्ति का अधिक बाजार मूल्य,
इसके इक्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इक्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पता गया
प्रतिफल, निम्नलिखित दृष्टिय से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बास्तु उक्त
अधिनियम के अधीन उक्त दर्दे के अन्तरक के छाँसित
में कठी करने या उक्त दर्दे के दूषिता के लिए;
मार्फ/या

(ख) एसी किसी वाय या किसी भव या वस्तु नामितगां
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रत-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दृवारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
ने दिलाया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री टी० वी० जगदीशन्।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेशकुमार और फन्यों।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्तन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उपर उल्लिखित वर्तन के सम्बन्ध में की है भी वालों पर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि का तत्परम्परी व्यक्तियों पर
सूचना की वापीस से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले दो मापदंड होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर रसम्पत्ति में हितकदृध
किसी अस्थ व्यक्ति द्वारा दाभांहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
जाएगा।

अनुसूची

भूमि और मकान—आर० एस० सं० 85 (डी० एस० सं०
423), नुंगम्बाकरम् मद्रास, थौसन्डलैट्स लेख सं० 506/85।

आर० जानकीरामन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर ग्राम्यका (तिरीकीय)
अर्जन रेज-II (आई/सी)
मद्रास-6

विनांक : 3-6-1986

मोहर :

मृत्यु वाहन दी एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
वार्ष 269-व (1) के वर्तीन सूचना

भारत सरकार

कल्याण, महायक आयकर बाबार (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जून 1986

मिशेंग सं० 2/अक्टूबर 1985—अन्तः मुझे,
श्री आर० जानकीरामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वार्ष
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जियका उचित बाबार भूमि
1,00,000/- रु. से अधिक है।

श्री जिमकी सं० आर० एस० सं० 132/2, ब्लाक सं० 21,
है, जो नुगम्बाकम् गांव में स्थित है (श्री इससे उपाबद्ध में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय,
थोसन्डलैट्स लेख सं० 501/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर
1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृष्टिकोण
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार
मूल्य, उसके दृष्टिकोण प्रतिफल से ऐसे दृष्टिकोण प्रतिफल के
प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के दोष उसे, अंतरक के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बाबारण लिखित में
पासविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) मूलदार ने हृदय किए गए की भावन उक्त भूमि
विषय को अर्थात् कर है के उसके के नामांकन एवं
कमी करने वा उससे अचर्चने में दुष्कृति की लिया;
लौर०/एस०

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाय
वा या किया जाना चाहिए था लियाने में दुष्कृति
की लिया;

वर्त: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के बन्दुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, विम्नलिखित व्यक्तियों कर्त्तव्य है—

(1) श्री पी० एन० ईश्वर अम्बर अंग ब्रन्टों

(अन्तरित)

(2) श्रीमती शगकती नियामि और अन्यों

2, मेसर्स नियामि. ब्रवर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरित)

को यह सूचना बाबी कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के विद्युत
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्तन में सम्बन्ध में कोई भी वासेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाबी में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकृष्ण
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकते

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो सूचना
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही वर्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृसूची

भूमि आर० एस० सं० 132/2, नुगम्बाकम् मद्रास
थोसन्डलैट्स लेख सं० 501/85।

आर० जानकीरामन
सक्षम प्राधिकारी
सङ्घायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II (गई/सी) (मद्रास

दिनांक : 4-6-1986

मोहर

प्रकृत वाद है एवं ऐसा

आदेश अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

- (1) इन० बी० पार्वती की पावर एजेन्ट पी० नटराज
(अन्तरक)
- (2) श्री शिवलिंगम् और त्यागराजन
(अन्तरिती)

भारत वाक्यालय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जून 1986

निवेश सं० 6/अक्टूबर 1985—ग्रतः मुझे आर०
जानकीरामन्

आदेश अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इहके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जया है), की भारा
269-ग के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विवाद करने का
पारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार बूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ठाठाबाढ़ 11/85 टी० एस० 666 है जो
पुराना सं० 55 कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपावद्व
में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय, कोयम्बतूर लेख सं० 4635/85 में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
अक्टूबर 1985,

को पूर्वोत्तर संपत्ति को उचित बाधार बूल्य से कम के अवधार
प्रतिफल के बिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि विवादपूर्वक वंपत्ति का उचित बाधार
बूल्य, उसके अवधार प्रतिफल से एसे अवधार प्रतिफल के
पाइছ प्रतिवाद से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण जै निए तब पाया जाया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिलाई भै
वास्तविक इप से कथित नहीं किया जया है :—

(७) अंतरण से हुई किसी वाद की वादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बावजूद
में कमी करने दा उक्त दने वे सूचिता जै
किए; और/या

(८) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य असामाजिक
को चिह्न है भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वाय प्राप्त नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, जिसने में सूचिता जै

अदृष्ट वव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुदर्ज
है, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपावद (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के बर्बन के बिए
कर्यवाहियों करवा दू।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी वास्तव :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिवाद, पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोत्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पौरभावित
हैं, वहीं विर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
जया है।

अनुसूची

भूमि और मकान-जयी सं० 11/85-टी० एस० सं० 666,
ठाठाबाढ़, कोयम्बतूर, कोयम्बतूर लेख सं० 4635/85।

आर० जानकीरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक : 4-6-1986

मोहर :

प्रस्तुप लाइन.टी.एन.एस.-----

(1) श्री मनो के० हुसैन

(अन्तरक)

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वी० आनन्द ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 4 जून 1986

निदेश सं० 7/प्रक्तवर 1985—अतः मुझे, आर०

जानकीरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्ता 'पिनियम' कहा गया है) की भारा
269-व के अधीन संलग्न प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ऐटुपालाम नडागमएकपटेशन है, जो आर०
एस० पुरम् कोयम्बतूर में स्थित है (और इसमें उपावद्व में
और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कोयम्बतूर लेख सं० 4338/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(क) एसी किसी आय या निकली धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किसी जाना धारिए था, उपाने में मूविधा
के लिए;

भूमि और मकान—आर० एस० पुरम्—पूरब तिर्येक्ट सामि
रोड ब्लाक सं० 14, सैठ सं० 34, कोयम्बतूर—कोयम्बतूर
लेख सं० 4338/85।

आर० जानकीरामन
मकान प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II (ग्राईसी) मद्रास-6

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5—156GI/86

दिनांक : 4-6-1986

मोहर :

राष्ट्र संघ द्वारा एवं इस

द्वारा १९६१ अधिनियम, १९६१ (१९६१ वा ४३) की धारा
२६९-ग (१) के अधीन दृष्टा

भारत सरकार

प्राधिकार, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जून 1986

निरेश सं० ११/अक्तूबर १९८५—अतः मुझे, श्री आर०
जानकीरामन्

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा २६९
ग के कभीन साथ साधारणाकारी को, यह विभाग करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और नियमी सं० आर० पृ० सं० ३६६६/टोर. सं० ६१, सर०
सी० पी० रामसामी है, जो अच्युत रोड, मैलापुर में
स्थित है (और इसमें उपावन में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास रोडलूल लेख सं०
१०२०/८५ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम १९०८ (१९०८
का १६) के अधीन दिनांक अक्तूबर १९८५,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिक्रिया के लिए अतीरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिक्रिया से, एसे दृष्टमान प्रतिक्रिया का
गल्लूह प्रतिक्रिया से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों)
और बंतरिका (बंतरिकाओं) के बीच एसे बंतरक के लिए वर्ष बाबा या प्रौद्योगि-
कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरक निक्षित में बास्त-
विक रूप से कीचित नहीं किया जाता है ॥

(क) बन्तरक सं हृ० किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के असरके दृष्टित्व
में कभी करने द्वारा उससे बचने में सुविधा के लिए
जीर्ण/वा

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के
प्रयोगनार्थ अंतरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अभ्यः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम को धारा २६९-ग की उपधारा (१)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (१) डा० आर० सुभसिंहम् और ४ अन्यों
(अन्तरक)
- (२) मेसर्स॒ राशि एक्सपोर्ट्स॒ प्राइवेट लिमिटेड
मानेजिंग डाइरेक्टर आर० बालकुमार
(अन्तरिती)

को यह दृष्टा वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

इस सम्पत्ति के बचन के दृष्टमध्ये कोई भी वास्तवः—

- (क) इस दृष्टा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन की वधियि या उत्तममध्ये अधिकारी द्वारा दृष्टमध्ये
की तारीख से ३० दिन की वधियि, वा भी वधियि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अधिकता द्वारा;
- (ख) इस दृष्टा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास जिसीसे में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय २०-के में परिभासित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान —६१ सर० सी० पी० रामसामी
अच्युत रोड, मद्रास सेण्टल लेख सं० १०२०/८५, मद्रास ।

आर० जानकीरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास-६

दिनांक : ३-६-१९८६

मोहर :

प्राकृत बाइ^१, टी.एन.एस. -----

(1) श्रीमती सरोज भाटिया

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
को धारा 269 प (1) के अधीन सचन

(2) श्री एम० एम० हैंजा नाथिया और अन्यों

(अतिरिक्त)

मुख्यमन्त्री, वाराणसी

कार्यालय, सहायक वाचकर वाचकर (विरोधक)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जून 1986

निवेश सं० 12/अक्टूबर 1985—अतः मुझे, श्री आर०
जानकीरामन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 13, न्यू सं० 12, गोडिया मठ रोड, है, जो
रायपेटा, मद्रास-14 में स्थित है (और इससे उपावड़ में और²
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
मैलापुर लेख सं० 1367/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 1908 का 16) के अधीन,
दिनांक अक्टूबर 1985,को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के ददमाल
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि वायापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इस्यमान प्रतिल ल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का बन्ध
शीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(१) बाबूदाह दे हूई किसी वस्तु की वस्तु, उक्त
अधिनियम के अधीन कहु दर्शे के अन्वयक के अवित्य
में की कल्पने वा उक्त दर्शे दे हूईका के लिए
रुप०/मा

ग्रन्ति

(२) हेंडी किसी वस्तु वा किसी वस्तु वा वस्तु वास्तव्यमें
को लिहू वार्ताय वाचकर वाचकर, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा वस्तु
वाचकर वाचिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती दृष्टाय प्रकट नहीं किया गया
वा वा किसी इतना जारी वा वाचकर वा, किसी वा हूईका
वा लिखूभूमि और मकान सं० 12 गोडिय मठ रोड आर० एस०
सं० 382, ललाक सं०-८ रायपेटा, मद्रास-14 मैलापुरलेख
सं० 1367/85आर० जानकीरामन
सकम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रासअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों अधारत् ८—दिनांक : 3-6-1986
मोहर :

प्रध्य बाई^१, स्त्री, एवं एव. ——————,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

सातुर बालका

कार्यालय, सहावर अधिकर बाजार (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास
मद्रास, दिनांक 3 जून 1986

निदेश सं० 13/अक्तूबर 1985—अतः मुझे, श्री शार० जानकीरामन,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे, इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्थित विद्युत चाँचल बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15 पूरब एवेन्यू के० पी० पुरम है, जो मद्रास सं० 28 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर लेख सं० 1394/85 . भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर 1985,

क्वो पूर्वोक्त संस्थित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्यमत उपरित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरार्तियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथर नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य गास्तियों की विन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या एवं कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाय या किया जाना चाहीए या छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री एस० चंपकम

(अन्तरक)

(2) मेसर्स शिवानंद स्टील्स

लिमिटेड

की० मनेजिंग डाइरेक्टर श्री पी० कृष्णमूर्ति

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थमें संबंध में कोई भी वास्तव—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियों द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-नदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वही अर्थ होते। जो उस अध्याय में विद्या देता है।

मन्त्रालय

भूमि और मरान—15 पूरब एवेन्यू—के० पी० पुरम
मद्रास—8।

मैलापुर लेख सं० 1394/85।

आ० जानकीरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेज-II मद्रास

दिनांक : 3-6-86

मोहर

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, यौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

मध्य प्रदेश से, अस्त्र हृति

- (1) श्रीमती पी० आ० पुष्पवली और 4 अन्यों
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती जोनालाय और 3 अन्यों
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियंत्रण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जून 1986

निवेदण सं० 14/अक्टूबर 1985--अतः मुझे, श्री आर० जानकीरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सूचना प्राप्तकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, विविध उचित बाधाएँ मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1, डाकटर गांधी कृष्णन शालै है जो मैलापुर-मद्रास-4 में स्थित है (आ० इसमें उपावड में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राज्यप्रानी अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर लेख सं० 1414/85 में भानीय 'जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)' के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1985,

को दूर्बलता संम्पत्ति के डॉक्यूमेंट आधार मूल्य से कम के अस्तराह प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि धारापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाधार मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से एसे अध्यमान प्रतिफल का पूर्ण प्रतिवर्त से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, नियमितिवाच उद्देश्य से उचित अनुरण लियिए तो वास्तविक रूप से कीथिया नहीं किया गया है ॥—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीय करता हूँ।

उक्त अधिनियम के अर्जन के संदर्भ में यहाँ भी बाष्पिय ॥

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर उचित वार्ता की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में संप्राप्त छोटी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित्व के द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हित-वहूँ किसी व्यक्ति इवारा, अवाहस्तावरी के पाद लिखित से नियम द्वारा लाभेभाव

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अनुराग वंश की वाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कारु देने के अन्वारक वैदिक वंश की वाय वायत वंश से उत्पन्न होने से उत्पन्न के लिए ॥—॥,

मृत्युचारी

(ख) एसे किसी वाय या ऐसी वाय वा वन्य वासियों को, जिन्हे वाराणीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती इवाय प्रकट भही किया गया या किया जाता जातिए था, लिपावे से सुविधा ही लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) में वचन, नियमितिवाच व्यक्तियों, अथवा ॥—

दिनांक : 4-6-1986
मोहर :

आर० जानकीरामन
सहायक आयकर आयुक्त (नियंत्रण),
अर्जन रेंज- 'आई/सी' मद्रास-6

बहुत बाहौदरी से प्रतिक्रिया करना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती जया नटराजन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रसो थम्पकम

(अन्तरिती)

आए उल्लंघन

काव्यज्ञान, ग्राहक आयकर आवृत्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जून 1986

निर्देश सं. 15/प्रकृत्वर 1985—अतः मुझे श्री आर० जानकीरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उल्लंघन पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विस्तार करने का
कारण है कि उसका उचित बाजार भूमि
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 15, प्लाट सं. 4 बेस्ट एवेन्यू है, जो
एलियट्स बीच रोड मद्रास-20 में स्थित है (और इसमें उपावन
में और पूर्ण रूप में विनियम है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
ग्राहार लेख सं. 2732/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर
1985

को पूर्वोक्त उचित के उचित नाचार भूमि से क्षम के लियावान
प्राप्तिकर के लिए अनुरोध की गई है और उक्ते यह विस्तार
करने का कारण है कि उपरोक्त उचित का उचित बाजार
भूमि, उक्ते लियावान प्राप्तिकर के द्वारा लियावान प्राप्तिकर का
भूमि प्राप्तिकर के अधिक है और उक्तरक (उचिती) और
उचिती (उचितीरही) के बीच इसे उक्तरक के लिए यह
प्राप्तिकर, विवरितीकर उचित के उक्तरक उचित
में वालीकर करने की उचित गही किया गया है ॥—

(ख) उक्तरक के हूर्दे किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम में अधीन कर देने के उक्तरक के
उचित के लिए करने वा उक्तरक उचित के
किसी बारे में

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूमि अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

आयकर अधिनियम की भारा 269-व के अनुसार
में वै, उक्त अधिनियम की आय 269-व की उपाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, उचित ॥—

जो यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त उचित के उचित
कारणाद्वयों करता है ।

उचित उचित के उचित उचित के उचित ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद वे उपाय द्वेषी हैं, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान उचित में हितबद्ध
किसी बन्द व्यक्ति द्वारा जगहत्ताकारी के पाल
मिलित में किए जा सकते ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्णों का, जो उचित
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि और मकान—15 बेस्ट एवेन्यू एलियट्स बीच
रोड मद्रास-20 ग्राहार लेख सं. 2732/85 ।

आर० जानकीरामन
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))
अर्जन रेंज-II मद्रास

दिनांक : 4-6-1986

मोहर ॥

संक्षेप भावना, टी. पी. एस.

(1) श्रीमती टी० आर० गण्डकुमारी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन दृष्टि

(2) श्री कौ० वी० सदानन्दन

(अन्तरित)

भारत राजपत्र

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण)

अर्जन रेंज— मद्रास

मद्रास दिनांक 4 जून 1986

निर्देश सं० 16/अक्तूबर 1985—आतः मुझे, श्री आर० जानकीरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 129, पुराना सं० 134, हबीबुल्ला रोड, है, जो टी० नगर मद्रास-17 में स्थित है (और इसमें उपावद्व में और पूर्ण स्वयं से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर नेख सं० 1173/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पूर्व प्रतिपाद से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितमा) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पादा यथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुए किसी बाब की वापस उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उक्ते उक्ते में सुविधा के लिए और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी भन या अन्य वासितयों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जस्ते अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण में, वह, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, वर्तत है—

मैं वह भूमि भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्तन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

वर्तन दृष्टि के वर्तन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी अधिकारीयों पर संभव की ठामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब ने दृष्टि होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों में से किसी अधिकत तुवारण;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहित किसी अन्य अधिकत त्वारा अधोहस्ताभारी के पास निश्चित या किए जा सकते;

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि और मकान डोर सं० 129, पुराना सं० 134 हबीबुल्ला रोड, टी० नगर मद्रास-17 टी० नगर नेख सं० 1173/85 ।

आर० जानकीरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण)

अर्जन रेंज-II (ग्राईसी) मद्रास-6

दिनांक : 4-6-1986

मोहर :

कृष्ण शाह, डॉ., एड., एस., संस्कृत

(1) श्री सुधीर कांतीनाल जसानी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) की भवग
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सेजल कन्स्ट्रक्शन्स प्राइवेट लिंग।

(अन्तरिती)

भारत का राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 11 जून 1986

निदेश सं० अई-3/37-ईई/25362/85-86—अतः मुझे
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'अन्तरित अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-ग के अधीन व्यवस्था प्राधिकारी के गहर क्षेत्र क्षेत्र का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वापर मूल्य
1,00,000/- रु. गे अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 7, नवे सं० 161(अंश), विलेज
मौजे पहाड़ी, गोरेगांव के पास, बम्बई में स्थित है (और इसमें
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 209 के
के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, दिनांक 1-10-1985,

को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित वापर मूल्य से कम को लघ्यमात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित वापर
मूल्य, उसके लघ्यमात्र प्रतिफल से, ऐसे लघ्यमात्र प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिष्ठान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवाय वाद पे अभाव नहीं हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताकरी के पास
निविल में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टटोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभ्रषित
हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

विलेज

(क) अन्तरण से हुए जिसी दोष के बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूलिका
के लिए; और/या

(ख) एसी जिसी दोष के अन्तरक दन का अन्य अस्तित्व
के, जिन्हे अस्तोप आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या उन
के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती वापर प्रकृत नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सूचित
नहीं है;

वर: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, और, उक्त अधिनियम की धारा-269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्लाट सं० 7, नवे सं० 161 (अंश), विलेज मौजे पहाड़ी,
गोरेगांव के पास, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि श्र० सं० अई-3/37-ईई/25362/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-6-1986

मोहर :

प्रस्तुति आहे. टी. एन. एस. -----

(1) श्री पिंडार्थ ग्रान्तदलाल जरानी।

(अन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

(2) श्री जगन्नाथ दत्तद्रुक्षशन्स प्राइवेट लिं।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जून 1986

निदेश सं० अई-3/37-ईई/25383/85-86—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घाट सं० 9, नं० 161 (अंश), विलेज
मौजे पहाड़ी, गोरेंगांव के पास, बम्बई में स्थित है (अर्द्ध डग्म-
उपावड्ह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), अंतरिता
निम्नलिखित अधिनियम 1961 की धारा 269 नव्व
के अधीन बम्बई नियम प्राधिकारी द्वारा अधिनियम में अनिस्त्री
है, दिनांक 1-10-1985,

को प्रवृत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यमान प्रतिफल का
पढ़ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बदलाव में संविधा के लिए;
और/या

(ख) हृदय किसी आय या नियमी एवं या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय लायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—156GI/86

को यह सूचना आरंभ करके प्रवृत्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की लाभील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अद्याध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्रवृत्ति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में पिछे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ हैं जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घाट सं० 9, नं० 161 (अंश), विलेज मौजे पहाड़ी
गोरेंगांव के पास, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/25383/
85-86 और जो पक्षम नाविजारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
वक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-6-1986

मोहर :

संक्षेप लाइन, एस. एम. एस.—
शायकर अधिनियम १९६१ (१९६१ का ५३) की
भारा २६९-ए (१) के अधीन सूचना

१८८८ संख्या

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोड—३, बम्बई

बम्बई, दिनांक ५ जून १९८६

निवेश सं० अई-३/३७६६/२५२९०/८५-८६—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम १९६१ (१९६१ का ५३) (जिसे इसमें
इसके भूत्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी एवं यह विष्वाम करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मल्य
१,००,०००/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो, विलेज घाटकोपर,
तालुका कुर्ला, गवे सं० २२०, एच० सं० २ (अंश) घाटकोपर,
बम्बई में स्थित है (ओर इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) आगे जिसका उपावड़ आगे अधिनियम
१९६१ की धारा २६९ का कारण के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्टर है। दिनांक १-१०-१९८५

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए जालान गला २ के द्वारा इसमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विष्वाम
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से ऐसे इसमान प्रतिफल का
पन्द्रह ग्रामिय से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तम अनुरूप निर्दिष्ट एवं
सास्त्रिक रूप से कठित रूपों किया गया है—

(क) अस्तरण से होने किसी भाव की बाबत, लक्ष्य
अधिनियम के अधीन इसे के अन्वरक २
वारियर द्वे कमी करने का उत्तर सहित अंतरिती
के लिए; और/वा

(ल) एसी किसी जाय या इसी द्वारा उत्तम अंतरिती
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) वा उसमें विलेज गला, गा. का
कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती इवाग एक तहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए वा, दिनांक १-१०-
१९८५ के लिए,

अतः बत, उक्त अधिनियम की भारा २६९-ए के अनुसरण
में, यौं उक्त अधिनियम की भारा २६९-ए की उपावड़ (१)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(१) श्री लाल लूण गणपत लंकेर।

(अन्तरक)

(२) मेमसं गुजन कारपोरेशन।

(अन्तरिती)

ये यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी विवाद है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ विन की अवधि दो दूसरे दिन से ३० विन की अवधि, जो भी
अवधि दो दूसरे दिन से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
उपावड़ वा उपावड़ द्वितीय दिन से अधिक

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
षुध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांहस्ताकरी
के पास लिखित भौं किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण—इसमें प्रदूषक सम्बों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय २०-के में परि-
भावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अन्तर्जी

जमीन का हिस्सा, जो, विलेज घाटकोपर तालुका कुर्ला,
गवे सं० २२०, एच० सं० २ (अंश), घाटकोपर, बम्बई
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-३/३७६६/२५२९०/८५-
८६ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक १-१०-
१९८५ को रजिस्टर किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोड-३, बम्बई

दिनांक : ५-६-१९८६

मोहर :

प्रश्न आई. टी. एव. एस. -----

(1) रनूमाई प्रा.० उद्देश।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

(2) जस्माई विलडम पाइवेट निमिटेड।

(अन्तरक)

भारत बाजार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिसंबर 5 जून 1986

निर्देश सं० अई-3/37-ई/25295/85-86—आग:

मुहूर, पा० प्रमाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, अह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विहारा उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

ओर चिपकी सं० फैट नं० 31 जो 3रो मंजिल, कैलाम
ज्योती इमारत नं० 2, देशभन लेन घाटकोपर (पूर्व) बम्बई
77 में स्थित है (अतः इसमें उपावड़ अनुसूची में ओर पूर्ण
रूप में वर्णित है, ओर चिपका एग्रेशना लायर आयकर
अधिनियम 1961 की भारा 269 के खंड के अधीन बम्बई
स्थित शक्ति प्राधिकारी के जारीना में रजिस्ट्री है,
दिनांक 1-10-1985

को अधिकार सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थावर
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भवे यह विश्वास
काले जा कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थावर प्रतिक्षेप से एसे स्थावर प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिक्षेप से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए लम पाता गया
अस्तित्व अनिवार्य उद्देश से उक्त अनुसूचि निमित्त में
सामाजिक रूप से कठित नहीं किया जाता है ।

को यह सूचना जारी करने के प्रयोक्ता सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीज से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होता है, के भीतर प्रवर्त्तता
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीज से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फैट नं० 31, जो 3रो मंजिल कैलाम ज्योती इमारत/
नं० 2, देशभन लेन घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थितक
है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० अई-3/37-ई/25295
85-86 ओर जो 1978 प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिया/
1-10-1985 को निमित्त दिया गया है।

पा० प्रमाद

सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 5-6-1986

मोहर:

अतः इस अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण
में, भू, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभासा (1)
के अधीन निमित्त द्वारा दिया गया है।

प्रकृष्ट शहर, टी. पट्टा एवं संस्कृत

(1) श्री नोगिर कुवां जी इंजीनियर।

(अन्त रक्ख)

बाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

स्थान संक्षेप

कार्यालय, सहायक बायकर बाबूकर (निरीक्षण)

पर्जन्य रोड-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जून 1986

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/25315/85-86—अंतः

मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विशदाय करने का छारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति जिन्होंने सर्वे नं० 60 (अंश) एवं नं० 17 एच० 3 सी० टी० पृष्ठ० नं० 553, 553 (1 ते 12) म्हिलेज वालनाय मार्वे रोड, मालाड (न) बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपांचढ जनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका उत्तराधाम जयकर विधिनियम 1961 की घारा 269 के बीच के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 1-10-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के अवधारणा वित्तीय की गई है और यह यह विशदाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अवधारणा वित्तीय की अवधारणा में सम्मिलित है और उन्तरक (उन्तरकी) और उन्तरिती (उन्तरितीय) के बीच ऐसे उन्तरक के लिए तथा पाया यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त उन्तरण जिसके द्वारा बास्तविक रूप से किया नहीं हुआ था है—

(क) उन्तरण से हुई किसी भाव को भविष्य, उन्तरण के विविध विधि के अधीन कर देने के समरूप के दायित्व में कमी करने या उन्हें कठोर या अविभागी भौतिकीय की है।

(ख) एसी किसी भाव का किसी भूमि का अवृत्त विधिनियम के विभिन्न भारतीय भाव का अविभिन्न भाव का अवृत्त विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या अवृत्त विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवार एक रूपों किया यथा या किया जाना चाहिए था, किसी दूसरे सूचियों के सिद्ध।

अब यह, उक्त विधिनियम की भारा 269-ए के अनुसार, मैं उक्त विधिनियम की भारा 269-ए की उण्पारा (1) के अधीन, निम्नलिखित विवरणों का आर्थिक २—

(2) श्री प्रफुल डॉ. शहा ग्रीष्म अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्त का कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) यह सूचना का उल्लंघन की जारीत की तारीख से 45 दिन का अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना वा तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवृत्त विधि के अन्तर्गत होती है, के भीतर प्रतीक्षा करने के लिए उपलब्ध होती है।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वाया अधांहस्ताधारी के पाद निर्विकृत नहीं किए जा सकते।

लक्ष्यकरण—इस उल्लंघन का प्रति १० रुपये, जो उक्त विधिनियम के अवधारणा 20-ए में पर्याप्ति है, वही अर्थ होता है कि उक्त अवधारणा के दिवाने गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जिसका सर्वे नं० 60 (अंश) सर्वे नं० 17 एच० 3 सी० टी० पृष्ठ० नं० 553 (1 ते 12) म्हिलेज वालनाय मार्वे रोड, मालाड (न) (न) बम्बई-64 में स्थित है।

जनसूची जैसाकी क्र० सं० अई-3/37-ईई/25315/85-86 और जो उक्त प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहाय आयकर बायकर (निरीक्षण)

पर्जन्य रोड-3, बम्बई

दिनांक: 11-6-1986

मोहर

प्राप्ति नं. ८१, १९८६, प्राप्ति १९८६

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1986

निवेदित सं. अई-3/37-ई/25244/85-86—ज्ञातः

मुझे, ए० प्रभाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजास मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसकी सं. जमीन का हिस्सा जो विलेज देवनार, तालुका साउथ सालसाटे, सर्वे नं. 22, एच० नं. 1, एस० नं. 63, एच० नं. 2, सर्वे नं. 24, एच० नं. 13, गोमडव स्टेशन रोड के पास देवनार, बम्बई में स्थित है (त्रिंग उपावड्ड नन्मुचा में ओर गुणरूप से वर्णित है), आर जिसका भारानामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-व, व के अधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-10-1985 के पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और युभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके इयमान प्रतिफल से एक अद्वितीय प्रतिफल का इन्ह प्रतिष्ठित से अधिक है और बंदरगढ़ (बंदरगड़ों) और अन्तरिरी (अन्तरिरीयों) के बीच एक अन्तरिक्ष के लिए एक वाया यथा प्राप्ति कर, निम्नलिखित उक्त उपरांत से उक्त अन्तरिक्ष में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जाया है ॥—

(ए) उक्त उपरांत से उक्त उपरांत की वाया वाया अधिक नियम से अधीन कर दिए वे अन्तरिक्ष के शायित्व में की करने या उपरांत बनाने वे सुविधा के लिए; बाहुदृष्टि

(इ) एकी किसी वाया वा किसी उन या वाया वाया सासारों का, किन्तु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा १९५८-५९ वर्षानम्बद्ध, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिरी व्यापार प्रकट नहीं किया गया या या किसी आयकर आयकर वा, किसान वे दिविष वे किये;

उपरांत उपरांत वाया वाया 269-व के उपरांत में, वाया वाया वाया 269-व की उपरांत (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित ॥—

- (1) श्री जगद वसंता ठिक्का। इंदी और लाय।
(अन्तरिक्ष)
- (2) मेसर्स मुबोव लन्स्ट्रॉक्स ग्राहवेट लि।
(अन्तरिक्ष)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोत्तर ग्राहवेट लि द्वारा जै दिया कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्वत्र के उपरांत वे कोइ भी वायोपः—

- (क) इस सूचना के उपरांत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक वाय वे उक्तात्त द्वारी होती है, वे भीतर पूर्वोत्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (घ) इस सूचना के उपरांत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में दिय-बम्बई किसी वाय व्यक्ति द्वारा, वायोहस्ताभारी के वाय लिखित में किए जा भक्त्वा।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्मा जो विलेज देवनार तालुका साउथ सेटटे, सर्वे नं. 22, 23 और 24, एच० नं. 1, 2 और 13, सी० टी० एस० नं. 402, (अंग) 402/2 और 402/3 देवनार बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं. अई-3/37-ई/25244/85-86 ओर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1985 को रजिस्टर्ज किया गया है।

ए० प्रभाद
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक 5-6-1986

माझे

प्रकृति बाई.टी.इ.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के वर्तीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयपत्र (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जून 1986

निर्देश सं० अई-3/37-ई/24849/85-86—अतः

मुझे, ए० प्रभास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पहला उक्त 'अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व के
वर्तीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थानीय संपत्ति निम्नलिखित वाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट जिसका सी० टी० एम० नं०
5407 में 5411 और प्लाट बी० जोशी लेन वाटकोपार
(पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है।

(और इससे उपावन्द अनुमूल्य में और पुर्ण
रूप से वर्णित है) और दिसाना कारानामा आयकर प्रधिक
नियम 1961 को धारा 269 के ख के वर्तीन बम्बई नियन
सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक
1-10-1985

को पूर्वकृत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित वाजार
मूल्य, उसके ऊपराने प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पूर्वकृत सम्पत्ति से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ये हैं किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के वर्तीन कर दरने के अंतरक के द्वायित्व
में कर्ती करने वा उससे उक्त वर्तीन में तुलिभा के लिए;
आर/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी अद्य या अन्य आविष्का
फो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, जिसमें मैं सूचित
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, भौं, भारत अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
में वर्तीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रणजीत लक्ष्मीदास मरचन्द और दान्य
(अंतरक)

(2) मेमसे वल्लभ दम्पत्तिशन्स कम्पनी
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वकृत सम्पत्ति के वर्तीन के लिए
कार्यवाहीयों द्वारा करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्तीन के संदर्भ में कोई भी वाक्य :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितादार
किसी अन्य विक्रित द्वारा अधोहस्त्याकारी के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्वाक्षोकरण:—इसमें प्रथम सब्जेक्ट और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका सी० टी० एम० नं० 5407 में 5411
और प्लाट बी० जोशी लेन वाटकोपार (पूर्व) बम्बई-77
में स्थित है।

अनुमूल्य जैसाकी क्र० स० अई-3/37-ई/24849/85-86
और जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1985
की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रभास
ग्राम प्राधिकारी
सहायक आयकर अध्यक्ष (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-6-1986

मीडियर:

प्रकाशक बाइंड. है. प्रा. एन. एस. -----

(1) श्री अविनाश चिमुलाय मणियार।

(अन्तरक)

(2) मेलर्स श्री सेजल कलुस्ड शन्स प्राइवेट लिंग।

(अन्तरिति)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 11 जून 1986

निदेश सं० अई-3/37-ईई/25387/85-86—अतः
मुझे ए० प्रभाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसमें गठबंधन 'सम्बद्ध अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. भे अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 13 सर्वे नं० 161 (अंग)
बिहलेज मौजे पहाड़ी, गोरेगांव के पास बम्बई में स्थित है।
(और इसमें उभावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका कारण आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 के खंड के अधीन बम्बई में स्थित ग्राम प्राधिकारी वे
कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 1-10-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य वह विश्वास
करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दरमान नहीं है, एवं इसमान प्रतिकल का
इन्हूं प्रतिकल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरित
(अंतरितर्तवी) के बीच ऐसे अंतर के लिए उत्तम पदः या प्राप्ति
का निम्नलिखित बहुरंग के उक्त अंतर विविध वास्तविक
स्थल से किसी भी नियम नहीं दिया जाता है ।—

(क) अवश्यण सं० इसे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन तर दर्ते के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने वा करने के संविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभावनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधार (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना बारी करुण पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के संबंध वे कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी उन्न व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 13 सर्वे नं० 161 (अंग) बिहलेज मौजे
पहाड़ी, गोरेगांव के पास बम्बई में स्थित है।
अनुसूची जैसाकी क्र० सं० अई-3/37-ईई/25387/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सहायक आयकर आयुत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-6-1986.

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री विष्णु आर० सौहोत्री।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री भूपत रत्नेनाथ शहा।

(अन्तरिती)

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1986

निदेश सं० आई-3/37-ईई/24838/85-86—अतः

मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जो बोर्ला प्लाट नं० 23 तालूका कुला बम्बई में स्थित है (और इसे उपायद्वारा अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई वित्त सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर है। दिनांक 1-10-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए; और/या

बम्बई

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा गांड नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहिता के लिए।

जमीन का हिस्सा जो बोर्ला प्लाट नं० 23 तालूका कुला, पाटील, रोड, कुला बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क० स० आई-3/37-ईई/24838/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1985 को रजिस्टर किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 5-6-1986

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) की अनुसार, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :

प्रकाशन ब्राइट टीचर्स एसेसमेंट

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1986

निर्देश सं० प्रई-3/37-ईई/25527/85-86--ग्रन्त
मुझे, ए० प्रमाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जो स्ट्रक्चर्स के साथ
विद्याविहार खोटी व्हिलेज, किरोल सीटी सर्वे नं० 448/1,
से 448/6, विद्याविहार बम्बई में स्थित है। (और इसे
उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसके
कारण आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के
खंड के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है। दिनांक 1-10-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बद्यमाल
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास
करने का आरा है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
एसे अन्तरण प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण
के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायिक्षण में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तीन
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
गया चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-156GI/86

(1) श्रीमती साचित्री बाई जी० ठक्कर और अन्य।

(अन्तरक)

(2) मेमसं राजपाल कम्स्ट्रक शन्स कंपनी।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यनालियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइर भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा द्व्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जाएं सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भी पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचयित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्रपत्र

जमीन का हिस्सा जो स्ट्रक्चर्स के साथ विद्याविहार
खोटी व्हिलेज, सर्वे नं० 92, ए० नं० 3 (अंश), प्लाट
नं० 4, सीटी सर्वे नं० 448/1 से 448/6, घाटकोपर
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० प्रई-3/37-ईई/25527
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक :—5-6-1986

मोहर :

इस्यु नामः टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्सं श्री राम कन्स्ट्रक्शन्स प्राइवेट लिंग।
(अन्तरक)भारत का विधिविद्या, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के विधीन वृत्ति(2) श्रीमती एमो ए० अग्रवाल
(अन्तर्भुती)

वार्ता वृत्ति

विधिविद्या, सहायक आयकार वृत्ति (विवरण)

अजंत रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1986

निदेश सं० अर्द्ध-3/37-ईर्द्ध/25710/85-86—अतः

मुझे, ए० प्रसाद

आयकर विधिविद्या, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त विधिविद्या' कहा गया है), को भारा
269-ए के विधीन सक्षम प्राधिकारी लो, यह विवाद करने
का बाबा है कि स्थावर सम्पत्ति, विवक्ता उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति (जमीन) जो बालनाय विलेज, ओलेम
सर्वे नं. 41/3 सी० टी० एस० नं० 204, 207 और
211, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनाम आयकर विधिविद्या 1961 की भारा
269 क. ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 1-10-1985

को बूर्जाऊ सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके अद्यमान प्रतिफल से अधिक है और बंतरक (बंतरको) और बंठरीती
(बन्तरितीयों) के बीच ऐसे बन्तरक के लिए तब पाया जाया
प्रतिफल, निम्नलिखित उपलब्ध से उक्त बन्तरण लिखित
वा वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जाया है ।—

(क) बन्तरण से हर्दू किसी बाय की बाबत, उक्त
विधिविद्या के अधीन कर देने के बन्तरक ए
दायित्व में कभी करने या उसमें वर्तमें में सुविधा
ने लिए; जोड़/वा

(ख) एसी किसी बाय या किसी अन्य अन्य अन्य अन्य अन्य अन्य
को, जिसके भारतीय आयकर विधिविद्या, 1922
(1922 का 11) या उक्त विधिविद्या या अन्यकर
विधिविद्या, 1957 (1957 का 27) के अन्योन्यार्थ
बन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना बाती करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए
कार्यवाहीयों का करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति वा हिन्दू-
द्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणात्मकी के
वास्तु लिखित में लिए जा सकेंगे।

सम्बोधन :—इसमें प्रयुक्त वार्ता और पत्रों का, जो उक्त
विधिविद्या के क्षयाय 20-ए में विरामावधि
है, वही वर्ष होता था जबकि विवाद में दिवा
ला है।

मम्पत्ती

सम्पत्ति जमीन जो विलेज, बालनाय,
ओलेम सर्वे नं. 41/3, और सी० टी० एस० नं० 204,
207, 211, मालाड (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अर्द्ध-3/37-ईर्द्ध/25710/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजंत रेज-3, बम्बई

दिनांक :—5-6-1986

मोहर :

वर्त: उक्त विधिविद्या की भारा 269-ए के अन्तरण
में, वा. उक्त विधिविद्या वा भारा 269-ए वा उपलब्धा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तते हैं—

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री लूक्स पास्कोल डिमेलो।

(ग्रान्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) मेनर्स विजय कार्पोरेशन।

(ग्रान्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

मर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1986

निर्देश सं० आई-3/37-ई/25382/85-86—ग्रन्तः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन जिसका सर्वे नं० 4/4, सी० टी० ए० नं० 28, सर्वे नं० 58/4, सी० टी० ए० नं० 53, और सर्वे नं० 81, (अंग), अंग सी० टी० ए० नं० 53-3, छ्हिलेज, वालनाय, तालूका बोरिली में मार्वे रोड, मालाड बम्बई-64 में स्थित है (आ० इससे उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हृषे से वर्णित है), और जिसका कर्गलामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के खं के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

दिनांक : 1-10-1985

को पर्वोंक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हथयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हथयमान प्रतिफल से एसे हथयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर लम्पर्ट में इतिहास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 4/4, सी० टी० ए० नं० 27 सर्वे नं० 58/5, सी० टी० ए० नं० 53, और सर्वे नं० 8/1, (अंग) और सी० टी० ए० नं० 53/3, छ्हिलेज, वालनाय तालूका बोरिली, मार्वे रोड, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-3/37-ई/25382/85-86 अ० जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मर्जन रेंज-3, बम्बई

अंतः: क्षेत्र उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

दिनांक : 5-6-1986

मोहर :

प्रधन शास्त्रीय पत्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) वृषभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन देंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1986

निदेश सं० अई-3/37-ईई/25610/85-86—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।
और जिसकी सं० पारंपारिक जमीन, और प्रिमायसेस जो चाल
और शेड के साथ न्यू बाम्बे आगरा रोड, कुर्ला बम्बई में ५५८
है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, दिनांक 1-10-1985,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्वित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिरी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
प्रतिक्रिया में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती बाजारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती लूथगांड अन्नेडा और अन्य।
(अन्तरक)

(2) ज्यूपिटर बिल्झर्स।
(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि तक तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहित
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहनस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पन्नीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुष्यों

पारंपारिक जमीन और प्रिमायसेस जो चाल और शेड
के साथ न्यू बाम्बे आगरा रोड, कुर्ला सर्वे नं० एन०
ए० ७५सी सी० टी० पृ० ३४९/१, से ११, कुर्ला
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० अई-3/37-ईई/25610/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन देंज-3, बम्बई

दिनांक : 5-6-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) शिलायन्त्र बिल्डर्स पाइ डेव्हलोपर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) अग्रीदंत डेव्हलोपर्स।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1986

निर्देश सं० आई-3/37-ई/25221/85-86—अतः

मुझे, प० प्रसाद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 21 और 22, जो विलेज, वालनाय, तालूका बोरिवली मालाड, (प), बम्बई में स्थित है (आर इन्स डिव्हाइल अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करान्तामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 1-10-85 को प्रदर्शक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पंहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीधत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी वाय की वात सम्पत्ति अधिनियम से अधीन भर देने की अनुमति व व्यापक से कम करने द्वारा उक्त सम्पत्ति में सूचना दें।

(ख) एंडी किसी वाय या किसी उन या उन अधिनियम को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनका अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोगार्थ अस्तीर्ती इवाय प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिर था उक्त अधिनियम के लिए,

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहया करता है।

इस सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वापीप :—

(फ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर नूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दोनों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(द) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास निवात में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 21 और 22 जो विलेज, वालनाय तालूका बोरिवली मालाड, (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क० सं० आई-3/37-ई/25221/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2 बम्बई

दिनांक : 5-6-1986

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत वाइ.टी.एल.एल.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1986

निदेश सं० अई-3/37-ई/24891/85-86—अतः
मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
शारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि और जमीन के साथ इमारत
और अन्य स्ट्रक्चर्स जो अन्य बालनाय (ओलेम), मार्वे रोड,
मालाड (प) बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपावग्नि
अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका
करारतामा बायकर अधिनियम 1961 की धा.ग 269
क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है। दिनांक 1-10-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त
सम्पादक का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पम्भ्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक
(अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के
लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-
दृश्यमान में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से है किसी आम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक लो
कायित्य व जीवीकरने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या इसी धन या अन्य जास्तियों
व जैवीकरणीय आम कर अधिनियम, 1922
(1922 व 11) वा उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
व प्रयोगशाला अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
वा या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
क्षमिता व छिपा।

प्रमुख व उक्त अधिनियम की धा.ग 269-व के अन्तर्गत
व, व, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
व अधीन, निम्नलिखित अविवादी, बताते हैं—

(1) अवानबानू जे० मिस्त्री।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स रवि राज बिल्डर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख व
45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय द्वे दिया गया
है।

अनुमूल्य

कृषि भूमि और जमीन के साथ इमारत और अन्य स्ट्रक्चर्स
जो विलेज, बालनाय (ओलेम) मार्वे रोड, सी०टी० सर्वे
नं० 77, 78, 78/1, 78/2, 78/3, और 157, मालाड
(प) बम्बई में स्थित हैं।

अनुमूल्य जैसाकी क्र० सं० अई-3/37-ई/24891/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 5-6-1986

मोहर:

हस्त लाइ.टी.एन.पस.-----

(1) मेसर्सं सरल इंटरप्रायजेस।

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) को वर्ती पूर्वानुसारा

(अन्तरक)

ग्रामकर

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1986

(2) मेसर्सं पारीख ब्रदर्स।

निर्देश सं० अई-3/37-ई/25067/85-86—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उक्त के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), जो
धारा 269-ए के अधीन सकार संपत्ति को, यह विश्वास करते
कारण है कि स्थावर संपत्ति विकास की उचित बाजार भूमि
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० दूकान नं० 17, 18, 20, 22, 23 और
24, जो मेक्सिन फ्लोर सत्यम् सी-विंग, सत्यम् शिवम्
सुंदरम् द्वारा, एम० जी० रोड, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई
77 में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रामकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई¹
स्थित सकार संपत्ति को कार्यालय में रजिस्ट्री है।

दिनांक 1-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूमि से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए, अंतरित की गईहै और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूमि, उसके दृश्यमान प्रतिफल
के लिए, एवं उसके दृश्यमान प्रतिफल का पैकूह प्रतिफल से अधिक है
जार अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एवं
अंतरण के बीच तथा पाया जाना प्रतिफल, निम्नलिखित उपरोक्त
से उक्त अंतरण विविह वे वास्तविक कानूनों की विविह वहाँ दैनिक
जाता है।—को यह सूचना आरी तरफे पूर्वोक्त सम्पत्ति की मर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के कानून द्वे दृक्षेत्र और वार्षिक ३—

(ए) यह सूचना की दृक्षण में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की विविह या उसस्वयम्भी व्यक्तियों पर सूचना
की दृक्षण से 30 दिन की विविह, जो भी विविह
दृक्षण में उपावद्व होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ब) इस सूचना के दृक्षण में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में इत-
वाक्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरणी की
इस विविह में निहार का मर्जने।तथा—इसमें प्रयुक्त वर्णों और वर्णों वाले उक्त
व्यक्तियों के अध्याद 20-के में परिभाषित
हैं, वही वर्ष होता जो उक्त व्याधि में दिया
जाता है।

मनुसूची

(क) अन्तरण से हुए किसी जात की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कार देने के अन्तरक के
दृश्यमान में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/यादूकान नं० 17, 18, 20, 22, 23 और 24, जो
मेक्सिन, फ्लोर सत्यम् सी-विंग सत्यम् शिवम् सुंदरम् द्वारा, एम०
जी० रोड, घाटकोपर (पूर्व); बम्बई-77 में स्थित
है।अनुसूची जैसा कि क्र० मं० अई-3/37-ई/25067/
85-86 और जो सकार प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।(घ) हेती किसी जात या किसी वर्ण या वर्ण वास्तवों
को चिन्ह भारतीय बाजारकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगवार्ता वास्तविती द्वारा प्रकट नहीं किया जाता
या या किया जाना चाहिए था, जिसने में सूचित
के लिए;ए० प्रसाद
सकार प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बईअतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत, ३—

दिनांक : 5-6-1986

मोहर :—

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स मरल इंटरप्रायसेस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) कुमारी विनम के संघर्षी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाधक (निरीक्षण)

शर्जन रेज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1986

निवेश सं. आई-3/37-ई/25575/85-86—ग्रातः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्वर्वदा के अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सदाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विकल्प उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से ऊपरी है।

और जिसकी सं० प्रलग अलग प्रिमायरी से जो सम्यम् शिवम सुंदरम इमारत में एम० जी० रोड घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है। (और इसमें उपावद्वा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 का के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

दिनांक 1-10-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि विकल्प उचित स्थावर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, दोनों इस्यमान इन्हींका एवं इन्हीं प्रतिफल से अधिक है और बंदरक (बंदरक) और बंदरकी (बंदरकीतातों) वा भी दोनों भौतिक की इस इस तरफ विकल्प उचित से अधिक है कि विकल्प उचित दोनों विकल्प उचित से अधिक है कि विकल्प उचित दोनों विकल्प उचित से अधिक है।

(क) बाजारण से हाई कोर्टी की वाय की वाय, उक्त अधिनियम के अधीन कर दर्ते हैं विवरण के दायित्व में करने करने या उससे बचने में सुविधा वा किए हाई/पा

(ख) एसी किसी वाय वा किसी भव वा वन्य वासिनों को, जिन्हें भारतीय जात-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया था वा किया गया थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिचित व्यक्तियों, अज्ञात ३-

जो यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सूचित वे उचित के उचित में कोइ भी वाक्ये न-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की रोल दे 45 दिन की वर्तीय या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की वर्तीय, जो भी वर्तीय वाय वे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्तिया द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्से व्यक्ति विकल्प की वाय वन्य व्यक्ति द्वारा वाभोहस्ताकरी के पास विकित में किए जा देंगे।

लक्षण:—इसमें प्रवृत्त वस्तुओं वौ वस्तु का, जो उक्त विवरण के वाय 20-क में परिवर्तित है, वही वर्त कुछा वा उस वाय में विवा वया है।

जनसूची

दुकान जो तल मालेपर और भैंसनिन फ्लोर पर बेसमेंट, मत्यम शिवम सुंदरम इमारत में एम० जी० रोड घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-3/37-ई/25575/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)
शर्जन रेज-3 बम्बई

दिनांक : 5-6-1986

मोहर :

प्रस्तुत बाइंस. डॉ. एन. पटेल

(1) सरल इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

(2) किंगोर संघीय प्राइवेट लिंग।

(अन्तर्भूती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर बाबूलता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1986

निर्देश सं. अर्ह-3/37-ईई/25577/85-86—अन:

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं जायतिय नं. 1, 3 से 22, और 24 से 29, जो पहली मंजिल, सत्यम ए-पार्ट विंग, हमारत स्तरपत्र मिलम सुंदरम, एम० जी० रोड, बम्बई-77 में स्थित है (आंतर इसमें उगावड अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है। आंतर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के बाबूलता के वधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 1-10-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के विश्वास प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके विश्वास प्रतिफल से, एच० सुंदरम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के नील एवं अन्हरण के लिए तथा पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण से हटा किसी बाय की बाबूलता, बम्बई अधिनियम के वधीन करदेने के अंतरक एवं अंतरित दो कमी करने या उनमें बदलने पर समिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में भावभा के लिए;

एम एफ. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की बहुतरमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—156GT/86

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए जारीकर्त्ता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव है—

(क) इत सूचना के राक्षपत्र में प्रकाशन की जारीत ने 45 दिन की वधीय या तत्प्रवर्त्ती व्यक्तियों पर सूचना की तादीन से 30 दिन की वधीय, जो भी वधीय दाता ये समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राक्षपत्र में प्रकाशन की जारीत ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-दाता ये व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे ।

लक्ष्यकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही वर्त होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

बन्धुत्वी

कार्यालय नं. 1, 3, से 22 और 24 से 29; जो पहली मंजिल सत्यम ए-पार्ट, विंग हमारत स्तरपत्र सुंदरम, एम० जी० रोड, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है।

अनुमूली जैसाकि क्र० सं० अर्ह-3/37ईई/25577/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :—5-6-1986

मोहर :

प्रस्तुत वार्द्ध, टी. एस., एस. -

(1) सरल इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

(2) मेसर्से उषा मंधवी प्राइवेट आरो इ० एल० ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्वालय, सहायक आयकर बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1986

निवेश सं० अई-3/37ईई-25580/85-86—अतः

मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसकोशब्दात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय मं० नं० 17 से 29 जो, 1ली,
मूल्यम् बी०-पार्ट विंग, इमारत मूल्यम् शिवम् सुंदरम् एम०
जी० रोड घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है।

(अं० इसके उपादान अनुसूची में अं० पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका वरारकामा अरदद अधिनियम 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 1-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य के दृश्यमान
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ
पाठ गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्णित ये वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥

(ए) अन्तरण से हृदृ किसी बाय की जैसे, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(इ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के संबंध में कोई जास्ती :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ये से किसी व्यक्तित्व द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदृष्टि किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित ये
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

कनूसूची

कार्यालय नं० 17 से 29, जो 1ली मंजिल, सैथम्
बी०-पार्ट विंग, इमारत सत्यम शिवम् सुंदरम् एम० जी०
रोड, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० अई-3/37-ईई/25580/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बाय: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

दिनांक :—5-6-1986

मोहरः

प्रकल्प बाई.टी.एल.एस.-----

(1) सरल इंटरप्रोग्रेस।

(अन्तरक)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के विवरण

(2) संघवी फैमिली प्राइवेट आरो द० एल० ट्रस्ट।
(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, उद्योग वाचकर वाचन (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1986

निवेश सं० अर्ह-3/37-ई/25581/85-86—अतः
मुझे ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उद्योग अधिनियम' कहा गया है), जो भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने
का कारण है कि स्थानीय संपत्ति विवाह उचित वाचक वृद्धि
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 30 से 34 जो, पहली मंजिल
सं-यम बी-पार्ट इमारत सत्यम् शिवम् सुंदरम् एम० जी०
रोड घाटगढ़पर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है। (और इससे
उपरवाह अनुमति में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका करानामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 1-10-1986

का पूर्वोक्त संपर्क के अधिकार वाचात् वृद्धि के अधीन
प्रतिक्रिया के लिए बनायी गई वृद्धि वह विवाह
करने का कारण है कि स्थानीयोंका वृद्धि वाचात् वाचक
वृद्धि, उसके अन्यान प्रतिक्रिया है, एवं अन्यान प्रतिक्रिया का वृद्धि
प्रतिक्रिया से अधिक है और बनायी (बनायी) और बनायी
(बनायी) के बीच दोनों बनायी के लिए उब नाम नामा प्राधि-
कर निम्नानियम उपरोक्त है उक्त बनायी के वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया जाता है—

(क) बनायी वे हरै कियी जाव की वाचक, उस
अधिनियम के अधीन कर दने के बनायी के
वाचन से कभी कहुने वा उक्त वाचने से हावीया
के लिए; बाही/दा

(ख) ऐसी कियी जाव का लिए भूत वा वस्त्र वाचिकारों
को, जिसके भाउतीय वाचक अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
मन्तरिती इकाय प्रकट नहीं किया जाव वा वा
किया जाव जाहिर वा लियाने वे हावीया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के बनायी
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ८—

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप :—

(ए) इस सूचना के द्वायपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि का उत्तरांशी अधिनियम पर
सूचना की लागत वे 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्तियां वाले वे समाप्त होंगी हों, के भीतर पूर्णकृत
अधिनियम में वे कियी अनियत तुलादात;

(ब) इस सूचना के द्वायपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भीतर उक्त स्थान उपत्ति में इत्यतुरुष
कियी वाले व्यक्तियां वाले वाचक वाचनीयां के पाव
विवित में किए जा सकते हैं।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रबुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,,
है, वही अर्थ द्वारा, जो उस अध्याय में दिया
है।

अनुमति

कार्यालय नं० 30, से 34, जो, 1ली, मंजिल सह्यम
बी०-पार्ट इमारत सं-यम शिवम् सुंदरम् एम० जी० रोड
घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है।

अनुमति जैसाकी क्र० सं० अर्ह-3/37-ई/25581/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई स्थित
द्वारा दिनांक 1-10-1985 को रजिस्टर्ड किया
गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक: 5-6-1986

मोहर।

ବିଜ୍ଞାନ କାର୍ଯ୍ୟ ପ୍ରେସ୍ ଏତ୍ତମାନ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पांडा 269-ए (1) के वसीन व्यक्ति

卷之三

कार्यालय, सामाजिक वायकर वायकर (ट्रेनिंग)

ਅੰਜਨ ਰੇਂਜ-3 ਬਮਵਾਈ

बम्बई दिनांक 5 जून 1986

निदेश सं० अई-3/37-ईई/5582/85-86—अतः

मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की वारा
269-वा के बधीन सभान प्राधिकारी को, वह विषयास करने का
फोरम है कि स्थानद उच्चायि, जिसका उच्चाय वाला शम्भ
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बेस्ट नं० 1 से 5, 16 से 20 जो सत्यम बी-पार्ट विंग और 5, 15, 16, 18, और 19, 20 जो सत्यम ए० पार्ट विंग इमारत मर्यादा शिविम सुंदरम एम० जी० रोड घाटकोपर (प) अम्बई-77 में स्थित है। (और इसके उपावद्व अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करागानामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक दिनांक 1-10-1985

को पूर्वोत्तर दिशीय कालार धूम में बदल के अवश्यक प्रतिष्ठान के लिए अस्थायित भी रहा है और यह यह छह वर्ष का कालर है कि वर्षाचौथोंपहल उत्तरिय का उचित बालार धूम उठाकर अवश्यक रहे, इसे अवश्यक प्रतिष्ठान का अन्यह प्रतिष्ठान से अधिक है और बंदरगढ़ (बन्धुकला) का अस्थायी (अस्थायित) के बीच देखे बन्दरगढ़ के लिए उपलब्ध करा दीजिये दिनांकित अनुसंधान में उच्च बंदरगढ़ लिपियाँ ने प्रस्तुत की हैं जिनमें सभी लिपि एक है ।

(iii) परमाणु संकुचन की विधि का वर्णन, उभय विद्युतिकृत विद्युत करवाने के प्रणालक व विद्युत से विद्युत करवाने वा उत्तरोत्तर बदलने वाली विद्युत की विवरण।

(८) दूसी किसी वाया या किसी वन् या अन्य बाहिरीयों
को, चिह्न भाष्यकार बाहिरीय, 1922
(1922 का 11) या उच्च भाष्यकार, या एककर
भाष्यकार, 1957 (1957 का 27) के इत्यादी वर्णन-वार्ता
दन्तीयरी इवारा प्रकृत नहा किवा वया या या किंवा
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) सरल इंटरप्रायमेस ।

(ग्रन्तरक)

(२) शातीलाल संधवी प्राइवेट आर० ह० पल० दस्त।

(अन्तरिक्षी ।

को यह सूचना आरी करने पर्याप्त सम्पौर्ण के अवधारणा के लिए कार्यवाहीयता दर्श करता है।

उनका राजनीति के अर्द्धन के सम्बन्ध में कोई भी आज्ञाया नहीं

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या उत्पन्नबोध व्यक्तियों पर
मूल्य की लागत है 30 दिन की अवधि, जो की
एकीकृत वार्ष यों संबंधित होती है, के भीतर पूर्ण
व्यक्तियों द्वे दो किसी व्यक्ति पुरारा;

(स) इस सूचीवा के उपर्युक्त वर्ते प्रकाशन को लारेल से 45 दिन के अंतरावर दूसरे स्थानवर भेज सभी हित-मूल्य किसी भाव्य व्यक्ति द्वारा, भाष्य स्थानकरी वे पाप विविहित हो किए जा याकेंगे।

अंगराष्मी

बेसमेंट नं० १ से ५, १६ से २० जो सत्यम् बी०-पार्ट
विंग और ५, १५, १६, १७, १९, २०, आर जो सत्यम्
ए० पार्ट विंग इमारत लेयम् गिवम् सुंदरम्
एम० जी० राड घाटकोपर् (पूर्व)
बम्बई ७७ में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० अई-3/37-ईई/25582/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्त्री द्राश दिनांक
1-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

४० प्रसाद

मध्यसंग्रहिकारी

सहायक आयुर्वर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंता रेज-3 बस्टी

अतः अब, उक्ता अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसारण
है, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभास्य (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णतः—

प्रकाशनी, दौ. पंच. एवं नियमित

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के वर्णन सूचना

आयकर अधिनियम
संघीयता, सम्पादक आयकर बाबत (नियमित)
अर्जन रेंज-3 बम्बई
बम्बई, दिनांक 5 जून 1986

निवेश मं० अई-3/37-ई/25583/85-86—अतः
मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 1 से 13 जो पहली मंजिल
स्थायम भी०-पार्ट विंग इमारत स्थित शिवम् सुंदरम् एम० जी० रोड
घाटकोपर (पुर्व) बम्बई 77 में स्थित है। और जिसका करारना भा.
(और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का एवं
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया जाया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
दास्ताविक रूप से कठित नहीं किया जाता है ॥—

(1) सरल इंटरप्रेयसेज़।

(अन्तरक)

(2) प्रभावेन संघीय प्राइवेट आर० इ० एल० ट्र० स्ट०।
(अन्तरिती)

क्वे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वास्त्रे ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है ॥

अनुसूची

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भत्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने ने
दृष्टिकोण के लिए;

ज्ञतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, यौं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित ॥—

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
संघीय आयकर आयक्त (नियमित)
अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 5-6-1986

मोहर :

प्रकृति वाई.डी.एन.एस.-----

(1) सरल इंटरप्रायजेस।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) मालिनी संबंधी प्रायवेट आरो इ० एन० ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

मेरे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी करता है।

बम्बई दिनांक 5 जून 1986

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वापर नहीं।

निवेदा सं० अर्ह-3/37-ई०/25585/85-86—अतः मुझे
ए० प्रताद(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा या है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।और जिसकी सं० कार्यालय नं० 7 से 18 जो 1ली
मंजिल सत्यम सी-पार्ट विंग इमारत सत्यम शिवम सुंदरम
एम०जी० रोड घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-७७ में स्थित है
(और इससे उपार्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 का ख के अधीन बम्बई स्थित मकान प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 1-10-1985।
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यादा यादा अंति-
कल, निम्नलिखित चूक्तिये हे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
कर से कठित नहीं किया गया है ॥प्रब्लेम:—इसमें प्रथम शब्दों और वदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अथ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया
है ॥(क) अन्तरण ते हुई किसी वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

अनुसूची

कार्यालय नं० 7 से 18 जो 1ली मंजिल सत्यम
सी-पार्ट विंग इमारत स-यम शिवम सुंदरमट्रॅ एम०जी० रोड,
घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-७७ में स्थित है।अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अर्ह-3/37-ई०/25585/85-86
और जो मकान प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-
1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।(ख) ऐसी किसी वाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, उपराने में सुविधा
के लिए;

ए० प्रताद

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, गृह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 5-6-1986

मोहर :

प्रकम बाहौदी. एन. एस. —————

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, व्यापार काबिकर आयुक्त (विद्युत)
अर्जन 1 नई दिल्ली

नहीं दिक्फली दिनोंक 5 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/ए यू०/१/३७-ई०/१०-८५/
२११९—प्रतः मुझे आर० पी० राजेश,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विद्युत इन्हें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाय
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित बाबकर भूम्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो 1001, ए देविका टावर, 6,
नेहरू एलेस, में स्थित है (आर० इसमें उपावट्व में पूर्ण रूप
में वर्णित है आयुक्त अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1,
नई दिल्ली 1 में भागीय आयकर अधिनियम, 1908)

(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1985।
को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के अध्याय
प्रतिकल के लिए बन्दुकित की गई है और मुझे यह विवाद
इसमें का कारण है कि विद्युत्वार्का सम्पत्ति का उचित बाबकर
भूम्य, उसके अम्बान प्रतिकल से, ऐसे अव्यावर प्रतिकल का
पंडह प्रतिकल से अधिक है और बंदुकरक (बंदुकरों) और बंदुकिती
(बन्दुकितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तथा पाला
गया प्रतिकल, विमलिनित उद्योगों से उक्त अतरण लिया है
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है ॥

(1) मेसर्से प्रगति कंस्ट्रक्शन कम्पनी (देविका टावर,
73-74, नेहरू एलेस, नई दिल्ली)
(अन्तरक)

(2) क० स्वर्णजीत मिहू मेसर्से राज कंवर श्री
जसजीत सिंह और नरजीत सिंह ९, रींग रोड,
लाजपत नगर-4, नई दिल्ली ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकेप ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
बदली बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बदली किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाय लिखित में किए जा सकें।

लक्षणीकरण ३—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च/
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अव्यावरण से हुए किसी वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वे
वायिकल में कमी करने या उससे वज्रने में सुविधा
के लिए; बाटू/वा

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन वा वस्तु वास्तविकी
को, जिन्हे भागीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा एवं
के अधीन अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे
प्रयोजनार्थ न्तोरली द्वारा बकट नहीं किया जाय
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ये सुविधा
के लिए;

प्रतः वाय, उक्त अधिनियम की वाय 269-व का वस्तुरण
है, वा, उक्त अधिनियम की वाय 269-व की वरधारा (1)
के अधीन, विविधिक व्यक्तियों वास्तविक ॥—

अनुसूची1001ए, देविका टावर, 6, नेहरू एलेस, नई दिल्ली।
क्षेत्रफल 1205, वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1 दिल्ली नई दिल्ली

तारीख : 5-6-1986

प्रकृष्ट प्राइंट. दी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 5 जून 1986

प्रिंटिंग सं० आई० प० सी०/एक्य०/१/३७-ई०/१०-८६
१२५२—अस मुम्, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके उपायात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो फ्लैट नं० 408, आबादी
1500 वर्ग फीट 4वीं खंड पुरुष हाउसिंग कम्पैक्स,
2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायकर
अनुसंधी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी
के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अक्टूबर 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के एक अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितों) के
सीधे ऐसे अन्तरण के जिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दखलों से उक्त अन्तरण निचित भौतिक रूप से अधिक
महीं किया गया है :—

(a) अंतरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के कानूनकी
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा
के जिए; और/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी भन था वस्तु आस्तीनी
को, जिसके आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उसके अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रबोधन महीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिसने ये दायित्व
के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) रविन्द्रा प्रोलट्रीस प्रा० लिमिटेड, 2 तिलक मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)
(2) मास्टर विराज मोहन राजवी मोहार, बौ-157,
पेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
नार्वाइशन करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्रै :—

(a) इस सूचना के राजपत्र वर्ते प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तित्वों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि या तर्थ में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों वर्ते से किसी व्यक्तित्व द्वारा;

(b) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहार
किसी भन्न अधिकता द्वारा अभोहस्ताकरी के तात
निवित में फिरे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त वर्बों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही वर्ते होंगा जो उस अध्याय वर्ते दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 408, आबादी 1500 वर्ग फीट 1 4वां
खंड, पुरुष हाउसिंग काम्पलैक्स, 2, तिलक मार्ग, नई दिल्ली

आर० पी० राजेश
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर ऑफिस (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 नई दिल्ली

दिनांक 5-6-1986

मोहर :

राज्य सूचना विभाग प्रश्न

मानविकीय, 1961 (1961 का 43) वा
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० सी० एकमु/1/37ईई/10-85-
2153—अत मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो प्लैट नं० 410 तादादी 1500 वर्ग फीट चौथाई खण्ड 2 तिलक मार्ग नई दिल्ली में स्थित है (आर० इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अभावपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(ए) उक्त तेरह किसी भाव की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ब) दोस्री किसी आय वा किसी अन्य आयिनों को, चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा अम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—156GI/86

- (1) रविन्द्रा प्रोपर्टीज प्रा० लि० 2 तिलक मार्ग नई दिल्ली ८
(अन्तरक)
(2) आर० एस० गुप्ता भूपुत्र संतराम और सविदी गुप्ता सूपुत्री ए० आर० गोपल ५३/५९, रंजस रोड करोल बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों शूल करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बित हित किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास दिखाया गया किए जा सकेंगे।

एप्पोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 410; तादादी 1500 वर्ग फीट ५वां खण्ड ग्रुप हाउसिंग कम्प्लेक्स 2 तिलक मार्ग नश नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1; नई दिल्ली

दिनांक 5-6-1986
मोहर

प्रकृष्ट आई.टी.एच.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाष्य 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत प्रश्नकार्ड

संवादग्रन्थ, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निवेश सं. आई.ए. सी.ए. एक्यू. 1/37ई/10/85/

2154—अतः, मुझे, आरो पी. राजेश

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. प्लैट नं. 303, 1300 वर्ग फीट तीसरा
खण्ड 2 तिलक मार्ग मार्ग नई दिल्ली में स्थित है (ओर
इससे उपांड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में
रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिवर्त से अधिक है और उक्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
प्रतिवर्ती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए सब याता यथा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित
में वालविल कर ते कीभत वहाँ किया जवा है ॥

(1) रविन्द्रा प्रोपर्टीज़ प्रा. लि. 2, तिलक मार्ग
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) प्री कृष्ण मोहन, 25बी.पूसा रोड, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्यपै ॥

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरभी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, व्यभोज्यताकारी के पास
विवित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-व में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

प्राप्ति

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के
शायित्व में क्यों करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; प्राप्ति/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिथों
को, जिन्हे भारतीय जायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाष्य 269-व के अनुसूचण
में, वै, उक्त अधिनियम की भाष्य 269-व की उपधारण (1)
की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णी—

आरो पी. राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक जायकर अनुसूचण (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 5-6-1986

मोहर।

प्रस्तुप नाइटी.एन.एस.-----

(1) रविंद्रा प्रोप्रोट्रोस प्रा० लिमि०, 2 तिलक मार्ग,
नई दिल्ली।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमता कैलायवंतो सहगल, 12/एफ, सीलन कंडो-
मिनियम 52/38, सोहौ सलाडाहंग 2, सीलन रोड,
बैंकाक।

(प्रस्तरिती)

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

मिर्देश सं० आई० ए० स००/एक्य०/१/३७६४/१०-८५/
२१५५—अतः मुझे, आर० पी० राजेशआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 612 तादादी 1500 वर्ग फीट 6 वा
खंड ग्रुप हाउसिंग काम्पलेक्स है जो रविंद्रा प्रोप्रोट्रोस प्रा०
लिमि० 2 तिलक मार्ग में स्थित है (आंतर इसमें उपाधि अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री नं० अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली अर्जन रेंज-1, में भारतीय रजिस्ट्री नं० अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1985
को पूर्खीत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इन्द्रमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इन्द्रमान प्रतिफल से ऐसे इन्द्रमान प्रतिफल का
पछान प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्खीत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
जाता है।(क) अन्तरण से हैर्ड किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के बन्तरक के
दायित्व संकरी करने या उससे बचने में सुविधा
के सिए; और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी या किसी भव या वस्तु अस्तित्वों
को छिन्न भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोचनार्थ अन्तरिती इनारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा
के लिए।फ्लैट नं० 612 तादादी 1500 वर्ग फीट 6वां खंड ग्रुप
हाउसिंग काम्पलेक्स नई दिल्ली 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।आर० पी० राजेश,
सक्षम प्राधिकारी
महायह आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 262-ग की उप्पादार (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, दण्ड ८—दिनांक : 5-6-1986
मोहरः

इस बद्दे दी.एच.एल.—

**ग्रामकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) को
भारा 269-वा (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१३७६८/१०-४५/

2157—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके विवाहत 'उच्चत अधिनियम' कहा जाय है), को भारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाहत करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट नं० 711, तादादी 1700 वर्ग फीट 7वा
खंड ग्रुप हाउजिंग काम्पलैक्स, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसंधी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थावर
प्रतिफल के बिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाहत
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके विवाहत प्रतिफल से, एवं विवाहत प्रतिफल का
पन्थ प्रतिवाहत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण
विवित में विवरित रूप से कठिन नहीं किया जवा है ।—

(१) कलारण से हुए किसी वाले की, वालह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देवे के अन्तरक के
वामित्य में कमी करने का उक्त वक्तमें ज्ञे दूषिता
के लिए; कोई/या

(२) हरी किसी वाले या किसी वाले या अन्य वार्तालयों
को विवह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अस्तरिती इवारा बफट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, जिपाने ज्ञे सुषिधा
की दृष्टि

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के अस्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा की उपचारा (1)
के अधीन, विवाहत विवित वार्तालय, कर्तव्य—

(१) रविन्द्रा प्रोपटिस प्रा० लिमिटेड, 2 तिलक मार्ग;
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(२) श्रोमती विमला देवी अग्रवाल पत्नी दलीप मिहू
अग्रवाल बी-38, जिलमिल प्रौद्योगिक सेक्टर, शाहदरा,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अक्षि का विव
कार्यवाहीया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

(१) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तर्सवैधी अविकल्पों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तिवाचों में किसी अविक्त द्वारा;

(२) इससूचना के राजपत्र से प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु
किसी लन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के अंत
शिखित में किए जा सकेंगे ।

स्थानकरण :—इसमें प्रबुक्त कर्तव्यों और पदों ज्ञा, जो उक्त
अधिनियम, के विषय 20-क में विस्तारित
हैं, वही वर्द्ध इनका जो उक्त विषय में विवा
ज्ञा है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 711, तादादो 1500 वर्ग फीट 7वा खंड ग्रुप
हाउजिंग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक: 5-6-1986

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) रविन्द्रा प्रोपर्टीज़ प्रा० लिमिटेड 2 तिलक मार्ग
नई दिल्ली।आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-थ (1) के अधीन सूचना(अन्तरक)
(2) फोरमोस्ट एक्सपोर्ट (डॉ) प्रा० लिमिटेड एस-46
ग्रेटर कलाश-1 नई दिल्ली-1।

(अन्तरिति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 5 जून 1986

निवेश सं० आई० ए० सी०/एय०/1/37इ/10-85/
2158—अतः मुझे आर० पी० राजेशआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके शाब्द 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि क्षेत्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 401 तादादी 1500 वर्ग फीट चौथा
खंड ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें
उपावद्व अनुभूति में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर 1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंडह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्ते
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भू, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि यातासम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।पृष्ठोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 401 तादादी 1500 वर्ग फीट 1 चौथा खंड
ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स नई दिल्ली।आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक: 5-6-1986

मोहर:

प्रकाश बाहौदी.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

संसद भवन

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/३७६८/१०-८५/
२१५९—भ्रत: मुझे, आर० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा जवा है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, विद्यका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 412 तादादी 1500 वर्ग फीट ग्रुप
हाउसिंग स्कीम काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपावद्वा अनुमूली में पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के सिए अस्तीरत की गई है और मुझे यह विवास
कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिस्तूत है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निह विध
पाया जाना प्रतिफल, नियन्त्रित उद्देश्य से उक्त वस्तुपूर्ण
दिविष्ट वै वास्तविक रूप से कृपया नहीं किया जाया है ।—

(१) कल्पना है कि दो दाय की बायकर उचित अधिनियम
विधय के अधीन कर हने के अंतरक के बायित्व में
कभी काले या उपर्युक्त वै सवित्रा के लिए;
आइए/पा

अनुमूली

(२) दोस्री किसी दाय पा किसी दाय या अन्य बासित्यों
को, किन्तु भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उचित अधिनियम, या उन्न-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरीती घुवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से हृदिया
है सिए;

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 दिल्ली-110002

बहुत जल, उचित अधिनियम की धारा 269-व के अधारम
नौ, दूसरे, उचित अधिनियम की धारा 269-व की नपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(१) रविन्द्रा प्रोपटीस प्रा० लिमिटेड, ३ तिलक मार्ग
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(२) श्री सुरिन्दर महाजन १९ रिंग रोड लाजपत नगर-४
नई दिल्ली ।

(अतिरिक्त)

कि यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्तन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उचित सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापरण :—

(३) इह सूचना के राजवद वै प्रकाशन की तारीख वै ४५
दिन की वर्ती या तद्दम्भन्धी व्यक्तियों पर सूचन
को तामील वै ३० दिन की वर्ती, जो भी अविद्य
वाल वै उपावद्वा होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों वै वै किसी व्यक्ति द्वायाद

(४) इह सूचना के राजवद वै प्रकाशन की तारीख वै ४५
दिन के भीतर उचित स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृत्त किसी वन्न व्यक्ति द्वायारा वधोहस्ताकरी के
पाल विधिय में किए जा उक्तें ।

स्वाक्षरणः—इसने पूर्वोक्त सूचना और पर्वों का, वो उक्त
अधिनियम के वर्धाय २०-व में परिभावित
है, वही वर्ष होगा जो उस वर्धाय में विधा
एक्त है ।

फ्लैट नं० 412 तादादी 1500 वर्ग फीट १४वां खंड ग्रुप
हाउसिंग स्कीम काम्पलैक्स, 2, तिलक मार्ग, नई दिल्ली ।

दिनांक : 5-6-1986
मोहर :

प्रधान मंत्री एवं प्रधानमंत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

सूचना दरबार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (मिरीकारण)

अर्जन रेंज-1; नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्य०/१/३७ई०/१०-८५/

2183—अतः मुझे, आरा० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट नं० ए-३, ५वां खंड गेरेज नं० एस-१४,
लाल गिरधर मैमोरियल अपार्टमेंट, २८, फिरोजशाह रोड, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन
रेंज-१, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति को उक्त बाजार मूल्य से कम के अद्यमात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथार्थोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अद्यमात्र प्रतिफल से, ऐसे अद्यमात्र प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उच्चारण से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर द्वन्दे के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उक्त द्वन्दे में सुविधा के लिए;
आर०/वा

(ख) एसी किसी बाब या किसी भन या बन वास्तवों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
की विधि

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) लाल गिरधर लाल मैमोरियल फेडरेशन हाउस,
तामने मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) टाटा आइरेन एंड स्टील कमानी लि०, बम्बई द्वारा
लोकल अफिस जीवन ताला बिल्डिंग ५, पार्सियामेंट
स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सूचना के अर्जन के बाबत मे कोइ भी वापर नहीं

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख है
45 दिन की अवधि या उत्तरवाची व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख है
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-
वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित रूप से किए जा सकेंगे।

प्रबंधीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया
गया है।

अनुसूची

अधासीय फ्लैट नं० ए-३, ५वां खंड गेरेज एस-१४, लाल
गिरधर लाल मैमोरियल अपार्टमेंट, २८ फिरोजशाह रोड, नई
दिल्ली।

आरा० पी० राजेश,
सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयक्त (मिरीकारण)
अर्जन रेंज-१ दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 5-6-1986

मोहर :

प्रकृत्य बाइ^१, टी. एन., पर.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत रत्नपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्य०/1/37ई०/10-85/

2184—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवेच इसमें इसके पश्चात 'आयकर अधिनियम' कहा जाय है), की भारत 269-व के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति वित्तका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० ए० 35वां खंड, गरेज नं० ए०-14, लाल गिरधरलाल मैमोरियल अपार्टमेंट, 28, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ओर इससे उपावन अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण सी उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टूं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेन के अन्तरक वैदिकियत में कमी करने या उक्ससे बचने में सहायता के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्तरितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत हवाग प्रान्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखित में सहित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवतारों, वर्तमा—

(1) गिरधर लाल मैमोरियल फेझरेशन हाउस, तामसेन मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) टाटा आइरन एंड स्टील कम्पनी लिमिटेड, बम्बई ड्वारा लोकल आफिस जीवन तारा बिल्डिंग 5, पालियामेट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

मैं वह सूचना आरी करवूँ एवंकर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी वास्तव

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिलिक्स में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

आवासीय प्लैट नं० ए०-3 और 5वां खंड गरेज नं० ए०-14, लाल गिरधरलाल मैमोरियल अपार्टमेंट 28, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1; दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 5-6-1986

मोहर :

राष्ट्रीय भाषा समिति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/३८६८/१०-८५/
२१८५—अतः, मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।
ओर जिसकी सं०फैलैट नं०ए-३, चौथा खंडगेरेज गेरेज नं०ए-१३,
लाला गिरधर लाल मैमोरियल अपार्टमेंट-२८, फिरोजशाह रोड, नई
दिल्ली में स्थित है (ओर इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वे कार्यालय, अर्जन रेंज-१,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
धास्तशिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—156GI/86

(1) लाला गिरधर लाल मैमोरियल फेलरेशन हाउस,
तामरेन मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) टाटा आइरन एंड स्टील कम्पनी लिमिटेड, बन्डर द्वारा
लोकल आफिस जीवन ताला बिल्डिंग, 5, पॉलीयामें
स्ट्रीट, नई दिल्ली-१।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

लाला

आवासीय फैलैट नं० ए-३, चौथा खंड फ्रार गेरेज नं० एस-१३,
लाला गिरधर लाल मैमोरियल अपार्टमेंट, 28 फिरोजशाह रोड,
नई दिल्ली ।

(तादादी 1604 वर्ग फैलैट)

आर० पी० राजेश,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-१ दिल्ली, नई दिल्ली-१ 10002

दिनांक : 5-6-1986

मोहर :

प्रकल्प शाहै. टी. एन. एस.-----

अवधु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारत 269-वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

संघराजन, उद्योगकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1; नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जून 1986

निवेद सं० आई० ए० सी०/पृष्ठ०-1/37ई०/10-85/

2188—अतः; मुझे, शार० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,06,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० डब्ल्यू-69, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 नवंबर, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत बाजार मूल्य में ऋण के अवधार
शीलिक्षण के लिए बन्दूर्फट ही रहे हैं और यह दिल्ली
उक्ते का कारण है कि उपावद्ध अनुसूचित का उचित बाजार
मूल्य, उसके अवधार अनुसूचित नहीं है, तो उसके अवधार अनुसूचित
पूर्ण शीलिक्षण दो अधिक हैं और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिक्ति
(अन्तरिक्षियम) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
विविध, विभिन्नित उपावद्ध में उक्त अन्तरण लिखित हैं
प्रास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर दीने की अन्तरक को
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुनिका
के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आविष्यकों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया
आ या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुनिका
के लिए;

उक्त अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा की उपधारा (1) को
के अधीन, विभिन्नित अन्यिक्षण, अधारि ८—

(1) हम राज पाहवा द्वारा एवन साइकिल्स प्रा० लिमि०
जी० टी० रोड, लुधियाना ।

(अंतरक)

(2) सीवायोव्हिल्डिंग्सेट हॉटेलीज लिमिटेड 3370,
हॉकाजो दिल्ली फैटिड ब्रावासीय क्षेत्रफल 5060
वर्ग फीट ।

(अन्तरिती)

वे यह सूचना नामी करने प्राप्त सम्भित वे वर्ष में निप
कार्यवाचियों करता है ।

उक्त सम्भित के अर्थ में कोई भी वापरः—

(क) इस सूचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरभी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य अनियमित द्वारा अधिकारी के पाव
विवित में किए जा रहे हैं ।

स्थाविकरणः—इसमें प्रबन्धत अन्य और द्वये अन्य, जो उक्त
अधिनियम के अध्यय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ द्वारा जो उक्त अध्यय में विद्या
गया है ।

वन्स्पति

डब्ल्यू/69, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

इंटायर बैंसमेट 3638 वर्ग फीट

बरसाती 992 वर्ग फीट

गोरेज ब्लॉक धरानल खंड 430 वर्ग फीट ।

शार० पी० राजेश,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-6-1986

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारत वार्षिक

कार्यालय, राहायक आयकर बाधकता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/३७६८/१०-८५/

२१९१—श्रम: मुझे, आरा० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सकास प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फल ट नं० ६ ५वां खंड बहुमजिली हाउसिंग स्कीम अधीश्वर आपार्टमेंट ३४ फिरोजशाह रोड़ नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के वार्तालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल को निए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का अन्तर से अधिक है और बन्तरक (अन्तरुकी) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चत्रय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या इससे बचने में सुविधा नहीं निए; और/या

(ब) एरी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिक्त द्वाया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा नहीं निए;

इठ: आय, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अधीत है—

(1) कैलाश नाथ एंड एसोसिएट्स 1006 कनचनजंगा
18 बाराबाम्बा रोड़ नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) गोलडन प्रोपट्रीज एंड ट्रेडर्स लिमिटेड 24 कालका
स्ट्रीट कलकत्ता-७।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन से निए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के संबंध में हौदै भी बातें हैं—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

अवामीय फ्लैट ऑफिस 1600 वर्ग फीट 1 फ्लैट नं० ६ ५वां खंड बहुमजिली युप हाउसिंग स्कीम अधीश्वर आपार्टमेंट ३४ फिरोजशाह रोड़ नई दिल्ली।

आरा० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२

दिनांक: 5-6-1986
मोहर:

दस्तावेज़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

काशीनव, सहायक आयकर आदान (निरीक्षण)

आयकर रेज-1 नई दिल्ली
नई दिल्ली, विनांक 3 जून 1986

निवेद्य सं. आई० ए० सी०/एस्प०/१/३७-इ०/१०-८५

2194—प्रत: मुझे, आरा० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा०
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विवाद करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, विसका उपरित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6 सर्वेक्षणाटर नं० 6 गोरी अपार्टमेंट,
3 ए० 4, साउथ इंड०, नई दिल्ली में स्थित है (आं० इससे
उपांड अनुसूची में पूर्ण मूल्य से बर्जि० है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कायलिय, आयकर रेज-1, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक प्रबुद्ध वर्ष 1985को पूर्वोंत सम्पत्ति के उपरित बाजार मूल्य से कम के ऊपरसान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद स
करने का बारा० है कि मध्यांगोंत सम्पत्ति का उपरित बाजार
मूल्य, उसके व्यवहार स्थिति के, एतें व्यवहार स्थिति का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रति-
पल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(१) उक्त वृह॑ किसी भाय की वाय, उक्त
विविधत के अधीन कर दते के बाबरक वृह॑ वायित
की कर्ता कर्ता वा उक्त वर्तने के उपरित वृह॑(२) एसी किसी भाय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्ह॑ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
भा०-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रशोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता थाहिए था छिपाने में सूचिधा
के लिए;(१) कैलाशनाथ एंड एसोसिएट्स 1006, कनचनजंगा 18,
बागाखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(२) शांति कोठारी और स्वरूप जैड कोठारी द्वारा हेमचन्द्र
जी नाहर, नागोरी 2001, किनारी बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करने व्यापक उपरित के बर्द
कार्यालयों करता है।

उक्त उपरित के बर्द के सम्बन्ध में कोई भी वायेः—

(१) इस सूचना के उपरित में व्यापक की वायेः वृह॑
दिन की वर्जि० या उत्तरवंभी व्यक्तियों पर सूचना
की वायेः वृह॑ 30 दिन की वर्जि० या भी वर्जि०
वाय वृह॑ स्थान होती है, के बीतर उपरित
व्यक्तियों में वृह॑ विविध व्यापक इवारा;(२) इस सूचना के उपरित में व्यापक की वायेः वृह॑
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हित-
वृह॑ विविध व्यक्ति वाय व्यक्ति इवारा, अधोइस्तान्त्री वा
वाय व्यक्ति में विविध वा उक्ते।स्थानीकरण:—इसमें प्रदूषत व्यक्ति और वर्दो का, वो उक्त
विविधत के वर्जि० वृह॑ 20-वा० में परिवारित
है, वही वर्जि० हांगा जो इस वर्जि० में विवा०
वाय है।

अनुसूची

एक अवासीय फ्लैट नं० 6, (1580 वर्ग फीट) एक मकान
नं० 6, (130 वर्ग फीट) खुला स्थान (450 वर्ग फीट) धरातल
खंड और एम खुला कार पार्किंग, ग्रुप हाउसिंग गोरी अपार्टमेंट,
3 और 4 साउथ इंडियन, नई दिल्ली।आरा० पी० राजेश,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आयकर रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 3-6-1986

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा० 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा० 269-व की उपभारा० (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

प्रकल्प वार्षिक दस्तावेज़... एवं.....

**बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
269-ष (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निर्देश सं० आई० प० सी०/एक्य०/१/३७इ/१०-८५/
२१९७—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ५-ए, तादादी लगभग 1600 वर्ग फीट
5वां खंड और एक खुला पार्किंग स्पेस ग्रुप हाउसिंग स्कीम
नीलगिरि अपार्टमेंट्स ९, वाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रसिद्ध से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) बन्तरण से हरू किसी बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के बन्तरक के
दावित में कर्ता करने वा उक्त बन्द में दृक्षित
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा बन्द आविष्टों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बहु: बहु, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की बन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(१) कैलाण नाथ एंड एसोसिएट्स १००६, कंचनजंगा;
१८, वाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(२) परागर बल्डर्स प्रा० लिमिटेड, के-११३, हौजखास
प्रथम खंड, नई दिल्ली-१।

(अन्तरिती)

को पह सूचना बारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
व्यक्तियों करता है॥

उक्त सूचित के बर्बन के संबंध में कोई भी आवेदन नहीं

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियों वर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
व्यक्ति वाले में समाप्त होते हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी वन्द व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में लिए जा सकें।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रश्नपत्र बद्दों और पूछो का, जो उक्त आयकर
अधिनियम के अध्याय २०-क में परिवर्तित
है, वही वर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक फ्लैट नं० ५-ए, तादादी लगभग 1600 वर्ग फीट ५वां
खंड और एक खुला पार्किंग स्पेस ग्रुप हाउसिंग स्कीम नीलगिरि
अपार्टमेंट्स, ९, वाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-१ दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२

दिनांक: ५-६-१९८६

मोहर:

प्रस्तुत श्रावण, दी. १९८६ एस. -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्य०/१/३७इ/१०-८५/
२१९८—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्त इकाई इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सभी संस्थाएँ प्राधिकारी को यह विवादात् करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्तार उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिमकी सं० फ्लैट ६४, लगभग 1600 वर्ग फीट ५वां खंड खुला कारपारिंग नीलगिरि, ९ बी० के० रोड़, नई दिल्ली में स्थित, है (और इससे उपावद्व अनुसूची में पूर्ण स्वयं से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1985

को पर्याप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवादात् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्ण प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक), और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथा याचना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्वित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिद्धांत/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आवृष्ट था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के विरुद्ध—

(1) केनाश नाथ एंड एसोसिएट्स 1006, कंचनजंगा, 18, बाराबाम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) लिंगा एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड, के-113, हौजखास, प्रथम खंड, नई दिल्ली-१।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचने के लिए कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचने के संबंध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवृद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी कम्पनी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास सिद्धि में से किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं वही वर्त होगा, जो उस भाष्य में दिया गया है।

मृग्नी

एक फ्लैट नं० ६४, तादादी लगभग 1600 वर्ग फीट। ५वां खंड, एक खुला पार्किंग स्पेस प्रयुक्ति स्कीम नीलगिरि अपार्टमेंट ९, बाराबाम्बा रोड़, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 5-6-1986

मोहर:

प्रस्तुत वाई. डी. एन. पृष्ठा. २००५

प्राप्तकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अभीन सूचना

पार्श्व प्रकाश

कार्यसम्म, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजैन रेंज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निर्देश सं० आई० प० सी०/एक्य०/ १/ ३७५/ १०-८५/

2205—अत मुझे आरोपी० राजे शा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग्य
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का
कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका मं० फ्लैट नं० पी-203, पी-204, प्रथम खंड और
पी-303, पो-304 दूसरा खंड पालम आपर्टमेंट बिजवासन में
स्थित है (और इसमें उपांड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के आयलिय, अर्जन रेज-1, नई
दिल्ली में भारतीय एजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 1 अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्प्रति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास फरते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का पन्थह प्रतिक्षेप से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, 'नमनलिखित उद्देश्य से उक्त वस्तुरण लिखित मै वास्तविक रूप से कठित नहीं किया भया है' ॥—

(क) अन्तरक से हुँदू किसी आप को बाबत, उक्त अधिनियम के विरुद्ध कर देने के बहरक के पायित्य में कर्त्ता करने वा उससे बचने में त्रुटिया के लिए;
वार/वा

(प) एसी किसी वाय या किसी धन का बम्ब अस्तित्व
के चिन्ह भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को
प्रयोगनार्थ अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना आविष्कार था, जिसमें में जूनियर
विए;

अर्थः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के बन्दूरणम्, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) चौपड़ा प्रोमोटर्स एंड बिल्डर्स 7ग/27, उच्चलयून द०ए०
करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तर्का)

(2) जयश्री टी इंडस्ट्रीज लाल डारा विलिंग स्वामी रामतीर्थ
नगर, नई दिल्ली।

(अन्तर्का)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त अम्मति के बर्दग के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी गान्धोप :—

(क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरभी व्यक्तियों सूचना पटकी तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णस्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति बवारा;

(ब) इस संचान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितवृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पर्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिकारीय, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, पहली अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

100

फ्लैट नं० पी-203, पो 204, (प्रथम खंड) और पी-303 पी-304, दुधरा खड़ पालम अपार्टमेंट, विजयाम, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश

सप्तम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजॉब रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिसांक 5-6-1986

मोहर :

महायक वार्षिक दस्तावेज़ एवं अधिनियम

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत ब्रह्मकार

कार्यवाही, सहायक बायकर आयुक्त (मिशनरी)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/३७८८/१०-८५

2220ए—अत मुझे, आर० पी राजेश,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवर इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सकार प्राधिकारी को यह विवाह संकरने का
कारण है कि स्थानीर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूमि
1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० क्लैट नं० 710, है तथा जो 2 तिन 5 मार्ग में
स्थित है (ओर इसमें उत्तरांश अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीर्टरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूमि से कम से स्थानीय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह संकरने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
दस्तावेज, उसके स्थानीय प्रतिफल से, ऐसे स्थानीय प्रतिफल का
उन्नाह प्रतिष्ठान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण
निर्धारित वर्ष कास्तौक रूप से करित महीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय कियी आद की बाबत, उक्त विधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कर्मी करने या उसमें बदलने में सविभा रे रिए;
बाई/या

(ब) ऐसी किसी आद या किसी भन या अन्य वासिताओं
को विद्युत भारतीय बायकर विधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भन-
कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, जिसने भी सुविभा के
लिए;

(1) नविन्दा प्रोफेट्रीम प्रा० लिमि०, 2 तिलक मार्ग, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अजय कुमार गुप्ता 110, अग्निन्दो पलैस,
डी० डो० ए० नाम्पलैकन हीज़दास, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

इन वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाधेप्र

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थानीर सम्पत्ति में हितवृद्धि किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में
से किए जा सकेंगे।

लक्षण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
विधिनियम, एवं अध्याय 20-क में परिचित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
जया है।

अनुसूची

क्लैट नं० 710, 2 तिलक मार्ग नई दिल्ली क्षेत्रफल 1500
वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक बायकर आयुक्त (मिशनरी)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

वक्तः बाब, उक्त विधिनियम की भारा 269-व के अनुसर
में, यै, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वक्तव्य :—

दिनांक: 5-6-1986

मोहर :

प्रधान बाहरी दौलत एवं इस्तम्भ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निपटान)

रजेंज रोड-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जून 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१३७८६/१०-८५
२२३।—लन् मुद्रा, आ०० पी० वृजेष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
असके पश्चात् “उत्तरी अधिनियम” कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का
पारण है कि अग्रवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
ओंगनियां सं० फ्लैट नं० 1301, 820 वर्ग फीट है जहाँ जो
13, टाल्स्टाय मार्ग पर्यावरण में स्थित है (अग्रवर इसने उपायद अनुमति
में पूर्ण है। विश्वास है), निम्नलिखी अधिकारी के द्वायलिय
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम,
1908 (1908 ग 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1985

को प्रवर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्राप्तिकरण ने किए अन्तरित की गई है और यह विश्वास
करने वाला कारण है कि यथापूर्वकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे सम्पत्ति का
प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तग पाया गया
प्रतिफल इनीजनियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित
प्राप्तिकृत रूप से कार्यस नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरण के हुए किसी आय की वापत, उस
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
प्रतिशत में कमी करने वा उक्त वापत में उचित
के लिए और/वा

(इ) एसी किसी आय या किसी अन्य वापत या अन्य आसियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 ग 11) या उक्त अधीनियम, ग ८
अनुकर ओपरेशनम, 1957 (1957 का 27)
के प्राप्तिकृत अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किसी जाता नाहिए था, किसान में सुविधा
के लिए;

- (१) अक्षरी विक्रम विज्ञान कंस्ट्रक्शन कम्पनी लिमिटेड
१३, टाल्स्टाय मार्ग, नई दिल्ली-१।
(अन्तरक)
(२) योजिती द्रव्य द्वारा प्र० प्र० मरवाह एंड कम्पनी
एफ-५८, कमाट पलैम, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काइ भी आवेदन :—

- (ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राप्तिकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वायाः
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवधु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के बारे
मिलित में किए जा सकेंगे।

लक्षणीयता:—इसमें प्रयुक्त लाइनों और पदों का, जो उक्त
विधिनियम के अधार २०-के प्रतिक्रिया
है, वही वर्ग होगा जो उक्त विधाय में वित्र
किया गया है।

मन्त्री

बुक्ष आफिय पलैट नं० 1301 तादादी ८२० वर्ग फीट बहु-
मंजिली बिल्डिंग १३, टाल्स्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

आ० पी० राजेश,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-१ दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२
माहूर ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, अन्तरीतीवाले व्यक्तियों, अर्जन :—

11—156GI/86

दिनांक ३-६-१९८६
माहूर ।

प्रस्तुत वाइ. टी. ए. पट.

बन्धकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
भारा २६९-घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

संविधान, संविधान आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-१, भई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक ५ जून १९८६

दिवेश सं० ५०५० प० ८००/एक्य०/१/३७८/१०-८५-
२२३—आग मुझे, आर० प०० राजेश

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की भारा
२६९-घ के अधीन सकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का राण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिह बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

आर० प०० राजेश को घंटे १३०, ८२० वर्ग फीट, है तथा जो
१३ टालम्याप गार्ज में विद्युत है (आर० प०० उत्तर उत्तराखण्ड अनुसूची
में पूर्ण वा संवर्धित है), एवं इसकी अन्तिह अधिकारी को वायालिय,
अर्जन रेंज-१, भई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम,
१९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, दिनांक अक्टूबर १९८५

को प्रतीक्षित सम्पत्ति के उत्तिह द्वाजार गूल्य गे काग औ इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वीत सम्पत्ति का उत्तिह बाजार मूल्य,
उसके इयमान प्रतिफल से, एवं इयमान प्रतिफल का
प्रद्वान प्रतिफल से अन्तरित है और बकरक (उत्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच एवं अंतरण के लिए तथा पाया गया
इतिह विनामित उत्तरेय से उक्त अंतरण लिखित वा
प्राप्तिक रूप से कायित नहीं किया गया है ।—

(८) अंतरण से ही किसी भाव वा वापर, वापर
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण वा
वापरित वा करने वा उक्त वापर के लिए;
आर० प००/वा

(९) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
प्रतिकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रश्नान्तर अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था का लिया जाना अनियो या, विधान में
संविधान के लिए,

असू नव, उक्त अधिनियम की भारा २६९-घ के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की भारा २६९-घ की उपधारा (१)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (१) वक्ता विक्रम विठ्ठल कंस्ट्रक्शन अमनी प्रा० लिमि०
१३, टालम्याप मार्ग, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)
(२) मिस्. मोहा खना द्वारा अभिलेख तथा पिना राजीव
खना ई-१, महारानी बाग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके प्रतीक्षित सम्पत्ति के उत्तर के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के उत्तर के माध्यम से कोई भी आधार :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि का उत्तममनी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से १० दिन की अवधि, या भी
अवधि द्वारा दो उत्तरां होती हो, के भोतर प्रतीक्षित
व्यक्तियों वे से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हत्याकृष्ण
किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अपोहस्तात्तरी के गम
निमित्त में किए जा सकते ।

लाइकरण:—इसमें प्रत्यक्षत जल्दी और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय २०-के वर्तमानित
हैं, वही अर्थ होता, जो उग अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

बुकिंग आफिस फ्लैट नं० १३०२, नादादी ८२० वर्ग फीट
बठमंजिली आवासीय विलिंग १३, टालम्याप मार्ग, नई दिल्ली ।

आर० प०० राजेश,
उत्तम प्राधिकारी
संवाय न आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-१ दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२

दिनांक : ५-६-१९८६

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/३७६८/१०-८५
२२३७—अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विस्तृत उल्लेख सके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जितकी पं० फैटे 8 डी हंगाम 15 बाग्खम्बा रोड में स्थित है (और इसमें उपावद्वा अनुभूती में पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1985

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल के अंदर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तथा पाया जया गयी फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विचित्र में गान्तविक रूप से कठित नहीं किया जया है :—

(अ) अन्तरुप व द्वारा लिखी जाने वाली अवधि अधिनियम के अधीन कर दर्ते ही अंतरक व वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) एकी कियी जाने वा कियी जाने वाली वास्तविकी का अन्तरुप व अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अवधि अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व श्रोतवनार्थ अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया जा या किया जाया जानी भा, जिसमें वृत्तिभा वृत्तिभा के लिए।

लक्ष्मी लक्ष्मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरमें, वा, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कांता बाजीरा एण्ड मिन रीतु बाहरी
5/6 स्पृ नगर नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) सूद फैमिली ट्रस्ट
26 मिरी राम रोड सिविल लाइस दिल्ली ।
(अन्तर्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया घुरु भरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उल्लेख के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की दागीत से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितवद्धम किसी वाले व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताशरी के पास निवित में किए जा सकते;

लक्ष्मीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ण होगा, जो उस व्यावर में दिया जाया है।

अनुसूची

पलट सं० ८ डी हंगाम 15 बाग्खम्बा रोड नई दिल्ली
घोलफल ११६८ वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 3-6-86

मोहर :

प्रकृत वादः डी.एस.एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प (1) के अधीन सभ्यम
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/37ई०/10-85/

2238—प्रतः मुझे, आर० पी० राजेश,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सभ्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मालान सं० सी-595 डिफेंग कालोनी नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है) निम्नट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन
रेंज-1 नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि दह स्विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसं दृश्यमान प्रतिफल का
एक ही प्रतिशत से अधिक है और बन्दरक (बन्दरक) और
वंतारिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
प्रासंगिक रूप से कीचित नहीं किया जवा है ।—

(प) अवृत्त व दूर किसी ताप की वायकर वायकृत अधिनियम के अधीन कर देने के बन्दुरक के
दायित्व में कर्मी करने दा उससं बदले हुए स्विवास
के सिए, और/ए

(ष) एसी किसी वाद वा किसी उन वा अन्य वासिताओं
को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
वायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिया था, छिपने से
दूरिया के लिए।

(१) क० विरेन्द्र पिंड चिमनी

सी-6/57 अफदरज़ग डेवलपमेंट प्रिया
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

(२) श्री जय प्रकाश जैन मगर माला जैन और राजीव जैन
निवासी—जैन स्ट्रीट पी० ओ० कंडाला
जिला—मुज़फरनगर (य० पी०)

(अन्तरिती)

को वह सूचना भारती करके पूर्वोक्त संपाद्त के अर्जन के सिए
कार्यालयों शूल करता है ।

उक्त समाज के अधीन के ग्राम पा० पांडा व बालक ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में अकालीन का तारीख से
१५ दिन की अवधि या तांत्रधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, तो उक्त अवधि
तारीख से भी किसी व्यक्ति द्वारा ।

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालीन का तारीख से ५३
दिन के भीतर उक्त समाज में वित्तवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वासानसात्री के पास
लिखित में किए था गए ।

स्वदोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अधीन उपावड़ सं० सी०/एक्य०/1/37ई०/10-85/
में, वही अर्थ है जो उक्त अधिनियम में दिया
गया है ।

अनुसूची

अवासीय मालान सं० सी-595 डिफेंस कालोनी नई दिल्ली
धरातल खण्ड 1712 वर्ग फीट प्रथम खण्ड 1712 वर्ग फीट।
वरसाती 427 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश
सभ्यम प्राधिकारी
सहायक वायकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-6-1986

मोहर :

वर्तमान अवृत्त अधिनियम को भारा 269-प के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपचारा (१)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान :—

राजपत्र नं. १०८६-४३

**वाक्फकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारत 269-वा (1) के वर्तीन सूचना**

वाक्फकर
वाक्फकर

कार्यालय, उद्यापक वाक्फकर कामकाज (भिराजन)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निवेश सं. आई० ए० सी०/एस्य०/१/३७६६/१०-८५/

2258-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

वाक्फकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके प्रत्याख्यात 'उद्यापक अधिनियम' कहा जाता है), की भारत 269-वा के वर्तीन सूचना वाक्फकारी को यह विवाह करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसमा उपायित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिभकी सं. फ्लैट सं. 103 39 है तथा जो कुशाल हाउस, नेहरू प्लैट, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपावद्व अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1985

को प्राचीन सम्पत्ति के लान्तर बाजार मूल्य से कम के इसकमाल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वापूर्वोंक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्पातन प्रतिफल से एसे इसकमाल प्रतिफल का भव्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाता गया प्रतिफल, विभिन्नियि उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित भा० वापूर्विक रूप से कठित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हर्दू किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के वर्तीन का दैर्घ्य के बहुतुक वैदायित्य में कमी करने वा उक्त वर्तीन में सुविधा के लिए; लौर/वा

(ख) दैरी किसी आय वा किसी जन वा अन्य वापूर्वों का, जिन्हे भारतीय वाक्फकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा वाक्फकर अधिनियम, 1957 (19/ का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती इकाय नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए वा, जिनमें से शून्यता के किसी;

कल्पना वापूर्व, इसके अधिनियम की भारत 269-वा की वर्तीन 4-वा संकरा अधिनियम की भारत 269-वा की वर्तीन (1) के वर्तीन नियमानुसार व्यक्तियों, अर्थात् ४—

(1) श्री दी० सी० जन एण्ड बलबीर कुमार जैन
प्र०-341, ग्रेटर कलाश-1, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री सुखनन्दन महेत राजमहेत
120, एम० आई० जी० फ्लैट प्रसाद नगर
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी वरके द्वावेदत रम्पाति के वर्तीन के लिए
कार्यवाहियों शूरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(अ) इस सूचना के उक्तपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा इसमेंन्ही व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि वाले द्वावेदत होती हो, के भीतर प्रौद्योगिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित्व द्वावाप;

(ब) इस सूचना के उक्तपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वामी अन्तरित व्यक्तित्व द्वावाप अनुहस्ताकरी के पास प्रिवित में फिर आ सकें।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्दृश्य

फ्लैट सं. 103, 39, कुशाल नेहरू प्लैट, नई विल्ली क्षेत्रफल लगभग 867.5 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्रम प्राधिकारी

सहायक प्राधिकारी प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-6-86

माहर ४

प्रस्तुप बाईं. टी. एन. एस.-----

आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निदेश सं. आई० ए० मी०/ए० क्य०/1/37ई०/10-85/

2269—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इमक पद्धति 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. फ्लाट मं. 708 है तथा जो 7वां खण्ड 7
टालस्टोय मार्ग में स्थित है (और इसमें उपांडि अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय
अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में भागीय रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कर्त्तव्य नहीं किया गया है :—

(1) हमी वेमिल्हा एंजेसी

1402/16 लिल्क बाजार चौक दिल्ली।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती नाविनी देवी पत्नी साजन चंद्रानी

बी-१-(१२), पूर्वी शालिमार बाग दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आशोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा दधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हैरू किसी भाय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

फ्लाट सं. 708, 7वां खण्ड, 7 टालस्टोय मार्ग, नई दिल्ली
तावादी 645 वर्ग फीट।

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

आर० पी० राजेश

प्रधान प्राधिकारी

सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः इव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 5-6-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एम. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 की धारा 269 प (1) के अधीन सचिव

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक व्यायकर व्यायक्ति (निरक्षण)

ਅੰਜੇਨ ਰੋਟ੍ਰ-1, ਪੰਜਾਬ ਦਿੱਲੀ

नई दिल्ली, दिसंबर 3 जून 1986

निदेश नं० आई० प० सो०/पक्षु०/1/37६७/10-85/
2270—अनः ममी, आर० पी० लक्ष्मी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अन्तर्गत दूसरे हाथों पारित 'उद्योग अधिनियम' काहु भवा है। यही वाय 169-के बादील यस्ता अधिनियमी को कह 'प्रबन्धन अधिकार' कहा जाता है जिस स्थापना एवं व्यवस्था, "प्रबन्धन अधिकार" का 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीम निष्पक्की में ८ फैलट सं० ६, प्रथम छोड़ कंस डब्ल्यू-१४, ग्रेटर नॉना-२ में स्थित है (श्रीम एवं श्रीमति अमृतद्वारा निष्पक्की में पूर्ण रूप विवाह हुआ है), जिसमें नवी अग्रिमी के आवालिन, अर्जन रे जै-१, इस निष्पक्की में भास्तोर अमृतद्वारा अधिभित्य, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिगंबर अक्षुय्या 1985 द्वारा अन्वित गंधीजी के निष्पक्का अवधि द्वारा देख के लक्षणात् प्रतिफल के लिए बतायी गई है और इसे यह विश्वास करने का कारण है कि यहाँपूर्वोक्त धूमधारी ज्ञानीजी का ज्ञान वृद्धि तथा क्षमता अवधारणा परिवर्तन से, एवं लक्षणात् प्रतिफल का परिवर्तन भी अधिक है और अन्वित (गंधीजी), अंतर्मिति (अन्तरिमिति) के बीच हृष्टे अवलोकन द्वारा यह वादा वृद्धि प्रतिफल, विनाशिति उत्तरवेद व वृद्ध अवलोकन तंत्रित अत्यधिक रूप द्वारा विवरण दिया गया है ।

(क) अस्तरेक से हुई किसी वायर की वापर, उसके अधिभियम के वर्धन कर देने के बहुतरक वी प्राप्तिकर्म में कठोरी करने पा उसके वर्षन में शैक्षिक के लिए; और/या

(८) एसी किसी वाय वा फिल्मी पन वा वाय जास्तियाँ
एसी बाय वाय वा फिल्मी पन वा वाय जास्तियाँ
(1922 का ११) वा एसी अधिनियम, आ
प्रशासनार्थी वर्तमानी वाय वा फिल्मी पन वा वाय
वा या फिल्मी जाय वा फिल्मी पन वा वाय जास्तियाँ
वा जिए;

अतः तब, ७५१ अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (१) नाडवे अवर (इंडिया) प्रा० लि०
बॉ० १०२, ग्रेटर कैलाश—१, नई दिल्ली।
(अन्तर्क्रह)

(२) श्रीभीमोत्तम चुराणा पृष्ठ भगवानी खुयाना
३/१, शिवाजी नगर, सुडगांव।
(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेद =

- (क) इस भूमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 10 दिन की अवधि का वर्तमान, व्यक्तिगतीय वा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, तो की अवधि तक वे संबंध बहुत ही हो, के भीतर उन्हें व्यक्तिगतीय में से किसी व्यक्तियोगी;

(ल) इस भूमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उद्दत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रायोगिकता:—हार्ड प्रबन्ध कल्पने और कर्त्ता का, वह प्रबन्ध अधिकारी, के विभाग 20-के में परिभ्रमित है, यहाँ सभी हार्ड को उस विभाग में दिया जाता है।

फ्लैट मं. 6, प्रथम इण्ड कंट डब्ल्यू-14, ग्रेटर कॉन्सार्स-2
गुड डिल्ली। अधिकत 2300 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
मक्षम प्राधिकारी,
युक्त (निरीक्षण)
दि. दिल्ली-110002

Digitized : 3-6-1986

भारत ३

प्रधान बालू, ही पढ़ लाएं

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
की धारा 269-के (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोड-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/३७८८/१०-८५/

२२७—अनु: मुझे, आ० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्त इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिमकी सं० बी-२३, है तथा जो गीतांजलि (रियर
पोरशन) में स्थित है (ओर इसमें उगादङ्ग अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के अधीन अर्जन
रोड-I, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908
(1908 का 13) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1985

का दर्जकरता सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए नंतरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथावैध संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एकह
प्रतिलक्षण से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिक्षी
(अस्तरिक्षीयों) के बीच ऐसे व्युत्पत्ति के लिए तथा पाया जाया प्रसि-
ष्ट विवरित उद्देश्य से उक्त अस्तरक विवित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) नंतरक द्वारा कियी जाय की वस्तु; उक्त
विविनियम की नीति कर दर्ते हो नंतरक के वायित्व
में कठी करने वा उक्त वस्तु में दूषिता हो विद्या;
आ०/पा

(ख) दूरी कियी जाय वा कियी भग वा अन्य वास्तवियों
को; जिन्हे पारतोव प्रायकर प्रतिविष्टम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त प्रतिविष्टम, वा इन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवाचनार्थ अन्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा ये किया जाना चाहिए था; जिसने में
सिवा के लिए।

अर्जन वर्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-के अन्तर्गत
वा., वा., उक्त अधिनियम की धारा 269-के उपाय (1)
की अन्ती, निर्मालित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) वीणा चूरमनी एण्ड जे० के० चूरमनी
ए०-१३७, पंचमील भार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) बूथ भूषन एण्ड मेनर्स जमीना नृज भूषन
ए०-१५/२७, बसंत विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या उत्तरांचली व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकाल
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
विवियम, के अन्य २०-क में यथा प्राप्त होता है,
वही वृद्धि होगा जो सत् अस्त्र के लिए
होता है।

अनुसूची

धरातल खण्ड फ्लैट सं० बी-२३, गीतांजलो (रियर
पोरशन) ऑफिस २९५० वर्ग फ्लैट।

आ० पी० राजेश
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-१ दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२

दिनांक : 3-6-1986
माहेर ३

प्रस्तुत वार्ता, दी.एन.एस., १९८६

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के बंधीन सूचना

भारत सरकार

फैसलिय, भारतीय आयकर विवरण (विरोधित)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निदेश सं० आई० ग० मी०/एक्य०/१/एम० आर-३/१०-८५/२६६—अतः मृशी, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवर इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा यदा है), दी. वारा 269-ए के बंधीन सूचना प्राधिकारी को अहू विवरण करने का कारण है कि स्थायर उम्पाति, विवरका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

आंग्रेजियाँ सं० आर-१८६, तादादी २२ वर्ग गज है तथा जो ग्रेटर कैलाश-१, नई दिल्ली में स्थित है (आंग्रेजियाँ उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कारण, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) /प्राचीन एंजिनीरिंग अधिनियम, 1908 (1908 का १६) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1985.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतित बाजार मूल्य के बाहर के अपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विवरण करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित स्थायर बाजार मूल्य, उसके उपर्याप्त प्रतिफल से, ऐसे अपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतररक्ती) और अंतरिती (अंतरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया/प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(१) अन्तरण से हटा किसी आय की वापर, दृष्ट अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक व वापिसी से कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(२) एकी किसी आय या किसी वस्तु या अन्य भास्तुओं को, जिन्हें आरंभीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, एवं कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्दरार्थ अन्तर्रक्ती स्थायर अक्टूबर महीने किया गया था, छिपने से हुयिता के लिए;

(१) श्री रघुविन्दर सिंह सुपुत्र नानक सिंह हारा जनरल प्रोटोकॉल गुरुग्राम प्रकाश सिंह सुपुत्र एम० भगत सिंह ५, राजदूत भार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(२) श्री उमेश कुमार वर्मा सुपुत्र मथुरा दाम वर्मा ई-३०३, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली।
(अन्तर्क्तिः)

कि यह सूचना जारी करने पर्याप्त समर्पित के अधिक से लिए अवधारित करता है।

वक्तव्य संघीत के वर्षम के दौरान वे कोई भी वाले हैं—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा हस्ताक्षरी व्यक्तियों एवं उपचारी की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णत अविवाहितों से से किसी लकड़ि इवार;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में हितबद्ध किसी वस्तु व्यक्ति इवार व्यवस्थाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लकड़ीकरण:—इसमें प्रयुक्त लकड़ी वीर वर्षी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित है, वही वर्ष हुगो और उस अध्याय वे दिवान वस्तु हैं।

लकड़ी

आर-१८६, तादादी २२२ वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-१, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश
ग्राम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (विरोधित)
अर्जन रेज-१, नई दिल्ली-११०००२

दिनांक : ५-६-१९८६

मोहर :

अस. अज., उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरक है, मैं, इन अधिनियम की भारा 269-ए की उपरांत (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12 156GT/86

प्रस्तुप बाइंटी एफ.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरोक्षण)

डर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निवेश मं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/प्र०/आर-३/१०-
४५/२६८—अव०: मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

अंग्रेजियनी मं० एम-113, ग्रेटर कैलाण-2 हैं जो नई दिल्ली-
1 में स्थित है (अंग्रेज में उपावद्व अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), राजियनी कार्यालय अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय-
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) /भारतीय राजि
स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पांच प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वंन के अन्तरक के
समित्य वैकल्पी दरने या उसके बजाए गुणिका
के लिए; और/या

(ख) एग्री किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
पर, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
इतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रदर्शनात् अन्तर्गत दबारा प्रबंध नहीं किया गया
था या किया जाना चाहए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को भाग 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1)
में अधार, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जी० एम० कोहली ए८० य० ए४०
प०-११, जसो०८ विहार, फेज-३२,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री अश्वनी कुमार
डी-८४, पंचगीन एन्ड लेव,
नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एम-113, ग्रेटर कैलाण-2, 300 वर्ग गज, नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश
सदम प्राधिकारी

निम्नलिखित व्यक्तियों (निरोक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-6-1986

मोहन :

प्रस्तुति टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर मंत्री (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्य०/१/एम० आर०-३/१०-
४५/२७३—अतः मझे, आर० पी० राजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 5 है तथा जो एस-५९, ग्रेटर कैलाश-२, नई
दिल्ली-४ में स्थित है (और इसमें उपावट अनुसूची में पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्री-ता अधिकारी के दार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय अधिकार अधिनियम 1961 (1961 का 43)/
भारतीय रजिस्ट्री-वर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक अक्टूबर 1985

को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से एसे इयमान प्रतिफल का पूर्व प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जौर/या

(घ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1) श्री चानन मिह बोहानिया सुपुत्र उदम सिंह बोहानिया
124, सेनी गंडलेव, दिल्ली-110062।

2) श्री अमरजीत मिह जोहर एण्ड कम्पनी
सी-139, डिकेस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करसा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में दिया गया है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एस-५९, ग्रेटर कैलाश-२, नई दिल्ली। तादादी 300 वर्ग
गज।

आर० पी० राजेश
वक्त्र प्रांधिकारी
महायक आयकर आयवत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 5-6-1986
मोहर :

मुख्य बाइंग ट्रीषु एवं रेस्टोरेंट

नामः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की १—
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निरेश सं० आई० ए० सी०/एक०/ १/एस० आर०-३/
१०-८५/२७४—अत मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० — है, तथा जो एक-44ए, एन० डी० एन०
ई० पार्ट-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में पूर्ण रूप में स्थित है), रजस्ट्रीबर्त अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 (1961
का 43) /भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक अवृत्तवर 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गहर है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्याल
प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक)
और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाका प्रतिफल निम्ननिमित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से क्रियत नहीं पाया गया है।—

(क) अन्तरण से हृह किसी आय की व्यवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; जड़ि/वा

(ल) ऐसी किसी आय का विकास का अन्य आस्तीनों
का, 'अन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ५०
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
जाया था या किया जाना चाहें; था, छिपान अ-
वायिता से जिया।

कर्तव्य, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)
के अन्तर्गत निम्ननिमित्त अधिकारों का अन्तरित ॥—

(1) डा० एस० बजाज

एफ-44/ए, एन० डी० एस० ई० पार्ट-1,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैर डैवेन पैड नम्पनी निमिटेड
3, सेक्टिक लाइन बीच,
मद्रास-600001

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों द्वारा करता है।

अन्य सम्पत्ति के अर्जन के दंघेल या काइ भी बालप '—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद भौं समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में में किसी अर्द्धत द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भौतिक उक्त स्थान पर समिति में हितवकृष्ण
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के पात्र
जिवित में यिए जा सकें।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों जौँ पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

प्रवासीय भाग सं० एक-44/ए, एन० डी० एस० ई० पार्ट-
51, वेस्ट हाफ विंग, बैसमैट घरातल खण्ड, प्रथम खण्ड और
बसाती फ्लोर अण्डरनीथ की तरह इस्ट हाफ विंग प्रथम खण्ड
1 की होल्ड।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली -110002

दिनांक : 5-6-86

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती दयावंती बती गुप्ता

पत्नी शिवम सुन्दर गुप्ता

एफ-52, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कल्यासिय, ताहायक आयकर आयक्ता (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर-३/१०-८५/२७८—अत मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैओर जिसकी मं० --- है, नथा ज्ञा प्लाट सं० 30—आर, तादादी
300 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्णरूप से विदित है), रजिस्ट्रीदर्ती
अधिधारी के वायालिय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) /भारतीय रजिस्ट्रीब रण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1985
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थायमान प्रतिफल से, ऐसे स्थायमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सूक्षिधा के लिए;
और/या(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूक्षिधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) डेलाइट बिल्डिंग्स द्वारा

सरदार सुरिन्दर सिंह सुपुत्र सरदार धर्म सिंह
ए-2/140, सफदरजांग एक्लेव, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 30, बनाक: आर, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।
तादादी 300 वर्ग गज ।आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्ता (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-6-1986

मोहर :

प्रकृष्ट आइ. टी. एन. एस.-----

पालकड़ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ए (1) के विवर दृश्यम्

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक व्यापक व्यापक (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/ए० आर०-३/
 10-85/280—अत मुझे, आर० गी० राजेश,
 व्यापक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके प्रतिक्रिया 'उत्तद अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेचन करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ए०-118, प्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली
 एरिया 300 वर्ग गज में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
 में पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ता अधिकारी के वायलिय,
 नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम 1908

1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1985
 को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे वह विवेचन
 करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
 (अन्तरीर्तियाँ), जो वीच एवं अन्तर्कृत के लिए तथा पाया गया
 कह किम्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिवित में वास्तविक
 में वास्तविक रूप से क्षम्भित नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरण से छुट्टे किसी वाय की वाय, उत्तद^{अधिनियम} के अधीन अत दर्जे है अन्तर्कृत के
 दावित भौं करने या उससे बचने में वृद्धिभा
 वे लिए; और/या

(ब) ऐसे किसी वाय या किसी भौं या अन्य वायकों
 को, जिन्हें भारतीय व्यापक अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 उन-एर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा शक्त वाही किया गया
 था या फिर जाना आवृत्त था, छिपाने में सुविभा
 ने लिया;

विवर ज्ञातः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुहरण
 में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात् —

(1) श्री दिलीप सिंह सुपुत्र स्व० ए० शर्मा सिंह
 ए०-118, प्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।
 (अन्तरक)

(2) श्री निलोचन सिंह आनन्द सुपुत्र ए० नथा सिंह
 आनन्द ।
 पृ-३, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली —१
 (अन्तरिती)

की वह सचिन आरी करवे पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए
 कार्यवाहियां शुरू करता है।

लक्ष्य सम्पत्ति के सर्वांग के संबंध में कोई भी वाक्येः —

(क) इस सचिन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख पर
 45 दिन की अवधि या उसमान्वनी व्यक्तियों पर
 सचिन की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ब) इस सचिन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवपुभु
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अव्याहस्ताक्षरी के पास
 जिवित में किए जा सकते हैं।

स्वाक्षरीकरणः—इसमें प्रथम वाक्यों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित है, पहली
 वर्ष होता, जो उक्त अध्याय में विद्या गया है।

वास्तवी

प्राप्ती मं० ए०-118, तादादी 300 वर्ग गज प्रेटर कैलाश-
 1, नई दिल्ली ।

आर० गी० राजेश
 मक्षम प्राधिकारी
 सहायक व्यापक व्यापक (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-6-1986
 महर :

राजन वाहू, टी.एस.एस. ——

**प्राप्ति अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के बचीव सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्य०/१/एस० आर-३/
10-८५/२८।—अतः, मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसमें प्रत्यापृत 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की धारा
269-ग के बचीव संख्या प्राप्तिकानी जो यह विश्वास करने का
कारण है कि आयकर सम्पत्ति, पिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम-८८ ग्रेटर कलाण-२, नई दिल्ली में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुमति में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर
1985

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृम्भे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त के व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का
पूर्व ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एडे अन्तरक के लिए तथा पाया जाना प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (1) 1. मिसेज पुष्पा चहू 2. मिसेल छना खब्बा
3. मिमेज नीमा चहू और मिमेज रविजा चहू
पृ-४, जवाहर अवार्ट्स, मेट्रो।

(अन्तर्क)

- (2) श्री कौ० ए० चौपड़ा और श्री चौपड़ा
बी-२९, पंचशील इंकलेब नई दिल्ली।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना आदी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति की बर्बन के सम्बन्ध में काहू भी जाक्षेप है—

(क) इस सूचना के उक्तपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन की अवधि या तत्कालीन व्यक्तियों पर
सूचना को दामीव से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भातर पूर्वोक्त
लिखितों में से भी हिस्से अदिक्षित हुआ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
15 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति भी हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लघुलोकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों वॉट एवं एच, जो उक्त
अधिनियम के अधार 20-के वॉटिलिंग
हैं, वही ए० द्वारा जो उक्त सम्पत्ति में दिया
जाता है।

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय का बाबत, उक्त
अधिनियम के बचीव कर देवे के अन्तरक अंतरित
वारीपत्र में जारी करने या उक्त बचरे में सुविधा
वे लिए होँ।

बृहस्पती

एम-८८ ग्रेटर कलाण-२, नई दिल्ली-११००४८ आवासीय
घाट 400 वर्ग गज।

आर० पी० राजेश

ग्राम प्राधिकारी

ग्राम प्राधिकारी (नियन्त्रित),
अर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२

दिनांक : ५-६-१९८६

मोहन

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम को जाग 269-ग की जानधारी (1)
के अन्तर, निम्नलिखित शर्तोंपर, अथवा :—

श्रेष्ठपद बाहौदरी, टो. एव. एस. 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

उत्तर भूमि

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निवेश सं० आई० ए० मी०/एक्य०/१/एम० आर-३/१०-
४५/२८७--अतः, मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन निवेश शाखाकारी को पहुंचाना करने का कारण है इस स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य 21 तादादी 311 वर्ग गज के लाभ कालोनी नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपविद्व अनुमूल्य में पूर्णरूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)/भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1985 और पूर्णरूप सम्पत्ति के अधिक बाजार मूल्य से कम के लियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करते वा कारण है कि यथापूर्वक भर्त्यास का जिचित बाजार मूल्य, उसके लियमान प्रतिफल से, ऐसे लियमान प्रतिफल का अन्तरित से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त कन्तरण निर्दित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) उक्तरण में हुई कियी जाय की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के लायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य वासिताओं का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या एवं जन-जायनियम, 1957 (1957 का 27) जैसे प्रयोगनार्थ वन्तरिती ब्लाय प्रकल्प नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

लल्ल: अब, उक्त अधिनियम की पारा 269-व के अनुसरण में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मिसेज नीता अंड पत्नी मतीश अंड निवासी-जी-1/16, दरियागंग दिल्ली-1 (अन्तरक)
- (2) श्री आर० के० मलिक मुपुत्र स्वर्गीय पी० एम० मलिक निवासी-ई-1/73, नाजपत नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को पहुंचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यपालिका करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप है—

(क) इस भूमि की उपलब्धि की तारीख वै 45 दिन से अपर्याप्त या उत्तमाधी अधिकतमे तक उक्ता की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकाल अधिकतमे में दो किलो अधिक इवारण;

(ख) इस सूचना के उपलब्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य अधिकत इवारण अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लाप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्त होगा, जो उस अध्याय में देया गया है।

लाप्ती

के-21 तादादी 311 वर्गगज के लाभ कालोनी, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश
मध्यम प्राधिकारी
भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक : 5-6-1986

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन एस - -

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाजार (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/ग्र०१०/१/ए० आर०-३/१०-
८५/२८८—अतः, मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत
269-ए के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार वृद्धि
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० — है तथा जो एव-78 ए० डी० ए०
ई० पार्ट-1 नई दिल्ली में स्थित है (अंत इसमें उपावड़
ग्रन्तिमुक्ती में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1985
को प्रतीक्षा सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के बिप्प तथा
ज्यादा या प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उपर अन्तर
स्थिति में शास्त्रीय रूप से कठित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हाई कोर्टी आय की जावत, भुजल
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक वै
वायिकता में कठीन करने या सक्ते बनने में अविकल
के सिए; और वा /

(ख) एंटी किसी बाब या किसी भन या अन्य आदिनियम
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाग प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
अविकल के सिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं अवक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13-156GI/86

(1) श्री वेणो दास पुरी सुमुत्र लक्ष्मी रामजी दासपुरी
एव-78 ए० डी० ए० ई०-पार्ट-1
नई दिल्ली-110049

(अन्तरक)

(2) श्री गणेश कुमार जैन सुमुत्र महावीर प्रमाद जैन
जी-19 ए० डी० ए० ई०-पार्ट-51 नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

मैं यह सूचना भारी अन्तर्के एवं उपर्युक्त अधिनियम के लिए
कार्यवाहिका करता हूँ।

उक्त सम्बिल के अर्जन में समंज्ञ में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के अन्तर्के में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्भी व्यक्तियों पर सूचना
की साझीत ते 30 दिन की अवधि, और भी अवधि
शाये में समाप्त होती हो, के भीतर एवं उपर्युक्त
व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अपोहस्ताधरी वै वा
प्राप्ति से किए जा सकें।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रश्नकृत व्यक्ति और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही वर्ष होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्रसूची

मिशन स्टोरी विलिंग 200 वर्ग गज । प्लाट सं० 78;
ब्लाक एवं आवसीय कालोनी साउथ एक्सेंटेशन स्कीम पार्ट-1,
गांव मुद्दारकपुर कोटला, शिंग रोड नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश
गक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1; दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-6-1986

मोहर :

प्रस्तुत याइ.टी.ए.ए. -----

जाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भारीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एम० आर-३/१०-
४५/२८९—अतः, मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धना
269-घ के अधीन गदाम दर्तावाही के, घट विश्वास अवज्ञे का
कारण है कि स्थान सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० यूनिट मं० सी० प्राप्टी मं० ए०-१७८,
ग्रेटर कैलाण, नई दिल्ली में स्थित है (जो इसने उपावड़ अनुमूल्य
में पूर्ण रूप से जणित है) जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नायकिय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1985

जो प्राप्तेभूत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथाप्रवृक्षत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अवरण लिखित में
प्राप्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के वर्तीन कर देने के अंतरक के वायित्व में
कमी करने तथा उसमें दर्तावाही में मात्रका के द्वारा
भी/था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रभृत नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, जिसने में मन्त्रिता
थे लिए;

बता: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ का उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

(1) श्रीमती बन्दर बांजा पत्नी अशोक कुमार
ए-2/35 मफदरजांग एन्कलेब, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री अमरजीत गिल ओवरग्राम मुमुक्षु
लै० क० तेजा भिंह ओवरग्राम
निवासी-डब्ल्यू-105 ग्रेटर कैलाण-1
नई दिल्ली-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए
रार्याहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
मुख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी या
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

प्रत्येक रूप से इसमें प्रत्येक अभ्यर्थी अपनी वर्षा का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के द्वारा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया
गया है।

लक्षण

यूनिट मं० सी० दूसरा खण्ड प्राप्टी का भाग मं० ए०-१७८
तादादी 300 वर्ग गज ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश
दाता प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-6-1986

मोहर :

प्ररूप बाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष के अधीन सूचना

भारत सरकार

(1) खुदाना विंडो द्वारा गुरविन्दर निह खुगना
ई-21-ए, इंडियन आफ कैलाण, नई दिल्ली-1
(अन्तर्क.)

(2) में.मैं माला कुमार पत्नी संजीव कुमार
निवासी-42 बंगलो रोड कमला भगव
दिल्ली-110007

(अन्तरिती)

व्यापारिय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जूँ 1986

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्य०/१/एम० आर०/३

10-८५/२९३—अतः, मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

आंग जिनकी सं० —है तथा जो एम-141, ग्रेटर कैलाण-2,
नई दिल्ली में स्थित है (आंग इन्होंने उक्त वाजार मूल्य में पूर्ण रूप
से वर्णित है) अनिस्ट्रीटर्ना प्राधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 (1961 का
43)/भारतीय रजिस्ट्रीक्षण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक अप्रूब्य 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दूसरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य घट विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार
मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से एसे दूसरमान प्रतिफल का
पृथक् प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितायों) और बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित लघुदेव्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है इन किसी आय की बाबत, उक्त
मियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगमार्ग अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के द्वारा

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथे हस्ताक्षरी दे या
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दूधरा खण्ड एम-141 तादादी 298 वर्ग गज ग्रेटर
कैलाण-2 नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110200

दिनांक : 5-6-1986

मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/ग्रम्य०/१/प० आर०-३
१०-८५/२९४—अत मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. सं अधिक है।

ओर जिमकी सं० — है तथा जो फ्लैट सं० ए०-१५४, ग्रेटर
कैलाश-२, में स्थित है (ओर इसमें उपांबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप संवित है), राजस्ट्रोनर्टा अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रोनर अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक अवृत्तवार 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के ठीक्स बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एस-
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं ज०८५ के
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरात्मी (अंतरीतयों) के
बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उत्तरण से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कानूनित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दृश्यमान में कमी करने या उपरे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एसे किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यावार प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवृत्ति था, जिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री देविन्दर बहल
26, अनन्द लौग,
नई दिल्ली।

(अन्तरात्मा)

(2) खुराना विल्डर्स,
ई/21, ए, ईस्ट आफ कैलाश,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना प्राप्त करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयांश्चां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षणेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आदि में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितशुष्क
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास
लाभत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में गैरिभापित
है, वही जर्य हाग जो उप अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० ए०-१५४, ग्रेटर कैलाश-२, नई दिल्ली धेनफल
306 वर्ग गज।

आर० पी० राजेश
सक्रम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-6-1986
मोहर :

प्रस्तुप बाई, टी. पटेल एवं

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मानव विकास

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)

अर्जन रोड-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निदेश सं० आई० प० स००/एक्य०/१/एस० आर-३/१०-
४५/२९६—अन मुझे, आर० पी० राजेश,
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' (मृ॒ या है), की ग्राम
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी व्ये, यह विवास करने का
ग्रामकर ग्रुप एक स्थावर सम्पत्ति, जिसमा उचित बाजार वृद्ध
1,00,000/- रु. से अधिक है

अंग्रेज जिल्हा सं० — है तथा जो ई-४९७, ग्रेटर नॉलाश-२,
नई दिल्ली में स्थित है (अंग्रेज उत्तर अनुसूची में पूर्णरूप
में वर्णिया है), अन्तर्गत इत्ता अधिकारी के नियालिय, नई दिल्ली
में भागीदार विल्डरण अधिनियम, 1908 (1908 का
१६) के अधीन, विवास अनुबंध 1985

आप एक्यून सम्पत्ति के उचित बाजार वृद्धि से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और भूमि यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
वृद्धि, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
नियालिय, आंतरिक रूप भे कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व
में कठी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या धन या अन्य वास्तवीकरण
की, जिसके द्वारा ग्रामकर ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा इसके अधिनियम, का
उद्देश्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दृश्यार्थ उक्त नहीं किया
जा या किया जाना आवश्यक था, जिसे वे
सुविधा के लिए;

अग्र: अब, यस अधिनियम को भारा 269-व वृद्धि सम्बन्ध
में, वै, उक्त अधिनियम की भाय 269-व की उपभाय (1)
के अधीन निम्नलिखित अस्तित्वीय वर्त्ति :-

(1) श्री प्रेम कुमार मल्होत्रा
सुपुत्र पी० एल० मल्होत्रा द्वारा पी० एल० मल्होत्रा
द्वारा सुपुत्र मधुभा दास
पल-12, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश चन्द्र वर्मा सुपुत्र एम० आर० वर्मा
3, राधा निवास, खार पाला रोड, खर वम्बई
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए
कार्यवाहीकरण करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना है राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस भूमि के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोल्लासकरी के पास
निवास में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उक्त
अधिनियम, वे अध्याय 20-के में निर्दिष्ट वै

हैं, वही वर्थ होगा। जो उस अध्याय में विद्या

अनुसूची

प्लाट सं० ई-४९७, ग्रेटर कैलाश-२, नई दिल्ली तादादी
248 वर्ग गज ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)
अर्जन रोड-1 दिल्ली - 110002

दिनांक : 5-6-1986

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निदेण सं० आई० प० सी०/ग्रम्य०/1/ग्रम० आर-3/10-
85/297—अतः मृश, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० — है, तथा जो सी-4, प्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीडर्टा अधिकारी के भारतीय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीडर्टा अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धत प्रतिशत से जाँचक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए;
जौर/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरीत द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीपती धनी देवी जोशी पत्नी के बाबू दत्त जोशी
ममता देवी जोशी पत्नी जगदीश प्रसाद जोशी
ओर धब्बी जोशी पत्नी बद्री दत्त जोशी द्वारा
देवी दत्त जोशी सुपुत्र स्वर्गीय ग्रन्था दत्त जोशी
179, सुखदेव विहार, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रो० गो० परोड़ा एन्ड फैमली एच० य० एफ०
द्वारा अर्ता ओ० पी० श्रीरोड़ा सुपुत्र स्वर्गीय देवी
चन्द्र अरोड़ा
नी-14 अन्नद निकेन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पी-४, नारादी 500 वर्ग गज प्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-10002

दिनांक : 5-6-1986

मोहर :

प्रस्तुत काहौ.टी.एन.एम.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन प्रयोग
करते सरकार

शहरी, सहायक आगुक्त (निराकाश)

शर्जन रोज़-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निदेश सं । आई० ए० सी०/पक्ष०/१/प्र०
10-85/299—ग्रन्त: मर्म, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन वक्तव्य प्राप्तिकारी को आज उत्त्याम गरने का
कारण है कि स्थानीय राजित, जिनका उचित बाजार मूल्य
1.00.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं । गवं विजवासन, इपि भूमि, दिल्ली में स्थित
है (और इसमें उपावद्वानुमुक्ति में पूर्ण स्फूर्ति से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी प्रधिकारी के आर्यनिय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीर्टी
द्वारा आर्यनिय, 1908 (1908 का 16) के ग्रन्तीन, दिनांक
अक्टूबर 1985

को एवं इस सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्राप्ति के लिए अन्तर्गत को जहाँ तक और मुझे यह विवाद अपने का कारण है कि यथाएवेक्षण सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्राप्ति के लिए उत्त्याम प्राप्ति का पन्द्रह प्राप्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्गती (अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तुलना गणना प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में लापत्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(१) अन्तरण से हाँ किसी वाय की वापत, अन्तर अधिनियम के अधीन कर देने के बहुत के शायद दो कमी करने का उद्देश्य से सुविधा के लिए;
और/वा

(२) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने उनीभु के लिए;

लक्षण: बच, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की नवधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(१) डा० मिसेंग अंजूला खन्ना,
जो—17ए., हौगांव एंक्लेव,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(२) श्री जगदीग प्रसाद भालोटिया
5, कालाइ रियर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर के लिए
कार्यशाहीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी वालों :-

(अ) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख वै 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अन्य भाव में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पालन निषिद्ध में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभ्रहण है, वही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में विद्या रखा है।

अनुसूची

द्विपि भवि गाव विजवासन, 14 बीघा और 8 विस्ता

आर० पी० राजेश
सभम प्राधिकारी
सहायक बायकर आगुक्त (निराकाश)
अर्जन रोज़-1 दिल्ली नई दिल्ली —110002

दिनांक : 5-6-1986

मोहर :

प्रधान सचिव, टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अन्तर्गत सूचना

भारत सरकार

एकांकिका, सहायक आयकर आमदानी (निरीक्षण)

अर्जन रोड-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निदेश सं आई. प० सी०/प्र०/१०४०/१०८० आर-३/१०-
८५/३०३—अतः, मुझे, आप० पी० आजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकार प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं— — कृषि भूमि 10 बोघा और 17 बिस्त्रा,
विज्वासन में है (ओर इसमें उपावढ़ अनुसूची में पूर्व-
स्थान से दर्जा), रजिस्ट्रीड अधिकारी के नामनिय, नई
दिल्ली में सीय रजिस्ट्रीड रण अधिनियम, 1908 (1908
का) के नामी। दिनांक अक्टूबर 1985

को इसमें प्रकाशित की गई है और अंतिम तारीख से कम के दस्तावेज़ प्रतिफल के नियम अंतिम की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि इथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त के दस्तावेज़ प्रतिफल से, ऐसे दस्तावेज़ प्रतिफल का प्रध्य प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(१) अंतरण से हट्टे किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन करू इसे को अन्तरक वा
इयित्य में कही करने या उससे बचने में सुविधा
ने लिए: और/या

(२) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिया
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
हो या किया जाना चाहिए था, जिसने मैं सुविधा
ने लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
वा. वा., उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों का नाम है—

(१) मेतर्स ग्रीन्स वार्क विल्डर्स पैड पोमोटर्स प्रा०
लिमिटेड, 115, अंगल भवन, 16 के० जी० मार्ग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(२) श्रीमती आशा छण्डा टली डा० के० एम० कृष्ण
707, जंगपुरा रोड, भोगल, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन ही लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों परु
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो प्री
व्यक्ति बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास सिखित में किए जा सकेंगे ।

सच्चीकरण:—इसमें प्रथक्ता शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
दरा है ।

मन्त्री

कृषि भूमि तादादी 10 बोघा और 17 बिस्त्रा कम्पराइज़र
रेक्ट सं० 44, खसरा सं० 11 (2-08), केमो सं० 181
(8-09), स्थित गांव विजवासन, नई दिल्ली ।

आप० पी० ए. देश
सकार प्राधिकारी,
राहाय आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोड, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-6-1986

मोहर :

प्रकल्प लाइंसेन्स एवं एस्टेट्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

वार्ता वाचकार

कामोद्देश, सहायक आयकर आयकर (प्रिवेट)

अर्जन रोज़—1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1986

निवेश सं० आई० ए० सी०/ग्र०१०/१/प० स० आर०-३/
10-८५/३०६—अतः, मुझे, आर० पी० गाजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
(सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रांड जिमकी सं० — है नथा जो कुपि भूमि 20 बीघा और
2 बिस्त्रा गांव विज्वामन, तहसील मेहरोली, में स्थित है
(और इसमें उपावढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के साथनिय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के दस्यमान
प्रतिफल के सिल अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पूर्व प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरक के लिए तब पाया जाना प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक मिलिह में वास्त-
विक रूप से कठित नहीं किया जाना है ।—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी बाय की, बाख्त, छक्त
आधिनियम के अधीन कर देने के बहरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य नामदारों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा-
इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोगनार्थ अन्तरिती इकारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना आहिए था, जिसने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविवाद, जारी ।—

(1) श्री खजान मिह सुपुत्र श्री राम मेहर
गांव विज्वामन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स खेमका एविएशन प्रा० लि०
41/2, ब्लाक एम०, स्पीड वर्ड हाउस, कनाट सर्केस,
नई दिल्ली द्वारा डायरेक्टर श्रो नन्द खेमका

(अन्तरक)

मैं यह सूचना उक्ती प्राप्ति उत्तीर्ण में बर्तन के लिए
वार्ताहाइने दृष्ट करता हूँ।

वार्ता वाचक के अन्त में उत्तीर्ण में कोई श्री ग्रामेश :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
वायित्वों में से किसी व्यक्ति इकारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति इकारा अधोहस्ताक्षरी के पास
मिलिह में किए जा सकेंग।

उत्तीर्ण:—इसमें प्रबृक्त बहदौ और वही जा, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय परं दिया
गया है।

नमूस्त्री

कुपि भूमि तादादी 28 बीघा आंग 2 विस्त्रा एम० सं०
73, किला सं० 13 (1-18) 14 (3-16), 15 (0-9),
16 (0-16), 17 (4-16), 18 (4-16), 22 (1-4),
23 (4-11), 27 (0-5), मस्टाटीन सं० 88, किला सं०
1 (1-3), 2 (2-18), 3 (1-10), गांव विज्वामन, तहसील
मेहरोली, नई दिल्ली ।

आर० पी० गाजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण);
अर्जन रोज़—1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 5-6-1986

मोहर :

प्रस्तुत वाइ., टी., एन., पट., -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा
भारत 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/३८६६/१०-८५/

८७१—अतः, मझे, अशोक कृष्णद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा या है), को भारत 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु. 1,00,000/- में अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो पोरशन 2, शक्तराचार्य रोड, तादादी 19286 कीट (147343 वर्ग मीटर्स) मिविल नाइन्स दिल्ली में स्थित है (ओर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-2, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री गण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1985, को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कार्यरत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी वाय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अंतरिती वंगी करने या उक्त से बचने वंगे सुविधा व लिए; अरिया

(क) ऐसी किसी वाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिसे है भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-वार्ष अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया याया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा व लिए;

"वात" धब, उक्त अधिनियम की भारत 269-व के अनुसुरण से, मैं, उक्त अधिनियम की भारत 269-व की उपभार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

(1) श्री अजय कुमार सुपुत्र प्रयाम बिहारी लाल

2 मोहित कुमार सुपुत्र अजय कुमार

2, शंकराचार्य रोड, मैटा फाफ रोड, मिविल नाइन्स दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री दीनानाथ आनन्द, दर्शन लाल आनन्द सुपुत्र रामचन्द्र आनन्द, समीर आनन्द अवयस्क सुपुत्र दीनानाथ आनन्द पाफ-108, अशोक विहार, फेम-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोइ भी वास्त्रेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाय में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित दृवाया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धध किसी अन्य अविक्षित दृवाया अभोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकें।

लक्षणीकरण :—इसमें प्रदूषक सम्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होता जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रीकृत

पोरशन आफ 2, शक्तराचार्य रोड, तादादी 19286 वर्ग कीट (1473.43 वर्ग मीटर्स) मिविल नाइन्स, दिल्ली।

अशोक कृष्णद
मध्यम प्राधिकारी

सहायक भायकर बायकत (निरीक्षण),
अर्जन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विभाग : 11-6-86

मोहर :

प्रस्तुत बाईंटी एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा)
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एथ्य०/2/37ई०/10-85/

873—अंतः, मुझे, अशोक ककड़,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

अंग्रेजियाँ सं० जो धरातल खण्ड 3-एफ, कमला नगर, दिल्ली में स्थित हैं (आंग्रे इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-2, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1985

वां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामान प्रतिफल का लिए अतिरिक्त की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरामान प्रतिफल में, एसे दूसरामान प्रतिफल का पैदल प्रतिक्रिया अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए हाय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है ।—

(क) अंतरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणालीनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किमा जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अद्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जोगिन्द्र सिंह छाबड़ा 2 नरेन्द्र कोर छाबड़ा 8/5, विह मध्य रोड, दिल्ली-110006
(अंतरक)

(2) मै० दिल्ली टायर्स
873, एम० पी० मुद्रजी मार्ग, दिल्ली-110006।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना, जारी करने पूर्वक संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरातल खण्ड 3 एफ कमला नगर, दिल्ली।

अशोक ककड़
सक्षम प्राधीनी
महान् आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-6-86

मोहर :

माला वाहौद दीपु परव शुक्र

(1) 1. श्री सेयद अमिन रहीम

2. श्री सेयद इशाहिम रहीम

(प्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-म (1) के अधीन दृष्टा

(3) श्रीमती घटीजा वेगम

(प्रन्तरकी)

भारत राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (परिवर्तन)

अर्जन रेज-1, मदास

मद्रास, दिनांक 4 जून 1986

निवेदा सं 70/अक्टूबर/85—प्रत: मुझे, आर० जानकी-
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की भाग
269-म के अधीन समय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 30 डोर सं 36 नौरोजी रोड, मद्रास-31

है जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरियेट
(दस सं 1184/85) है भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवहार में प्रतिफल से, एसे व्यवहार में प्रतिफल के पूर्व
प्रतिक्रिया से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्षीय
(विवरीकरणों) के बीच एसे अंतरक के लिए तथ पाणा गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरक सिवित में वास्तविक
एवं संपूर्ण वहाँ किया जाता है—

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यवाहियाँ सूख करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी वास्तव—

(म) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख द्वारा 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकल्पों वर्ते सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकल्पों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(न) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख द्वारा 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
जाता है।

ग्रन्तुसूची

(म) अंतरक तं हृष्ट किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अस्तरक के
दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
को दिए और/वा

भूमि और मकान—डोर सं 36 नौरोजी रोड मद्रास-
31 (दस सं 1184/85)।

(न) ऐसी किसी बाय का किसी भन 41 अन्त अधिनियम
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय इवारा प्रकट नहाँ किया गया
वा वा किया जाना चाहिए था, जिसने वे सुविधा
के लिए।

वह: वह, सम्पत्ति अधिनियम की भाग 269-म के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविकल्पों, वर्णातः—

आर० जानकीरमन
मकान प्राधिकारी

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेज-1 (1/सी)

मद्रास-6

दिनांक . 4-6-1986

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011 the 15th May, 1986

No. A. 32013/3/83 (ii)-Admn. I—Consequent upon abolition of the post of Special Assistants in the office of Union Public Service Commission with effect from 10-8-1985 (Afternoon) S/Shri I.N. Sharma and Tarsame Singh reverted to their regular posts of Stenographer Grade 'B' (Senior Personal Assistant) of CSSS cadre of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 11th August, 1985 and the President has been pleased to appoint them as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the period as indicated below against their name or until further orders whichever is earlier:—

Sl. No.	Name of officer	Period of appointment
1.	Shri I.N. Sharma . . .	11-8-85 to 10-11-85 and 12-11-85 to 25-12-85
2.	Shri Tarsame Singh . . .	11-8-85 to 10-11-85, and 12-11-85 to 9-2-86 and 11-2-86 to 31-5-86

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Private Secretary (Grade A of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade A of CSSS or seniority in that Grade.

No. A. 32013/3/83 (iv)—Admn. I—The President is pleased to appoint the following Senior Personal Assistants (Grade B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the period indicated against their names or until further orders, whichever is earlier:—

Sl. No.	Name	Period
1.	Shri K.S. Bhutani . . .	2-1-86 to 27-2-86 and 28-3-86 to 31-5-86
2.	Shri P.P. Sikka . . .	28-3-86 to 31-5-86
3.	Shri M.M.L. Chandna . . .	Do.
4.	Shri M.M.L. Dua . . .	Do.

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Private Secretary (Grade A of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade A of CSSS or seniority in that Grade.

No. A. 32013/3/84(v)—Admn. I—The President is pleased to appoint the undermentioned Personal Assistant of the CSSS cadre of Union Public Service Commission as Senior Personal Assistants (Grade 'B' of CSSS) in the same cadre on ad hoc basis for the period shown against their names or until further orders whichever is earlier:—

S. No.	Name	Period
1.	Shri V.P. Mahajan . . .	2-4-1986 to 31-5-1986
2.	Smt. Saroj K. Kapoor . . .	Do.
3.	Shri Lekh Raj Gupta . . .	6-5-1986 to 31-5-1986

2. The above mentioned persons shoud note that their appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade. Further, their appointment is subject to the aproval of the Department of Personnel and Training.

The 6th June 1986

No. A. 32014/1/86-(ii)Admn. I—The President is pleased to appoint the undermentioned Personal Assistants of the CSSS cadre of Union Public Service Commission as Senior Personal Assistants (Grade 'B' of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for 3 months w.e.f. 2-6-86 as shown against their names or until further orders, whichever is earlier :—

Sl. No.	Name	Period
S/Shri		
1.	V.P. Mahajan . . .	2-6-1986 to 1-9-1986
2.	Smt. Saroj K. Kapoor . . .	Do.
3.	Lakh Raj Gupta . . .	Do.
4.	K.K. Garg . . .	Do.
5.	Rameshwar Dass . . .	Do.

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade. Further, their appointment is subject to the approval of the Department of Personnel & Training.

M. P. JAIN
Under Sec. (Per. Adm.)
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 25th June 1986

No. 1/2/85-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Kanwal Nain, a permanent Assistant of this Commission, as Section Officer in this Commission on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—1200 with effect from the forenoon of 19th June 1986 for period of three months or until further orders whichever is earlier.

No. 1/2/85-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Manohar Lal a permanent Section Officer of the Central Vigilance Commission, as Under Secretary in the Commission on ad-hoc basis in the scale of pay Rs. 1200—1600 with effect from the forenoon of 19-6-1986 for a period of 3 months or until further orders whichever is earlier.

No. 1/2/85-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. L. Malhotra, a permanent Under Secretary in the Central Vigilance Commission as 'Officer on Special Duty' in the Commission on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 1500—60—1800—100—2000 with effect from the forenoon of 19th June 1986 for a period of 3 months or until further orders whichever is earlier.

M. K. DIXIT
Dy. Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRG.)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 25th June 1986

No. 3/24/86-AD.V.—The President is pleased to appoint on deputation Shri B. K. Gill (SPS-Gujarat) as Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from the afternoon of 31st May 1986 and until further orders.

The 30th June 1986

No. 3/41/85-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police/Special Police Establishment is pleased to appoint on deputation Shri Suraj Paul, Dy. Supdt. of Police in the Haryana State Police as

Dy. Supdt. of Police in CBI/Chandigarh with effect from the forenoon of 12th June 1986, until further orders.

D. P. BHALLA
Administrative Officer (E)
CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad-500 252, the 25th May 1986

No. 15011/21/86-Estt.—On transfer from the C.G.H.S., Hyderabad Dr. M. V. Ranga Reddy, Senior Medical Officer of the Central Health Services assumed charge as Staff Surgeon in the Academy on the forenoon of 16th May 1986.

A. A. ALI
Director

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110 003, the 26th June 1986

No. O.II.2213/86-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. T. K. Roy as General Duty Officer, Grade-II (Dy. Supdt. of Police/Coy Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th May 1986 till further orders.

The 27th June 1986

No. O.II-1821/83-Estt.—Consequent upon his repatriation to Government of Punjab, Shri B. P. Tiwari, IPS (Punjab-1967), DIGP, CRPF, Chandigarh has handed over charge of the post with effect from the afternoon of 17-6-1986.

No. O.II.1791/84-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. T. K. Roy to the post of Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 26-4-86 (T.N) for a period of one month or till the regular incumbent joins, whichever is earlier.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI
Assistant Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the June 1986

No. E-16013(1)/1/81-Pers.I.—On completion of term of deputation, Shri R. Radhakrishnan, IPS (Kerala : 62) relinquished the charge of the post of Deputy Inspector General (South Zone), CISF, Madras w.e.f. the afternoon of 6th June 1986.

No. E-32015(4)/1/86-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri S. N. Kaul, on promotion as Assistant Commandant (JAO), CISF HQrs. (Pers. II), New Delhi with effect from the forenoon of 18th June 1986.

The 19th June 1986

No. E-28017/10/84-Pers.II/1083.—Shri K. S. Ahluwalia, Deputy Commandant, CISF Unit HFCL, Namrup expired on 11th June 1986. He is struck off from the strength of Central Industrial Security Force with effect from the forenoon of 12th June 1986.

No. E-28017/10/84-Pers. II/1084.—Consequent on his retirement from Government service on attaining the age of superannuation, Shri Samuel Samson relinquished charge of the post of Assistant Commandant in Central Industrial Security Force, Training Reserve, Southern Zone, Madras in the afternoon of 28th February 1986.

The 23rd June 1986

No. E-32015(4)/1/86-Pers.I.—On appointment on deputation Shri U. M. Kumar assumed charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit BSL Bokaro with effect from the forenoon of 6th June 1986.

The 24th June 1986

No. E-32015(4)/1/86-Pers.I.—Consequent upon his repatriation to CISF, Shri V. N. Tiwari assumed charge of the post of Assistant Commandant, CISF HQrs. (Int. Squad), New Delhi with effect from the afternoon of 6th June 1986.

D. M. MISRA
Director General/CISF

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF REVENUE

New Delhi, the 25th June 1986

CHIEF CONTROLLER, GOVT. OPIUM & ALKAOID

FACTORIES ESTABLISHMENT

No. (II/3/1/ESTT./85).—Shri M. D. Tewari, Factory Engineer, Govt. Opium and Alkaloid Works, Ghazipur retired from Government Service with effect from 30-11-85 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

Sd./- ILLEGIBLE
Chief Controller of Factories

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR
GENERAL OF INDIA**

New Delhi-110002, the 17th June 1986

No. 1126-CA.I-31-74.—On his attaining the age of superannuation Shri S. M. Pal, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Calcutta has retired from service with effect from 31-5-1986 (AN).

K. P. LAKSHMANA RAO
Asstt. Comptr. & Ar. Genl. (Commr.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-

WEST BENGAL

Calcutta-700, the 001 20th June 1986

No. Admn. I/Promotion-93/AAO/2270.—The Accountant General (Audit)-I, West Bengal, has been pleased to appoint the following Section Officers (Audit) to officiate as Assistant Audit Officers (Group-B) Gazetted post in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EP-40-1040) in temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 11th March, 1986 in the offices of Accountant General (Audit)-I and Accountant General (Audit)-II, West Bengal Calcutta until further orders.

Sl.	Name
No.	

S/Shri

1. Benudhar Mondal.
2. Sushil Kumar Pal.
3. Mukunda Mohan Bhattacharyya.

The promotions are subject to the final outcome of the writ Petition now pending before the Hon'ble High Court, Calcutta.

The newly promoted Assistant Audit Officers will have to exercise option within one month in terms of para 2 (b) of G.I. M.F. O. M. dated 26-9-81 for either to fix their pay under F.R. 22(a)(1) on the date of promotion and then under F.R. 22C from the date of next increment in the lower post or under F.R. 22C on the date of promotion straighway.

S. K. MISHRA
Dy. Senior Accountant General (Admn)
West Bengal.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL

Calcutta-700001, the 24th June 1986

No. Admn. 1/C/Gaz/878-879—The Director of Audit, Central, Calcutta has been pleased to appoint the following officiating section officers to officiate as Assistant Audit Officers (Gr. B) in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 from the date noted against each in the office of the Director of Audit Central, Calcutta until further orders.

Sl. No.	Name	Date of assumption of charge
1.	Shri Pratap Sankar Dan	16-4-86 (FN)
2.	Shri Ranendu Guha.	16-4-86 (FN)

S. K. BAHRI
Dy. Director of Audit(A)
Central. Calcutta

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
N.F. RAILWAY

Maligaon, the 19th June 1986

No. Admn./5-16/79/35A/2357.—Sri D. M. Biswas, an officiating Asstt. Audit Officer of the office of the Director of Audit, N.F. Rly, Maligaon is promoted to officiate until further orders as an Audit Officer in scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- with effect from 6-6-86.

N. G. MALLICK
Director of Audit

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066 the 26th June 1986

No. AN/I/1419/4/VOL. I—The following officers have been confirmed in the Junior Time scale of Group 'A' of the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates shown against each:

Sl. No.	Name	Date of confirmation
1	2	3
S/Shri		
1.	Shadi Lal Verma .	2-6-85
2.	A. Janakiraman .	2-6-86

1	2	3
3. V. Sampath.	.	2-6-85
4. L.N. Nathamuni	.	25-8-85
5. Jyoti Lal	.	29-8-85
6. D. Krishnamurthy	.	2-6-85
7. Lachha Singh	.	2-6-85
8. T.M. Krishnan	.	30-8-85
9. Satish Chandra	.	18-8-85
10. Ram Rattan	.	1-9-85
11. H.C. Das	.	2-6-85
12. C.R. Mazumdar	.	2-6-85
13. E.R. Chakravarthy	.	26-8-85
14. A. Jambunathan	.	29-8-85
15. K.V. Varghese	.	22-8-85
16. C. Suryanarayana	.	11-7-85
17. D.K. Kar	.	2-6-85
18. T.S. Madhavan	.	11-8-85
19. N.R. Ramanathan	.	17-8-85
20. S. M. Malhotra	.	30-8-85
21. Mahendra Singh-I	.	23-8-85
22. P.K. Thevan	.	20-8-85
23. Radhey Shiam Pal	.	19-8-85
24. S.M. Dube	.	22-8-85
25. C. Radhakrishnan	.	12-9-85
26. Trilok Singh Nayyar	.	29-8-85
27. Dori Lal	.	18-8-85
28. Govind Sahai	.	18-8-85
29. A. Madaswamy	.	18-8-85
30. V.N. Ram	.	18-8-85
31. Rati Ram	.	11-8-85
32. Mahendra Singh-II	.	16-8-85
33. Shiva Charan Singh	.	9-9-85
34. Jagan Nath	.	30-8-85
35. V.G. Datar	.	17-8-85
36. K.V. Ramanan	.	5-9-85
37. R. M. Joshi	.	18-8-85

No. AN/II/2606/86—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the Pension Establishment with effect from the afternoon of the dates shown against each on their attaining the age of Superrannuation.

S. No.	Name of the A.O. with Roster No.	Grade	Date from which transferred to Pension Estt. Afternoon of	Organisation
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	P. D. Krishnaswamy (P/457)	PT. A.O.	30-6-86	CDA (PD) New Delhi.
2.	S.N. Bhattacharya (P/509)	Pt. A.O.	31-8-86	C OF A (FYS) Calcutta.
3.	J.K. Sharma (P/145)	PT. A.O.	31-7-86	CDA (AF) Dehradun

(R. B. KAPOOR)
Addl. Controller General of Defence Accounts (Admn.)

**MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD**

Calcutta, the 26th June 1986

No. 32/G/86.—Shri A.N. Roy, Asstt. Works Manager (Subst. and Permt. Foreman) retired from service with effect from 30th June 1985 (AN).

No. 33/G/86.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri A.C. Mukherjee, Offg. Asstt. Works Manager V.F.I. (Subs. & Permt. G. Foreman) retired from service w.e.f. 28-2-86 (AN).

No. 34/G/86.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri N.R.S. Pillay, Assstt. Works Manager (Subst. & Permt. Foreman) retired from service w.e.f. 30th April 1986 (AN).

D. SEN
Jt. Director (G)

**MINISTRY OF LABOUR
OFFICE OF THE CHIEF LABOUR COMMISSIONER (C)**

New Delhi, the 20th June 1986

No. Adm.I/4(1)/86 (1).—On attaining the age of superannuation, Shri V.T. Malhe relinquished charge of the office of the LEO (C) Bombay on 30-11-1985 (AN).

(2) On transfer Shri V.B. Pandey relinquished charge of the office of the LEO (C) at CLC's Hqrs. New Delhi on 10-1-86 (AN) and assumed charge of the office of the LEO (C), Delhi-I on 13-1-86 (FN).

(3) On transfer Shri A. Banerjee relinquished charge of the office of the LEO (C), Muzaffarpur on 29-1-1986 (AN) and assumed charge in the same capacity at Dhanbad on 30-1-86 (FN).

(4) On transfer Shri I.J.S. Bhatia relinquished charge of the office of the LEO (C), Delhi-II on 10-2-86 (AN) and assumed charge in the same capacity at Faridabad camp at New Delhi on 10-2-86 (AN).

(5) On selection as Assistant Welfare Commissioner, Shri Palanichamy relinquished charge of the office of the LEO (C), Coimbatore on 19-2-1986 (FN).

(6) On reversion to his parent department, Shri K.S. Saggu relinquished charge of the office of the LEO (C), Baroda on 6-1-1986 (AN).

(7) On promotion to the post of ALC (C) Shri R.N. Mulay relinquished charge of the office of the LEO (C), Bellary on 17-2-86 (AN).

(8) On attaining the age of superannuation, Shri P. Rajaratnam relinquished charge of the office of the LEO (C), Vijayawada on 31-12-85 (AN).

(9) On transfer Shri B.N. Chatterjee relinquished charge of the office of the LEO (C), Delhi-I on 10-1-86 (AN) and assumed charge in the same capacity at Kanpur on 13-1-86 (FN).

(10) On transfer Shri William Burra relinquished charge of the office of the LEO (C), Visakhapatnam on 24-2-86 (AN) and assumed charge in the same capacity at Rajahmundry on 25-2-86 (FN).

(11) On transfer Shri A.B. Basu relinquished charge of the office of the LEO (C) at CLC's Hqrs. New Delhi on 17-2-86 (FN) and assumed charge as LEO (C), Delhi-II on 17-2-86 (FN).

(12) On transfer Shri K. Gopikrishna relinquished charge of the office of the LEO (C), Guntakal on 28-2-86 (AN) and assumed charge in the same capacity at Chhindwara on 11-3-86 (FN).

(13) On transfer Shri Amar Kant relinquished charge of the office of LEO (C), Chandigarh-I on 28-2-86 (AN) and assumed charge as LEO (C) Chandigarh-III on 28-2-86 (AN).

(14) On transfer Shri R. Venkataseshan relinquished charge of the office of the LEO (C), Madras on 14-3-86 (AN) and assumed charge in the same capacity at Pondicherry on 17-3-86 (FN).

(15) On attaining the age of superannuation Shri P.C. Pande relinquished charge of the office of the LEO (C) at CLC's Hqrs. New Delhi on 31-3-86 (AN).

(16) On transfer Shri B.B. Singh Samanta relinquished charge of the office of the LEO(C), Guwahati on 21-4-86 (AN) and assumed charge in the same capacity at Patuadeep on 28-4-86 (FN).

(17) On attaining the age of superannuation Shri S.S. Goswami relinquished charge of the office of the LEO (C), Calcutta on 30-4-86 (AN).

(18) On voluntary retirement Shri P.C. Bangia relinquished charge of the office of the LEO (C), Bikaner on 30-4-86 (AN).

NAND LAL
Administrative Officer

**MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS**

New Delhi, the 19th June 1986

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/690/62-ADMN(G).—Shri A. Thukkaram, an officer of Grade II of the Central Trade Service and Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bangalore retired from Government service with effect from the afternoon of the 30th April 1986.

SHANKAR CHAND
Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

**MINISTRY OF TEXTILES
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER**

Bombay-20, the 26th June 1986

No. CER/7/86-CLB/699.—In exercise of the powers conferred on me by clause 16 of the Textiles (Control) Order, 1986 I hereby direct that :—

(i) Maximum ex-factory price of controlled dhoti, controlled saree and controlled long cloth and controlled polyester blended shirting produced by a producer under the National Textile Corporation (herein after called NTC) having a spinning plant and packed on or after 1st July, 1981 shall be NTC cost per sq. mtr. calculated on the basis of the formula approved by the Government interalia taking into account actual capacity utilisation, actual interest and zero return in respect of mills participating in the production of controlled cloth reduced by Rs. 2/- per sq. mtr. for controlled dhoti and controlled saree and by Rs. 1.50 per sq. mtr. for controlled long cloth and in case of controlled polyester blended shirting as fixed by the Government from time to time.

(ii) the maximum ex-factory price of seconds shall be 10% (ten percent) less than that of the above maximum ex-factory price. The word seconds has the same meaning as defined under the Notification issued under the provision of clause 17 of above control order.

(iii) Consumer price of the aforesaid varieties of cloth packed on or after 1-7-81 shall be 15% over the ex-factory price in case of cotton cloth and 20% (Provisional) in case of polyester cotton shirting as determined in accordance with the clause (i) or (ii) above as the case may be plus excise duties levied under the Central Excise Salt Act, 1944 and the amount of control duty levied under any provision of law for the time being in force.

2. For purpose of this Notification :—

(A) Controlled dhoti/Controlled saree/Controlled long cloth/Controlled polyester blended shirting shall have following common specifications in addition to the specifications given for each of these varieties under item (B), (C) and (D) below :—

- (i) an average count not exceeding 40.49s.
- (ii) woven in plain weave.
- (iii) difference between warp count & weft count not exceeding 8s.
- (iv) woven with 2 red threads fast to bleach, warp-wise all through the length and adjustment to one of the selvedges (Except in the case of bordered sarees & dhoties).

Provided that such coloured thread shall not be inserted in non-controlled cloth.

NOTE :—The coloured threads to be included for the above purpose shall ordinarily be in a Napthol Red colour. However, in the case of printed, dyed or other coloured cloth, the coloured threads to be included may be in any other alternative contrasting colour and shall be clearly visible.

- (v) are manufactured wholly from cotton (except in case of blended polyester shirting).
- (vi) difference between reeds and picks not exceeding four & picks not below 40.
- (vii) Colours/dyes used in the above fabrics shall be fast to washing.

B. Controlled Dhoti.

- (a) In addition to (A) above shall be grey or bleached cloth commonly known by the name whether or not mercerised and shall contain white or coloured yarn in its border and headings.
- (b) Shall have width between 104 to 122 cms. (Both inclusive).

C. Controlled saree.

- (a) In addition to (A) above shall be grey or bleached cloth commonly known by that name, whether or not mercerised.
- (b) contain coloured yarn or white yarn in its borders and in headings.
- (c) shall have a width ranging between 104 cms and 122 cms (Both inclusive).
- (d) it includes printed mull and printed voile having a length not below 5 mtr. per piece.

NOTE :—For the purpose of this item printed mull and printed voiles shall mean printed fabrics with or without printed borders/headings of plain weave manufactured with single yarn and with warp count not lower than 28s and if it is cut out into saree length piece of 5 metres, 5½ mtrs., then consumer price per piece shall be stamped on the same.

D. Controlled long cloth.

- (a) in addition to (A) above grey or bleached or dyed cloth whether or not mercerised or preshrunk, and
- (b) shall have a width ranging between 84 cms. and 120 cms. (both inclusive).

E. Controlled bleached/dyed/printed polyester cotton blended shirting shall have following specifications :—

Warp :—38s

Weft :—42s.

Reed :—72

Picks per inch :—68

Finished width :—89 cms.

Blended percentage : cotton 52%, Polyester 48%.

Final consumer price to be stamped, shall be Rs. 10.50/- per metre for bleached and Rs. 11.50/- for dyed varieties and Rs. 12/- for printed varieties.

3. The consumer price so determined as per clause 2 above shall be stamped in red colour/ink on the face plait of the controlled cloth and at selvedges on every metre when cloth is sold meterwise or at the end of second pieces when in pairs of sarees or dhoties;

4. I hereby direct each producer of Controlled cloth shall under N.T.C. to furnish true and accurate information to the Textile Commissioner, New C.G.O. Building, Churchgate, Bombay-20, and Regional Office of the Textile Commissioner, within whose jurisdiction the place of manufacture is situated about the controlled cloth manufactured and packed by him on or after 1-7-81 in the form A annexed herein.

(ii) The above form in respect of cloth having the same serial number shall be submitted to the Textile Commissioner as indicated above once in a every period when the prices are revised not later than 10th day of the month succeeding the month in which the prices are revised. When a variety having a new serial number is introduced by the manufacturer for the first time during the price period, particulars in respect of such cloth in form A shall be submitted on or before 10th day the month succeeding the month of introduction of such cloth having a new serial number.

FORM 'A'

Form of particulars to be furnished to the Textile Commissioner in respect of each quality of mill manufacture. Price Fixation for the quarter :

Name of Mill :—

Location :—

1. (a) Mill serial No. as stamped on cloth :—
- (b) Code No. with suffix if any :—

2. Full description of cloth (in final finished state).

3. DIMENSIONS LOOM STATE

Calendered & or finished

(a) Width in Centimetres.

(b) Length in Metres.

(c) Weight in Kilogram.

4. Reed per inch (2.34) cm.)

5. Picks per inch (2.54 cm.)

6. Average Count (English Count)

7. Reed Space in centimetres

8. Tape length in Metres,

9. No. of ends	(i) Warp (ii) Border (iii) Selvedge	(a) Grey	(b) Bleached	(c) Coloured
--------------------------	---	----------	--------------	--------------

10. Actual weight of yarn:

Description	(1)	Counts	Calculation weight of yarn	Remarks
		In French Count	In equivalent English (Actual)	without addition for wastage.
(a) Warp :	(2)			
(b) Weft :				
(c) Border/Selvedge				
(d) Special Yarn, if any used				
(e) Blend % (overall in the fabrics)				
In case of blended shirting.				

11. Width of border & following in cms and inches
(In case of sarees and Dhoties)

12. In case of printed cloth state :

- (i) No. of colours used :
(ii) The percentage of area of fabrics covered by printing.

13. Date of commencement of packing of cloth.

14. Price calculation

Serial No. :

Code No. :

Description :

-(a) Maximum ex-factory price per mtr./per pce.
(b) Retail price per metre/per piece.
(c) Excise duty per metre/per piece.
(d) Maximum consumer price.
(e) Rounding off to nearest paise (when sold meterwise) or to the nearest 5 paise (when sold piecewise).

Place :
Date :

Signature of Mill Manager/Secretary
T. RAMACHANDRA RAO
Industrial Adviser
File No. 2(12)/86

charya, Examiner of Stores (Engg.) in the office of Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) on ad-hoc basis in the office of Director of Inspection, Bombay from the forenoon of 15th May 1986 and until further orders.

R. P. SHAHI
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 016, the 18th June 1986

No. 3564B/16/VS/86/19A.—Shri Vijay Singh, Superintendent (Hindi), Geological Survey of India has been appointed against a temporary post on promotion to the post of Hindi Officer by the Director General, Geological Survey of India in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of 12th May 1986, until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel),
for Director General

Calcutta-16, the 19th June 1986

No. 3708B/A-19012(2-KKM)19B.—Shri K. K. Muralidharan, Asstt. Geophysicist, G.S.I. made over charge of the post of Assistant Geophysicist, G.S.I. w.e.f 30-4-85 (A/N) on resignation.

No. 3720B/A-19012(2-SR)85-19B.—Shri Sagina Ram, is appointed by the Director General Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the GSI in the minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 17-4-1986 until further orders.

The 20th June 1986

No. 3803B/A-32013(3-Ch.Sr.)/84-19B.—The President is pleased to appoint Dr. S. Chandra, Chemist (Jr.) of the Geological Survey of India on promotion as Chemist (Sr.) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100-1600/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 2-5-1986, until further orders.

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION BRANCH : SECTION A-6)
New Delhi-110 001, the 13th June 1986

No. A-17011/319/86/A-6(.)—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri S. M. Bhattachar-

No. 3816B/A-32013(AO)/19A.—The following Superintendents, Geological Survey of India are appointed the Director General G.S.I. on promotion as Administrative officer in the same Department on pay according to rule in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the date shown against each until further orders.

Sl. No.	Name	Date of appointment
1.	Shri N.R. Mukherjee	30-5-86 (FN)
2.	Shri B.N. Dutta	30-5-86 (FN)

The 23rd June 1986

No. 3842B/A-19012(3-BHK)85-19B.—Shri B. H. Khawas has been appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 15-5-1986, until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel)
Geological Survey of India

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 20th June 1986

No. A-19011(69) /86-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shri R. D. Naik, Mineral Economist, Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Superintending Mineral Economist in the Indian Bureau of Mines w.e.f. the forenoon of 2nd June, 1986.

G. C. SHARMA
Asstt. Administrative Officer,
for Controller General,
Indian Bureau of Mines.

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO
(CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi, the 27th June 1986

No. A-19012/27/84-CW-I/506.—Shri Harbans Singh, Assistant Surveyor of Works (Elect.) Civil Construction Wing, All India Radio, New Delhi, expired on 19-5-1986.

S. K. MOHINDRA
E.O. to the Chief Engineer (Civil)
for Director General

SWASTHYA SEWA MAHANIDESHALYA

New Delhi, the 23rd June 1986

No. 4-3/73/Admin.I/CGHS.I.—Consequent on his attaining the age of retirement Vaid Des Raj Verma, relinquished the charge of post of Ayurvedic Physician in Central Government Health Scheme, Delhi on the afternoon of 31-3-1986.

P. N. THAKUR
Dy. Director Admin. (CGHS)

New Delhi, the 25th June 1986

No. A.12026/1/82-M(F&S).—The President is pleased to appoint Shri P. Rajendran in the post of Social Scientist, at Jawaharlal Institute of post of Graduate Medical Education & Research, Pondicherry with effect from the forenoon of 31st May 1986, in a temporary capacity.

P. K. GHAI
Dy. Director Administration (C&B)

MINISTRY OF AGRICULTURE

DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT

DIRCTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 25th June 1986

No. A-31014/3/85-A. I.—The following officers are hereby appointed substantively to the permanent posts of Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing & Inspection, with effect from the dates indicated below against each :

S/Shri

1. R. Subramaniam	.	.	1-10-81
2. M.K.P. Menon	.	.	1-9-83
3. T. M. Karunakaran	.	.	1-9-83
4. S. C. Sarkar	.	.	1-9-83
5. R. Narasimhan	.	.	1-9-83
6. V.K. Verma	.	.	1-9-83
7. N.L. Kanta Rao	.	.	1-9-83
8. B. B. Sarkar	.	.	1-9-83
9. B.D. Sherkar (ST)	.	.	1-9-83
10. K.N. Ghungrudhkar	.	.	1-9-83
11. M. Chakraborty	.	.	1-9-83
12. Har Prasad (SS)	.	.	1-9-83
13. H.D. Srivastava	.	.	1-9-83
14. S.B. Chakravarti	.	.	1-9-83
15. D.P. Singh	.	.	1-9-83
16. S.V. Krishnamurthy	.	.	1-9-83
17. P. Kutumba Rao	.	.	1-9-83
18. R. P. Chaturvedi	.	.	1-1-84
19. Dr. Sant Lal (SC)	.	.	1-6-85

2 The lien of the above officers in the lower post if any stands terminated with effect from the date of their substantive appointment in the post of Marketing Officer Group I.

ANITA CHAUDHARY
Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
CONSTRUCTION & SERVICES GROUP

Bombay-400 094, the 17th June 1986

No. CED/A/2(16)/3577.—The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri P. C. Mathew, a temporary Assistant Personnel Officer in Construction & Services Group as Administrative Officer-II in a temporary capacity on purely adhoc basis with effect from the forenoon of 8-5-1986 vice Shri D. N. Shetti, Administrative Officer-II promoted as Administrative Officer-III.

No. CED/A/2(16)/3579.—The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri V. N. Janardhan, a temporary Selection Grade Clerk in Construction & Services Group as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity on purely adhoc basis with effect from the forenoon of 8-5-1986 vice Shri P. C. Mathew, Assistant Personnel Officer promoted as Administrative Officer-II.

D. N. SHETTI
Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 24th June 1986

No. DPS/41/1/85-Adm/3360.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri K. M. Naik a permanent Purchase Assistant to

officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 05-05-1986 (FN) to 06-06-1986 (AN) in the same Directorate vice Shri P. Balasubramaniam promoted as Purchase Officer (Ad-hoc).

B. G. KULKARNI
Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 16th June 1986

No. AMD-8/1/86-Recd/8956.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri M. S. Viswanatham, a permanent Assistant Security Officer, Atomic Minerals Division to officiate as Security Officer in the same Division on an adhoc basis with effect from 2-6-1986 to 4-7-1986 vice Shri S. K. Saraf, Security Officer proceeded on leave.

P. S. R. MURTY
Administrative Officer-II

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP-401 504, the 18th June 1986

No. TAPS/1/18(3)/77-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri P. M. Gonsalves, a permanent Lower Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk to officiate as an Officer in Assistant Administrative Officer's grade Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-EB-40-960) on adhoc basis in the Tarapur Atomic Power Station with effect from 12-5-1986 (FN) and upto 12-6-1986 (AN) vice Shri M. L. Mateo, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

R. J. BHATIA
Chief Administrative Officer

TAPP-401 504, the 18th June 1986

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri K. K. Purushothaman, a permanent Assistant Accountant in this Power Station as Assistant Accounts Officer on ad-hoc basis in the same Station with effect from the

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION (HEADQUARTERS)

Bangalore 560 009, the 23th June 1986

No. HQ : ADMN : 4-20(5)-4A—The Competent Authorities have appointed the following personnel in a substantive capacity against permanent posts of Assistant Canteen Manager in the Centres/Units of ISRO/DOS as shown below :

Sl. No.	Name of the person and Centre/Unit where working now	Present Designation	Substantive appointment as Asstt Canteen Manager w.e.f.
1.	Shri Stephen Saro ISAC	Asstt Canteen Manager	6-2-1982
2.	Shri P. Padmanabhan Nair, VSSC	Asstt Canteen Manager	19-12-1984
3.	Shri P.A. Rajan, SAC	Asstt Canteen Manager	6-4-1986

No. HQ : ADMN : 4-20 (5)-4A—The Competent Authorities have appointed the following personnel in a substantive capacity against permanent posts of Assistant Stores Officer in the Centres/Units of ISRO/DOS as shown below :

Sl. No.	Name of the person and Centre/Unit where working now	Present Designation	Substantive appointment as Asstt Stores Officer w.e.f.
1	2	3	4
1.	Shri N. N. Pathak CED/A'bad	Asstt Stores Officer	1-4-1978
2.	Shri P. M. Pappachan ISAC	Stores Officer—I	1-4-1978
3.	Shri S. Somasekharan Nair, SAC	Stores Officer—I	1-4-1978

forenoon of May 12, 1986 and upto June 13, 1986 vice Shri J. M. Pareek Assistant Accounts Officer proceeded on leave.

V. P. NAIK
Administrative Officer-III

DEPARTMENT OF SPACE

CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560 009, the 28th May 1986

No. 6/39/84-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, is pleased to appoint Smt. Laila Paul James as Engineer-SB in the Civil Engineering Division, Department of Space in an officiating capacity with effect from the forenoon of 23-1-1986 and until further orders.

The 12th June 1986

No. 6/39/84-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, is pleased to appoint Shri Vijayanand Babanagar as Engineer-SB in the Civil Engineering Division, Department of Space in an officiating capacity with effect from the forenoon of 02-5-1986 and until further orders.

The 16th June 1986

No. 6/39/84-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, is pleased to appoint Shri M. Chandrashekhar as Engineer-SB in the Civil Engineering Division, Department of Space in an officiating capacity with effect from the forenoon of 15-5-1986 and until further orders.

K. INDIRA DEVI
Administrative Officer-I
for Chief Engineer

INSAT-1 MASTER CONTROL FACILITY

Hassan-573 201, the 18th June 1986

No. ADM : EST GN : 029.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Kum. H. Shashikala as Scientist/Engineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility, Hassan with effect from the forenoon of 12th June 1986 and until further orders.

V. K. NAIR
Administrative Officer-I
for Project Director

1	2	3	4
4. Shri G. Neelambaran Pillai, VSSC	Stores Officer-I	12-12-1978	
5. Shri V.K. Thomas VSSC	Stores Officer-I	25-9-1979	
6. Shri S. Sreekumar Nair, VSSC	Stores Officer-I	31-12-1979	
7. Shri N. Vijayanathan Nair, VSSC	Asstt Stores Officer	13-10-1983	
8. Shri K. Vijayakumar SHAR	Asstt Stores Officer	15-10-1983	
9. Shri Y. Ramaiah SAC	Asstt Stores Officer	15-10-1983	
10. Shri K.K. Gopalakrishnan Nair, VSSC.	Asstt Stores Officer	1-1-1985	
11. Shri K. Chandrasekharan Nair, SHAR	Asstt Stores Officer	15-12-1985	
12. Shri Y. Raja Rao SHAR	Asstt Stores Officer	15-12-1985	

No. HQ : ADMN : 4-20 (5)-4A— The Competent Authorities have appointed the following personnel in a substantive capacity against permanent posts of Assistant Accounts Officer in the Centres/Units of ISRO/DOS as shown below :

Sl. No.	Name of the person and Centre/unit where working now	Present Designation	Substantive appoint ment as Asstt Acct Officer w.e.f.
1	2	3	4
1. Shri C.K. Narayanan VSSC	Accts Officer-I	1-4-1980	
2. Shri B.T. Desai SAC	Accts Officer-I	22-4-1981	
3. Shri A. Padmanabhan VSSC	Accts Officer-I	26-5-1981	
4. Shri K.G. Somani SAC	Asstt Accts Officer	6-10-1981	
5. Shri A.P. Raman VSSC	Accts Officer-I	13-11-1981	
6. Shri S. Chandrachoodan Pillai, VSSC	Accts Officer-I	28-11-1981	
7. Shri R. Viswanadham VSSC	Accts Officer-I	4-4-1982	
8. Shri R. Rajamani HQ/Delhi	Accts Officer-I	15-4-1982	
9. Shri K. Ramu IAW	Accts Officer-I	15-4-1982	
10. Shri A. D. Gajjar SAC	Accts Officer-I	20-4-1982	
11. Shri K. Vijayakumar VSSC	Accts Officer-I	21-4-1982	
12. Shri M. Srinivasa Rao SHAR	Accts Officer-I	21-4-1982	
13. Shri T. Ramalingeswara Rao ISAC	Accts Officer-I	21-4-1982	
14. Shri S. Seshadri INSAT	Accts Officer-I	30-4-1982	
15. Shri K. Sreenivasan ISAC	Accts Officer-I	3-5-1984	
16. Shri N. Prabhakaran Nair, VSSC	Accts Officer-I	3-5-1984	
17. Shri R. Muninarasimhaiah ISAC	Accts Officer-I	3-5-1984	
18. Smt. M.N. Thirvengadu ISAC	Accts Officer-I	3-5-1984	
19. Shri H. S. Subaramaiya CED	Asstt Accts Officer	3-5-1984	
20. Shri P. Rajendran VSSC	Asstt Accts Officer	3-5-1984	
21. Shri C.K. Keraladasan VSSC	Asstt Accts Officer	3-5-1985	
22. Shri K. Subba Rao SHAR	Accts Officer-I	3-5-1984	
23. Shri P. Sukumara Pillai VSSC	Asstt Accts Officer	3-5-1984	
24. Shri S. Srinivasan HQ/IMAP	Asstt Accts Officer	3-5-1984	
25. Shri T.I. Abraham VSSC	Asstt Accts Officer	3-5-1984	
26. Shri A. Sudhakar Rao CED/SHAR	Asstt Accts Officer	3-5-1984	
27. Shri S.V. Srinivasa Murthy, (on F/S CPRI)	Asstt Accts Officer	16-7-1984	
28. Shri K. Bahuleyan Nair VSSC	Asstt Accts Officer	19-7-1984	
29. Shri N. B. S. Sastry SHAR	Asstt Accts Officer	30-7-1984	
30. Shri N. V. Iyer VSSC	Asstt Accts Officer	8-8-1984	
31. Shri K. Bhaskar Rao SHAR	Asstt Accts Officer	1-10-1984	

No. HQ : ADMN : 4-20 (5)-4A— The Competent Authorities have appointed the following personnel in a substantive capacity against permanent posts of Assistant Administrative Officer in the Centre/Units of ISRO/DOS as shown below :

Sl. No.	Name of the person and Centre/Unit where working now	Present Designation	Substantive appoint ment as Asstt Admn Officer w.e.f.
1	2	3	4
1. Smt C.N. Saradama VSSC	Admn Officer-I	1-4-1980	
2. Shri R. Krishna Kamath CED/SHAR	Admn Officer-I	1-4-1980	
3. Shri T.R.S. Mahadeva Rao SHAR	Admn Officer-II	1-4-1980	
4. Shri V. Karunakaran Nair MCF/INSAT	Admn Officer-II	1-4-1980	
5. Shri A.P. Rajagopalan HQ/BBY	Admn Officer-I	1-4-1980	

1	2	3	4
6.	Shri P. N. Rajappa ISAC	Admn Officer-I	1-4-1980
7.	Shri N. Sundararajan VSSC	Admn Officer-II	1-4-1980
8.	Shri M.P. Kumaran INSAT	Admn Officer-I	1-4-1980
9.	Shri L. K. S. Nair VSSC	Admn Officer-I	1-4-1980
10.	Shri K. M. G. Warrier CED	Admn Officer-I	1-4-1980
11.	Shri K. G. K. Nair SAC	Admn Officer-I	1-4-1980
12.	Shri S. Venkatachalam VSSC	Asstt Admn Officer	1-4-1980
13.	Shri B. Viswanatha Pillai, VSSC	Admn Officer-II	1-4-1980
14.	Shri C. M. Mani ISAC	Admn Officer-I	28-2-1981
15.	Shri O. S. N. Kurup SHAR	Admn Officer-I	19-4-1981
16.	Shri M. G. R. Pillai VSSC	Admn Officer-I	6-5-1981
17.	Shri V. Arjunan CED/VSSC	Admn Officer-I	18-9-1981
18.	Shri K. Sukumaran Nair LPSU	Admn Officer-I	19-9-1981
19.	Smt. R. Vijayammal VSSC	Asstt Admn Officer	22-1-1982
20.	Shri K. N. N. Nambudiri NNRMS	Asstt Admn Officer	7-10-1983
21.	Shri P. R. Balakrishnan INSAT-II ISAC	Asstt Admn Officer	1-1-1985
22.	Shri P. Kesava Rao SHAR	Admn Officer -I	14-3-1985
23.	Shri S. Sengupta DES/SAC	Asstt Admn Officer	1-5-1985
24.	Shri R. Ravikumar Nair, VSSC	Assitt Admn Officer	1-9-1985

The 24th June 1986

No. HQ : ADMN : 4-20 (5)-4A.—The Competent Authorities have appointed the following personnel in a substantive capacity against permanent posts of Assistant Purchase Officer in the Centre/Units of ISRO/DOS as shown below :

Sl. No.	Name of the person and Centre/Unit where working now	Present Designation	Substantive appointment as Asstt Purchase Officer w.e.f.
1	2	3	4
1.	Shri N. Appukuttan Nair VSSC	Purchase Officer-I	1-1-1979
2.	Shri A. Robertson LPSU	Purchase Officer-I	1-1-1979
3.	Shri K. V. Raghavachary ISAC	Purchase Officer-I	1-1-1979
4.	Shri K. Sivanandan VSSC	Purchase Officer-II	1-1-1979
5.	Shri K. James Mathew VSSC	Purchase Officer-I	1-1-1979
6.	Shri V. N. Gopalakrishnan VSSC	Asstt Purchase Officer	1-1-1979
7.	Shri K. R. Prabhakar ISAC	Asstt Purchase Officer	20-4-1980
8.	Shri M. N. Sadanandan VSSC	Purchase Officer-I	20-4-1980
9.	Shri V. Viswanthan VSSC	Purchase Officer-I	20-4-1980
10.	Shri S.B. Jayaraman Nair ISTRAC	Purchase Officer-I	20-4-1980
11.	Shri C. K. Rajagopal ISAC	Purchase Officer-I	20-4-1980
12.	Shri George Joseph VSSC	Asstt Purchase Officer	9-6-1981
13.	Shri K. Balakrishnan ISAC	Purchase Officer-I	17-4-1983
14.	Shri A.N. Vaidya SAC	Purchase Officer-I	9-8-1983
15.	Shri D.S. Prakasam LPSU	Asstt. Purchase Officer	11-8-1985
16.	Shri John Mathew VSSC	Asstt. Purchase Officer	11-8-1985

M.P.R. PANICKER
Head, P&GA

Bangalore-17 The 10th June, 1986

No. 020/1 (15.1)/86-Est.-I—Director ISRO Satellite Centre is pleased to accept the resignation from the service of the following employees from the post of Scientist/Engineer 'SB' in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the department of Space with effect from the dates mentioned against their names :—

Sl. No.	Post	Date of resignation
S/Shri		
1.	Sci/Engr 'SB'	23-4-1986 (AN)
2.	Sci/Engr 'SB'	04-6-1986 (AN)

H.S. RAMADAS
Administrative Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th May 1986

No. A. 32014/1/86-EC (.)—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650-1,200/- with effect from the date of their taking over charge of the higher post and upto 31-3-1986 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier and to post them at the station indicated against each :—

Sl. No.	Name	Present Station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge.
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	V.K. Bajaj	Delhi	ACS, Rourkela	28-3-1986 (FN)
2.	H.K. Sharma	Delhi	ACS, Surat	29-3-1986 (AN)
3.	A. Amritraj	Bangalore	ACS, Bangalore	28-2-1986 (FN)
4.	R.S. Mangat	Amritsar	CATC, Allahabad	29-3-1986 (AN)
5.	R. Bhaskaran	Madras	ACS, Bangalore	30-3-1986 (FN)
6.	B.M. Tondwalkar	Bombay	ACS, Ratnagiri	30-3-1986 (FN)
7.	I.S. Bhasin	RCDU	RCDU, New Delhi	28-2-1986 (FN)
8.	U.K. Jaitley	DGCA (STP)	ACS, Gauhati	13-3-1986 (AN)
9.	Balraj Sareen	Amritsar	ACS, Kota	30-3-1986 (FN)
10.	A.K. Pal	Calcutta	RCC, Calcutta	28-2-1986 (FN)
11.	T.K. Das	Calcutta	ACS, Calcutta	5-3-1986 (FN)
12.	S.P. Lahiri	Calcutta	ACS, Kailashahar	25-3-1986 (FN)
13.	K.G. Nair	Trivandrum	ACS, Trivandrum	28-2-1986 (AN)
14.	Mrs. S. Kamalam	Madras	ACS, Madras	28-2-1986 (FN)
15.	T.N. Ramachandran	Madras	ACS, Vizag	23-3-1986 (AN)
16.	B.D. Gupta	Calcutta	ACS, Calcutta	12-3-1986 (FN)
17.	Jayant Banerjee	Bhubaneshwar	ACS, Dhanbad	27-3-1986 (FN)
18.	M. Krishnan	Madras	ACS, Cuddapah	4-3-1986 (FN)
19.	M.P. Agnihotri	Bhopal	ACS, Bhavnagar	30-3-1986 (FN)
20.	Jagdish Prasad	Bhopal	ACS, Bhopal	31-3-1986 (FN)
21.	Shyamal Sur	Calcutta	ACS, Calcutta	17-3-1986 (AN)

V. JAYACHA NARAN
Dy. Director of Administration

COLLECTORATE OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

Madras, the 12th June 1986

CUSTOMS/ESTABLISHMENT

No. S2/1/86-Estt.—S/Shri R. Prem Singh, M. Ramachandra Rao, V. Subbiah, P. Namásivayam and P. Shenmugam, Senior Grade Preventive Officers, Custom House, Madras, are promoted to officiate as Superintendent of Customs (Preventive) with effect from 13-3-1986 FN, 13-3-1986 FN, 15-4-1986 FN, 13-3-1986 FN and 18-4-1986 FN respectively.

R. JAYARAMAN
Collector of Customs

Vadodara, the 26th June 1986

No. 15/86.—Shri B. V. Doshi, Superintendent (Gr. 'B') of Central Excise & Customs, Division-IV, Vadodara on attaining the age of 58 years on 5-6-86, will be retiring on superannuation in the afternoon of 30-6-1986.

No. 16/86.—Shri R. B. Upadhyay, Superintendent (Gr. 'B') of Central Excise, Valsad will be retiring voluntarily from Government Service with effect from 1-7-86 FN.

No. 17/86.—Shri R. J. Shelat, Superintendent (Gr. 'B') of Central Excise, Valsad will be retiring voluntarily from Government Service with effect from 1-7-86 FN.

No. 18/86.—Shri U. K. Mohnani, Superintendent (Gr. 'B') of Central Excise & Customs, Valsad will be retiring voluntarily from Government Service with effect from 1-7-86 FN.

No. 19/86.—Shri M. P. Muley, Administrative Officer of Central Excise & Customs, Hdqrs. Office, (Group 'B'), Vadodara will be retiring Voluntarily from Government Service with effect from 4-7-86 FN.

SMT. VARALAKSHMI RAJAMANICKAM
Collector of Central Excise & Customs

Calcutta the 29th May 1986

Subject: Promotion, transfer and postings in the grade of Superintendent, Gr. 'B'

I. PROMOTION

No. 132/86.—The following Inspectors of Central Excise in the combined cadres of Collectorate of Central Excise, Cal-I/I/II/Bolpur are hereby appointed provisionally on promotion

to officiate in the grade of Superintendent of C.Ex., Gr. 'B' in the prescribed time scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810 E.B. 35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under the rules w.e.f. the dates they assume charge of the higher posts (Supdt., C. Ex. Gr. 'B') at the places of their posting and until further orders.

Sl. No.	Name	Existing posting
1	2	3
S/Shri		
1. Devendra Kr. Das (Sinha)		Cal. II Coll'te.
2. Jaharlal Ghosal		Cal. II Coll'te.

In other words the officer promoted provisionally will be brought to rosters along with direct recruits (when they become available) in accordance with the instructions contained in the Ministry of Home Affairs Order No. 9/11/55/SRPS dated 22-12-59 and if they become surplus to the establishment at the time they will be reverted.

Their promotion will be subject to final outcome of the writ petition C.R. No. 8496 (W) of 1984 filed by Shri Gour Kr. Dey Inspr. (SG) and in pursuance of the order in the contempt applications one post has continued to be kept vacant.

This promotion is also subject to the final outcome of the writ petition filed by Shri S.R. Dutta Sharma, Inspector and others on reservation matters.

II. TRANSFER AND POSTING

The following postings and transfers are hereby ordered with immediate effect and until further orders :—

Sl. No.	Name of the officer	Existing posting	Posting in promotion/transfer
1	2	3	4
S/Shri			
1. Debendra Kr. Das (Sinha)		Khardah C. Ex. Divn. Cal-II Coll'te.	Bolpur C. Ex. Coll'te.
2. Jaharlal Ghoshal		Howrah North Divn. Cal-II Coll'te.	Do.
3. Ashit Ch. Basu Roy-Choudhury		Dum Dum Divn. Cal-II Coll'te.	Do.
4. Anath Bandhu Dey		Int. Audit Cal-I Coll'te.	Do.
5. Pabitra Narayan Sengupta		Do.	Cal. II Coll'te.
6. Bhupendra Nath Nath		Cal. 'E' Dn. Cal-I Coll'te.	C. Ex. Cal-II Collectorate
7. Dwipendra Nath Mukherjee		Cal. 'H' Dn. Cal-I	Bolpur C. Ex. Coll'te.
8. Rathindra Nath Kar		Cal. 'A' Dn. Cal-I	C. Ex. Cal-II Coll'te.
9. N.C. Munshi		Durgapur C.E. Divn. Bolpur	C. Ex. Cal-II Coll'te.
10. P.M. Roy		Asansol C.E. Divn. Bolpur	Do.
11. A.K. Dey		Bolpur C. Ex. Coll'te.	C. Ex. Cal-I Coll'te.
12. M.K. Ghosh		Do.	C. Ex. Cal-I Coll'te.
13. Supati Majumder		Do.	C. Ex. Cal-II Coll'te.
14. M.M. Paul		On completion of deputation in GEGAT joined HQ	C. Ex. Cal-I Coll'te.

The copy of the certificate of transfer of charge indicating the dates of assumption of charge of Superintendent C. Ex. Gr. 'B' by promotee/transferee may be forwarded to the Deputy Collector (P & E), Central Excise, Calcutta-I/II/Bolpur.

The Collector Cal II/Bolpur will issue further specific posting orders in respect of officers allotted to his Collectorate.

The promotee officers should exercise their options within one month from the date of promotion regarding fixation of pay on promotion in terms of Ministry of Home Affairs O.M. The officers should be relieved immediately by local arrangement.

N. F/7/1/80/Estt./Pt. I dated 26-9-81.

C. BHUJANGASWAMY
Principal Collector
Customs and Central Excise

Allahabad, the 26th June 1986

C. No. II(3) 103-Estt./85/4874.—The Collector of Central Excise, Allahabad is pleased to appoint the following Inspector (S.G.) to the post of Superintendent Group 'B' during the year 1984 and 1985 w.e.f. the date indicated against each :—

Sl. No.	Name of Officer	Date of appointment
---------	-----------------	---------------------

S/No.	S/Shri				
1.	Sri Kant Asthana	.	.	.	8-8-84
2.	Harihar Rai	.	.	.	11-9-84
3.	A.K. Ghatak	.	.	.	15-8-84
4.	Ajit Kumar Bagchi	.	.	.	4-6-84
5.	K.L. Srivastava	.	.	.	11-7-84
6.	Mohd. Attar Raza	.	.	.	31-7-84
7.	Kamta Prasad Gupta	.	.	.	5-9-84
8.	Jagjivan Bux Singh	.	.	.	15-12-84
9.	Ramjivan Pandey	.	.	.	1-2-85
10.	Krishana Kumar Shukla	.	.	.	21-1-85
11.	Vishnu Swaroop Srivastava	.	.	.	28-1-85
12.	Bachai Lal (SC)	.	.	.	4-2-85
13.	Ram Raj Harijan (SC)	.	.	.	18-4-85
14.	Sita Ram (SC)	.	.	.	11-6-85
15.	K.C. Saxena	.	.	.	28-8-85
16.	S. P. Singh	.	.	.	28-8-85
17.	B.R. Dey	.	.	.	4-9-85
18.	B.K. Srivastava	.	.	.	10-1-85
19.	Ghanshyam Singh	.	.	.	8-10-85
20.	S.C. Gupta	.	.	.	21-2-85

C. No. II(3) 103-Estt./85/4874.—The Collector of Central Excise, Allahabad is pleased to appoint the following officer Superintendent to the post of Administrative Officer during

the year 1984 and 1985 w.e.f. the date indicated against each :—

Sl. No.	Name of Officer	Date of appointment
	S/Shri	
1.	Gauri Shankar Srivastava	6-7-84
2.	A.K. Kar	21-2-86

PARVEEN TALHA
Deputy Collector (P&E)

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION

CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 24th June 1986

No. 8/86.—On his retirement on superannuation, Shri G. A. Wagle relinquished charge of the post of Inspecting Officer Gr. 'B' in the West Regional Unit of the D.G.I.C.C.E. at Bombay w.e.f 31-5-86 (AN).

H. M. SINGH
Director General of Inspection

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Amtaher Exports Private Limited*

Bangalore-9, the 23rd June 1986

No. 2410/560/86.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Amtaher Exports Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Hattiangadi Construction Services Company Pvt. Ltd.*

Bangalore-9, the 23rd June 1986

No. 5736/560/86.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Hattiangadi Construction Services Company Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE
Registrar of Companies
Karnataka, Bangalore

FORM ITNS—

(1) Shriwardhan Ice Factory,
Jivna Bunder, Shriwardhan,
Dist. Raigad.

(Transferor)

(2) Glorious Enterprises,
A-6 "Everest" Tardeo,
Bombay.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 28th May 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/483/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-, and bearing No.

The property include Ice Plant and Old Machinery, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Shriwardhan on Nov. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

The property include Ice Plant and Old Machinery.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Shriwardhan under document No. 483/1985-86 in the month of Nov. 1985)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-5-1986
Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 091

Bangalore, the 9th June 1986

C. R. No. 62/48799/85-86/ACQ/B.—Whereas, I,
 R. BHARDWAJ,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
 moveable property having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 No. 10
 situated at Jayamahal road, Jayamahal Extension, Bangalore-
 560046
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer at
 Gandhinagar under document No. 2087/85-86 on 28-10-1985
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between
 the parties has not been truly stated in the said instrument
 of transfer with the object of:—

(1) Shri John Samuel Luther
 S/14, Milton Street
 Cooks Town, Bangalore-560005.

(Transferor)

(2) M/s. Cinerama Private Ltd.,
 Santosh Cinema Complex,
 K. G. Circle, Bangalore-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
 vable property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2087/85-86 Dated 28-10-85).

All that property bearing No. 10 situated at Jayamahal
 Road, Jayamahal Extension, Bangalore' 46.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range
 Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 9-6-1986
 Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. M. Aswathaiah
Kadugodi, Bidarahalli Hobli
Hosakote Taluk.

(Transferor)

(2) Shri N. Jagannathan,
3/1, I A Main Road,
Gagenahalli Extn.
B'llore-32.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 9th June 1986

C. R. No. 62/48800/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 3/1,

situated at I A Main Road, Gangena Lalli, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandinagar under document No. 2064/85-86 on 24-10-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2064/85-86 Dated 24-10-85).

All that property bearing No. 3/1, situated at I A Main Road, Gagenahalli, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-6-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 4th June 1986

C. R. No. 62/R-1861/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. L-B8, L-B9, L-B10, L-B11, L-B12, L-B13, L-B14, L-A3, L-A4, L-C3+L-C4, situated at Kasba Bazar Village, Ward No. 13, Mangalore. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore Vide Registration No. 1617/85-86 Dated 28-10-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Poonja Arcade,
K. S. Road,
Mangalore.

(Transferor)

(2) Mr. Sanjeeva Narna Shetty and
Mr. Dinesh Yellappa Shetty,
Southern Estate Mannabettu Village,
Kinnigoli, Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1617/85-86 Dated 28-10-1985).

Shop Premises No. L-B8, L-B9, L-B10, L-B11, L-B12, L-B13, L-B14, L-A3, L-A4, L-C3 and L-C4 situated at Kasba Bazar Village, 13th Ward, Mangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-1986

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANTCOMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 4th June 1986

C. R. No. 62/No. 1122/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Survey No. 293-1P, 309-P, 294 to 300/P, 313 (416/313) 313 (415/313B), 308/P, 308/P, 307, situated at Devavrunda Village, Gonibid Hobli of Mudigere Taluk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mudigere Vide Document No. 889/86-87 on 24-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. P. RN. L. RN. Ramanathan and RN. Ganapathi Chettiar, Jagirkhan Estate, 2. RN. Ramanathan and Sethuraman Nachandupatti, Pudukkottai at Tamil Nadu. 3. PL. M. V. Venkatachalam Chettiar, Virfacbilai, Pudukkottai Dist. Tamil Nadu. 4. Mrs. V. Muthukkarupi Achi No. 3 Virachilai Pudukkottai Dist. Tamil Nadu.

(Transferor)

- (2) Mr. Patrick Xavier Fernandes, S/o Mr. Xavier Fernandes, Arya Samaj Road, Mangalore-575003 by P. O. Holder

Mr. Stanley Herold Lobo, S/o Mr. J. M. Lobo, 55, Wheeler Road, II Cross, Bangalore-56005. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 889/86-87 Dated 24-1-1986).

Coffee Estate Survey No. 293-1P, 309-P 294 to 299, 300/P, 416/313, 415/313B, 308/P, 308/P, 307 situated at Devavrunda Village of Mudigere Taluk (Coffee Estate known as Devavrunda Estate).

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-1986
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Gurjan Devi
 2. Smt. Saroj Kumari,
 3. Smt. Beena Babbar.
 4. Shri Ramesh Chand Gilhotra
 C/o Gurjan Associates,
 Fazilka,
 Punjab.

(Transferor)

- (2) C/s Sarswati Traders
 C/o Krishan Lal,
 2, R. K. Kohli,
 14/18, Sher Singh Place G. T. Road,
 Ghaziabad.

(Transferee)

- (3) —Do— (Person(s) in occupation of the property)

- (4) —Do— (Persons whom the undersigned known
 to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
 106/282, KANCHAN BHAWAN
 GANDHI NAGAR OPP. LANJN PARK
 KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned —

Kanpur-208 012, the 4th June 1986

Ref. No. MD-1/86-87.—Whereas, I,
 H. R. DAS,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at Bethel House

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 8463 date 18/10/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property known As Bethel House Grant Cane, Kulri, Mussorie.

H. R. DAS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range
 Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4/6/86
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR

Kanpur-208 012, the 4th June 1986

Ref. MD-376/86-87.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at The Mall Mussoorie (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi under registration No. 1451 dated 18-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Krishan Lal,
B-12 Majlish Park,
New Delhi,
Shri Kashmire Lal,
Paradise Building 100/1, G. T. Road,
Karnal,
Shri Kumud Lal,
B, 12 Majlish Park,
New Delhi.

(2) Shri S. R. Narula
C/o Sandeep Graphic P. Ltd.
23 Community Center,
Mayapuri,
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Hotel Paradise Contental., The Mall Mussoorie.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Date : 4/6/86

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR

Kanpur-208 012, the 6th June 1986

Ref. No. K-349/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Block 7 situated at Naushad Aptt. Cantt Kanpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration Act.
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kanpur under registration No. 20534 dated 15-10-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri K. K. Bhartiya & others,
56 Cantt,
Kanpur. (Transferor)
- (2) Indian Explosives Ltd.,
34, Chowsanghee Road,
Calcutta. (Transferee)
- (3) —Do— (Person(s) in occupation of the property)
- (4) —Do— (Persons whome the undersigned known
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Block No. 7 of Naushad Apartments, Contonment Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
17—156GI/86

Date : 6/6/86
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR**

Kanpur-208 012, the 6th June 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24111/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

situated at Sadulla Bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 36408 dated 8-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagmal Singh
S/o Shri Tirkha,
R/o Sadullabad Launi,
Ghaziabad,
(Transferor)
- (2) Shri Laxmi Narayan Gupta
C/o M/o D.L.F. Hatels Ltd. Narendra Palace,
Parliament Road,
New Delhi,
(Transferee)
- (3) —Do— (Person(s) in occupation of the property)
- (4) —Do— (Persons whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Village, Sadullabad Payava, Loni, Ghaziabad,

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 6/6/86
Seal :

FORM ITNB

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR

Kanpur-208 012, the 6th June 1986

Ref. No. M-1086/85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

situated at Bahtahazipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 36697 dated 14-10-85
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Kabooler Khajan,
Shri Kewal,
R/o Bhatehazipur,
Launi, Ghaziabad.

[REDACTED] (Transferor)

(2) M/s Uttaranchal Vihar
Sahakari Awas Samit Ltd, Ghaziabad,
Through its president Shri K. M. Negi.

(Transferee)

(3) —Do— (Person(s) in occupation of the property)

(4) —Do— (Persons whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Village, Bahtahazipur, Pargana, Loni, Ghaziabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6/6/86
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS

Madras-600 006, the 3rd June 1986

Ref. No. 1/Oct./85.—Whereas, I,
R. JANAKIRAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
R. S. No. 85 (O. S. No. 423), situated at Nungambakkam,
Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Thopsandlights/Doc. No. 506/85 in 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Sri T. V. Jagadisan,
10, Boyster Apartments,
Pilot Bunder Road,
Colaffiba,
Bombay.

(2) Sri Rajeshkumar,
(HUF) and others,
27, Dr. Hegde Road,
Madras-34.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Land and Building : R. S. No. 85 (O. S. No. 423), Nungam-
bakkam, Madras.

Thopsandlights/Doc. No. 506/85.

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (i/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 3-6-86
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS

Madras-600 006, the 3rd June 1986

Ref. No. 2/Oct./85.—Whereas, I,
R. JANAKIRAMAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R. S. No. 132/2, Block No. 21 situated at Nungambakkam Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 501/85 in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri P. N. Oaswara Iyer and 9 others,
 S/o Sri P. S. Narayana Iyer (Late),
 No. 41, Anjugan Nagar,
 Kolathur,
 Madras-600 099.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Bhagwati Nichani, and 2 others,
 815/A, Shivalaya,
 219, Commander-in-Chief Road,
 Madras-105.
 2. M/s. Nichani Brothers P. Ltd.,
 29/4, Race Course Road,
 Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Vacant Land:—R. S. No. 132/2, Nungambakkam, Madras, Thousandlights/Doc. No. 501/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (i/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-86
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS

Madras-600 006, the 4th June 1986

Ref. No. 6/Oct./85.—Whereas, I,
R. JANAKIRAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Tatabad, New Door No. 11/85—T.S. 666 situated at Old Door No. 55, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 4635/85 in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. N. V. Parvathi, Self and as Power agent to her sons P. Nataraj and P. Venkatachalam, and P. Krishnan, 11/55, Tababab. (Transferor)
- (2) Sri Vivalingam and Thiagarajan, Semmanpattu, Tiruppathi Talkies, Pasumpon Muthuramalingam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at : New Door No. 11/85-T. S. No. 666 Tatabad, Coimbatore. Coimbatore/Doc. No. 4635/85.

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (i/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-86
Seal :

FORM ITN8

- (1) Sri N. K. Hussain son of Noor Mabamed,
660, Sukrawarpet Street,
Coimbatore-1. ..
(Transferor)
- (2) Sri V. Anand
S/o Sri C. G. Venkataraman,
No. 9, Ansari St., Ramnagar,
Coimbatore-9.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS

Madras-600 006, the 4th June 1986

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 7/Oct./85.—Whereas, I,
R. JANAKIRAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
T. S. Ward No. 7, New T. S. Ward 8, Old T. S. Nos. 3199, 3200, 3201 and 3202 Part) in Mathupalayam Thadagam situated at Extension, Block No. 14, Site No. 34, R. S. Puram, Coimbatore
(and more fully described in the Schedule below) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 4338/85 in October, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land and Building : R. S. Puram, East Thiruvenkatasamy Road, Block No. 14, in Old T. S. Nos. 7/3199, 3200, 3201, 3202 part site No. 34, Coimbatore.

Coimbatore/Doc. No. 4338/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (i/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-86
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS

Madras-600 006, the 3rd June 1986

Ref. No. 11/Oct./85.—Whereas, I,
R. JANAKIRAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
R. S. No. 3666/6, Dor No. 61, Sir C. P. situated at Ramasami
Iyer Road, Mylapore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Madras Central/Doc. No. 1020/85 in October, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(1) Dr. R. Subramaniam and 4 others,
246/7, 18th Cross Upper Palace Ordhard,
Sadasiv Nagar,
Bangalore-80.

(Transferor)

(2) M/s. Rasi Exports P. Ltd.,
1st Managing Directors,
R. Balakumar,
44, East Madras St.,
Mylapore,
Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building : Door No. 61, Sir C. P. Ramaswami
Iyer Road, Madras.
Madras Central/Doc. No. 1020/85.

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (i/c)
Madras-600 006

Section 269C of the said
the acquisition of the
is notice under sub-
Act, to the follow-

Date : 3-6-86

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd June 1986

Ref. No. 12/Oct. 85.—Whereas, I,
 R. JANAKIRAMAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the said Act), have reason to believe that the immoveable
 property having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 No. 13, New No. 12, Gowdiya Mutt Road,
 situated at Royapettah, Madras-14,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer at
 Mylapore/Doc. No. 1367/85 in October 1985,
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between
 the parties has not been truly stated in the said instrument
 of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Saroj Bhakti,
 No. 8, Ranjeet Road,
 Kotturpuram, Madras-600 085.

(Transferor)

(2) Shri M. M. Haja Nachia,
 M. A. Haja Bahurudeen,
 and M. A. Mohamed Rafi,
 No. 1/11, Kader Batcha St., Nahangudi,
 Nedamangalam Taluk, Tanjore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable
 property within 45 days from the date of the publication
 of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building Old door No. 13, New No. 12,
 Gowdiya Mutt Road, R.S. No. 382, Block No. 8, Royapettah,
 Madras-14.
 Mylapore/Doc. No. 136/85.

R. JANAKIRAMAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 3-6-1986
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—
 18—156GI/86

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd June 1986

Ref. No. 13/Oct. 85.—Whereas, I,
R. JANAKIRAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
Property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 15, East Avenue, K.P. Puram,
situated at Madras128,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Mylapore/Doc. No. 1394/85 in October 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said Instrument of
transfer with the object of :

(1) Sri S. Champakam,
No. 2, Damodarapuram,
Adyar, Madras-20.

(Transferor)

(2) M/s. Sivanandha Steels Ltd.,
Rep. by its Mg. Director,
Mr. P. Krishnamurthi, 240, Dewan
Bhadur Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building No. 15, East Avenue, K.P. Puram,
Madras-28.

Mylapore /Doc. No. 1394ffl85.

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 3-6-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th June 1986

Ref. No. 14/Oct. 85.—Whereas, I,
R. JANAKIRAMAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
 No. Door No. 1, Dr. Radhakrishnan Salai,
 situated at Mylapore, Madras-4,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 1414/85 in October 1985,
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. P. R. Pushpavalli
 and 4 others,
 No. 1, 7th St.,
 Dr. Radhakrishnan Salai,
 Madras-4.

(Transferor)

(2) Mrs. Dholibai and three others,
 174, Venkata Rangam Pillai St.,
 Triplicane, Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House and Ground Old No. 1/37, Door No. 1, Dr. Radhakrishnan Salai, Mylapore, Madras-4.
 Mylapore/Doc. No. 1414/85.

R. JANAKIRAMAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1986
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006
Madras-600 006, the 4th June 1986

Ref. No. 15/Oct.85.—Whereas, J.
R. JANAKIRAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 15, Plot No. 4, Besant Avenue,
situated at Elliots Beach Road, Madras
(Also known as No. 4 Karpagam Avenue Madras-20).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Adyar/Doc. No. 2732/85 in October 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration or such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Jaya Natarajan,
No. 5, Senior Officers Quarters,
Hindustan Aeronautics Ltd.,
Old Madras Road, Bangalore.
(Transferor)
- (2) Smt. S. Champakam,
No. 2, Damodarapuram,
Adyar, Madras-20.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House and Ground Door No. 15. (Plot No. 4), Besant Avenue, Elliots Beach Road, also described as No. 4, Karpagam Avenue, Adyar, Madras-20.
Adyar/Doc. No. 2732/85.

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th June 1986

Ref. No. 16/Oct. 85.—Whereas, I,
R. JANAKIRAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1 lakh and bearing No.
129, Old door No. 134, Habibullah Road,
situated at T. Nagar, Madras-17,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
T. Nagar/Doc. No. 1173/85 in October 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

(1) Smt. T. R. Rajakumari,
d/o Late Ranganayaki Ammal,
No. 129, Habibulla Road, T. Nagar,
Madras-600 017.

(Transferor)

(2) Sri K. V. Sadanandan,
s/o Velayudhan,
Kollara House,
South Mada, Gurugayur,
Trichur Dist.,
Kerala State.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building : Door No. 129, Old Door No. 134,
Habibulla Road, T. Nagar, Madras-17,
T. Nagar/Doc. No. 1173/85.

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 4-6-1986
Seal :

FORM ITNB

(1) Mr. Sudhir Kantilal Jasani.

(Transferor)

(2) Shree Sajal Const. Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY**

Bombay, the 11th June 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. AR.III-37-EE/25362/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 7 of S. No. 161 (part)
Village Mouje Pahadi near Goregaon, Bombay
situated at Bombay
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-10-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Plot No. 7 of Survey No. 161 (part) Village Mouje pahadi, near Goregaon, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/377/25362/85-86 dated 1-10-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-6-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Siddharth Anandlal Jasani.

(Transferor)

(2) Shree Sejal Const. Pvt. Ltd.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY**

Bombay, the 11th June 1986

No. AR.III.37EE/25383/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.
 No. Plot No. 9 of S. No. 161 (part) Village Mouje Pahadi
 near Goregaon, Bombay,
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereo),
 has been transferred and the agreement is registered under
 section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
 Authority, Bombay on 1-10-1985
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the publi-
 cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or

Plot No. 9 of S. No. 161 (Part) Village Mouje Pahadi
 near Goregaon, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/25383/85-
 86 dated 1-10-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) Section 269D of the said Act to the following
 persons, namely :—

Date : 11-6-1986
 Seal :

FORM FNB

(1) Mr. Balkrishna Ganpat Sadekar,
(Transferor)
(2) M/s Gunjan Corporation.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 5th June 1986

No. AR.III.37EE/25290/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece or parcel of land, village Ghatkopar, Tal. Kurla S. No. 220 H. No. 2 (p), Ghatkopar, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Bombay on 1-10-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground Village Ghatkopar Tal. Kurla Dist. Bombay Suburban in Gr. Bombay Survey No. 220 H. No. 2(p), Ghatkopar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/25290/85-86 dated 1-10-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Kanubhai H. Patel.

(Transferor)

(2) Jasmine Builders Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 5th June 1986

No. AR.III.37EE/25295/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 31, 3rd fl. Kailas Jyoti Bldg. No. 2, Derasar Lane, Ghatkopar (E), Bombay-77, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority
Bombay on 1-10-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd fl. Kailas Jyoti Bldg. No. 2, Derasar Lane, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/25295/85-86 dated 1-10-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19—156GI/86

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Noshir Cooverji Engineer,

(Transferor)

(2) Mr. Pratul D. Shah & Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th June 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. AR. III/37EE/25315/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property bearing S. No. 60 (pt) S. No. 17 H3, CTS No. 553, 553 (1 to 12) of village Vulnai, situated at Marve Road, Malad (West), Bombay-400 064, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Bombay on 1-10-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 60 (pt) S. No. 17 H3, CTS No. 553, 553 (1 to 12) of Village Vulnai, situated at Marve Road, Malad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/25315/85-86 dated 1-10-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-6-1986
Signature :

FORM ITM

- (1) Mr. Sharanbassappa T. Indi & Ors. (Transferor)
 (2) M/s Subodh Const. Pvt. Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR.III/37EE/25244/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece or parcel of land Village Deonar Taluka, S. No. 22 Hissa No. 1, S. No. 23 H. No. 2, S. No. 24 Hiss No. 13, Govandi Sta. Road (Near), Deonar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Piece or parcel of land at Village Deonar Taluka, Survey No. 22 23, and 24 Hissa No. 1, 2 and 13, CTS No. 402(p), 402/2 and 402/3 Deonar, Bombay-400 088.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/25244/85-86 on 1-10-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Ranjit M Laxmidas Merchant & Ors.
(Transferor)(2) M/s Vallabh Const. Co.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR.III/37EE/24849/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot Nearing CTS No. 5407 to 5411 and Plot B at Joshi Lane., Ghatkopar (East), Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot Bearing CTS No. 5407 to 5411 and Plot B at Joshi Lane, Ghatkopar (East), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/24849/85-86 on 1-10-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-6-1986
Seal :

FORM ITNS—

(2) Avinash Chinnial Maniar.

(Transferor)

(2) M/s. Shree Sejal Const. Pvt. Ltd.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY**

Bombaq, the 5th June 1986

Ref. No. AR.III/37EE/25387/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 Plot No. 13 of S. No. 161 (part) Village Mouje Pahadi
 near Goregaon, Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred and the agreement is registered under
 Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
 the Competent Authority
 at Bombay on 1-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 13 of Survey No. 161 (part) Village Mouje
 Pahadi near Goregaon, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/25387/85-86
 on 1-10-1985.

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 5-6-1986
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Vishnu R. Sohoni.

(Transferor)

(2) Mr. Bhupat Ratilal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR.III/37EE/24838/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Piece or parcel of land at Borla Taluka Kurla, Plot No. 23,
Kurla, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-10-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Piece or parcel of land at Borla Plot No. 23 assessed under
Municipal in M-War No. M-5277(23) and Street No. WT
Patil Road, Kurla, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/24838/85-86
on 1-10-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the time of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Savitribai G. Thakkar & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Rajpal Construction Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombaq, the 5th June 1986

Ref. No. AR.III/37EE/25527/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land with Structure at Vidya Vihar Khoti Village, City Survey Nos. 448/1 to 448/6, Vidyavihar, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land with Structure Vidyavihar, Khoti Village Kirol, Survey No. 92 Hissa No. 3(6), being Plot No. 4 City Survey Nos. 448/1 to 448/6, Ghatkopar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/25527/85-86 on 1-10-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1986

Seal -

FORM ITNS

- (1) M/s. Shree Ram Constructions Pvt. Ltd.
(Transferor)
(2) Smt. S. A. Agarwal.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR.III/37EE/25710/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under section 269AB of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Property at Village Valnai, Orlem, Malad (West), S. No.
41/3, CTS No. 204, 207 and 211 Malad (West), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-10-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the ability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

V.

THE SCHEDULE

Property (land) at Village valnai, Orlem, Survey No. 41/3,
and CTS No. 204, 207 and 211, Malad (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/25710/85-86
on 1-10-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferor for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Louis Pascoal D'Mello.

(Transferor)

(2) M/s. Vijay Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR.III/37EE/25382/85-86.—Whereas I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing S. No. 4/4CTS No. 27, S. No. 58/4 CTS No. 53 and S. No. 81, (p) and CTS No. 53/3, Village Valnai, Taluka Borivali, Marve Road, Malad, Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1985 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The land bearing S. No. 4/4CTS No. 27, S. No. 58/5,CST No. 53 and S. No. 8/1(p) and CTS No. 53/3, Village Valnai, Taluka Borivali, Marve Road, Malad (West), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/25382/85-86 on 1-10-1985.

A. PRASAD
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 20—156GJ/86

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Luthgard Almida and Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Jupiter Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR.III/37FF/25610/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Land hereditaments and premises together with chawl, New
Bombay Agra Road, Kurla, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-10-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Land hereditaments and premises together with chawl and
shed thereon New Bombay Agra Road, Kurla, S. No. NA
75C, CTS No. 349, 349/1 to 11, Kurla, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37FF/25610/85-86,
on 1-10-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Reliance Builders & Developers.

(Transferor)

(2) Arihant Developers.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY**

Bombay, the 5th June 1986

Ref. o. AR.III/37EE/25221/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 21 and 22 Village Valnai Haluka Borivali, Malad (W), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

at Bombay on 1-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Plot No 21 and 22 Village Valnai Haluka Borivali, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/25221/85-86 dated 1-10-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 249C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Avanbanoo J. Mistry.

(Transferor)

(2) M/s. Ravi Raj Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 5th June 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37EE/24891/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing a piece of Agricultural and non Agricultural land with bldg. Village Valnai (Orlem) Marve Road Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at at Bombay on 1-10-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Piece of parcel of Agricultural and on agricultural land with building and other structures standing thereon village Valnai (Orlem) Marve Road Malad (W) city S. No. 77, 78, 78/1, 78/2, 78/3 and 157 Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/24891/85-86 on 1-10-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. Parikh Brothers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR.III/37EE/25067/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 17, 18, 20, 22, 23 & 24 Satyam C-Wing, Mazanine
Fl. Satyam—Shivam Sundaram Bldg. Ghatkopar, Bombay-
77.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent
Authority at

at Bombay on 1-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 17, 18, 20, 22, 23 & 24 Satyam C-Wing, Mazanine
Fl. Satyam—Shivam Sundaram Bldg. Ghatkopar, Bombay-
77.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. o. AR.III/37EE/25067/85-86
dated 1-10-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-6-1986

Seal :

FORM ITN8**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY**

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR.III/37EE/25575/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Various premises in Satyam Shivam Sundaram Bldg. at M. G. Road, Bhatiokpar (E), Bombay-77, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Miss Venus K. Sanghavi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

Various premises in Satyam Shivam Sundaram Bldg. at M. G. Road, Bhatiokpar (E), Bombay-77.
 Shop on Gr. Fl. 6855 sq. ft. B.U.
 Shop on Mezz Fl. 3220 sq. ft. B.U.
 Basement 4420 sq ft. B.U.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR.III/37EE/25575/85-86 dated 1-10-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been, or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Kishore Sanghvi P. Rel. Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR.III/37EE/25577/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as
the said 'Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Office Nos. 1, 3 to 22 and 24 to 29 on 1st floor Satyam A-
Part Wing of Bldg. Satyam Shivam Sundaram M. G. Road
Ghatkopar (E), Bombay-77.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Said Act in the office of the Compe-
tent Authority
at Bombay on 1-10-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor, to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Office Nos. 1, 3 to 22 and 24 to 29 on 1st floor Satyam A-
Part Wing of Bldg. Satyam Shivam Sundaram M. G. Road
Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent
Authority Bombay under S. No. AR.III/37EE/25577/85-86
dated 1-10-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS.—

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. Usha Sangavi P. Rel. Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR.III/37EE/255580/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office Nos. 17, to 29 1st floor Satyam B-Part Wing of Bldg. Satyam Shivam Sundar at M. G. Road, Ghatkopar (E), Bombay-77. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Office Nos. 17, to 29 1st floor Satyam B-Part Wing of Bldg. Satyam Shivam Sundar at M. G. Road, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/255580/85-86 dated 1-10-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1986

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sanghvi Family Pvt. Rel. Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR.III/37EE/25581/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Office Nos. 30 to 34 on 1st floor Satyam B-part Wing Satyam
Shivam Sundaram M. G. Road, Ghatkopar (E) Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of
the Competent Authority at Bombay on 1-10-1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immove-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Office Nos. 30 to 34 on 1st floor Satyam B-part Wing Satyam
Shivam Sundaram M. G. Road, Ghatkopar (E) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/25381/85-
86 dated 1-10-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
LAXMAN DAS
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—
21—156G1/86

Dated : 5-6-1986.
Seal :

FORM ITNS.

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shantilal Sanghvi P. Rel. Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR.III/37EE/25582/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Basement Nos. 1 to 5, 16 to 20 in Satyam B-Part Wing & 5, 15, 16, 17, 19 & 20 in Satyam A-Part Wing of Bldg. Satyam Shivam Sundaram M. G. Road Ghatkopar (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1985 at Bombay on 1-10-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Basement Nos. 1 to 5, 16 to 20 in Satyam B-Part Wing & 5, 15, 16, 17, 19 & 20 in Satyam A-Part Wing of Bldg. Satyam Shivam Sundaram M. G. Road Ghatkopar (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/25582/85-86 dated 1-10-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192nd (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 5-6-1986.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Prabhav Sanghvi P. Rel. Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY**

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR.III/37EE/25583/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office Nos. 1 to 13 on 1st floor Satyam B-Part Wing of Bldg. Satyam Shivam Sundaram M. G. Road Ghatkopar (E), Bombay-77. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on at Bombay on 1-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Office Nos. 1 to 13 on 1st floor Satyam B-Part Wing of Bldg. Satyam Shivam Sundaram M. G. Road Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/25583/85-86 dated 1-10-1985.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 5-6-1986.

Seal :

FORM ITN

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Malini Sanghvi P. Rel. Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 5th June 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.III/37EE/25585/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office Nos. 7 to 18 on 1st floor Satyam C-Part Wing of Bldg. Satyam Shivam Sundaram M. G. Road Ghatkopar (E), Bombay-77.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Office Nos. 7 to 18 on 1st floor Satyam C-Part Wing of Bldg. Satyam Shivam Sundaram M. G. Road Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/25585/85-86 dated 1-10-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 5-6-1986.
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

(1) M/s. Pragati Construction Co.
(Devika Tower)
73-74, Nehru Place,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. JAC/Acq-I/37EE/10-85 /2119.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1001 A in Devika Tower situated at 6 Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Col. Swaranjit Singh, Mrs. Raj Kanwar, Shri Jasjit Singh and Sh. Narjit Singh, 9-Ring Road, Lajpat Nagar-IV, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1001 A in Devika Tower, 6 Nehru Place, New Delhi.
Area 1205 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21-146 GI/86

/Date : 5-6-1986
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M/s. Ravindra Properties Pvt. Ltd.,
2, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mstr Viraj Mohan, Ms Rajvi Mohan
B-157 Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE /10-85/2152.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 408, measuring 1500 Sq. ft. situated at on 4th floor
Group Housing Complex 2 Tilak Marg, N. Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act,
1961 [AC Range-I, New Delhi on October 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 408, measuring 1500 Sq. ft. on 4th floor in pro-
posed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

/Date : 5-6-1986
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M/s. Ravindra Properties Pvt. Ltd.,
2, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. R. S. Gupta S/o Sh. Sant Ram and
Smt. Savitri Gupta d/o AR Goel,
53/59, Ranjan Road,
Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-I,
 AGGARWAL HOUSE,
 4/14-A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/10-85/2153.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 410, measuring 1500 Sq. ft. on situated at 4th floor, 2 Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi in October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 410, measuring 1500 Sq. ft. on 4th floor in proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I,
 Aggarwal House,
 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

/Date : 5-6-1986
 Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. Ravindra Properties Pvt. Ltd.,
2, Tilak Marg, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Krishan Mohan,
25-B, Pusa Road, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/10-85/2154.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 303, Mg 1500 Sq. ft. on IIIrd floor situated at 2 Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi on October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (21 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 303, measuring 1500 Sq. ft. on IIIrd floor in proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

/Date : 5-6-1986
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

(1) M/s. Ravindra Properties Pvt. Ltd.,
2, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/10-85/2155.—Whereas, 1, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ravindra Properties Pvt. Limited situated at 2 Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi on October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Kailash Wanti Schgal
12/F Silon Condominium,
32/38 Soi Saladaeng
2, Silon Road, Bangkok.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 612 measuring 1500 Sq. ft. on 6th Floor in the Group Housing Complex, New Delhi. 2, Tilak Marg.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aggarwal House,
Acquisition Range-I,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22—156GI/86

/Date : 5-6-1986
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

(1) M/s. Ravindra Properties Pvt. Ltd.,
2, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bimla Devi Agarwal
W/o Dalip Singh Agarwal,
B-38, Jhilmil Industrial Area,
Shahdara, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/10-85/2157.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 711, measuring 1500 Sq. ft. situated on 7th floor in proposed Group Housing Complex (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi on October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 711, measuring 1500 Sq. ft. on 7th floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aggarwal House,
Acquisition Range-I,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

/Date : 5-6-1986
Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd.
2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/S Forcmost Exports (I) Pvt. Ltd.
S-46, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, /114-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE /10-85/2158.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Flat No. 401, measuring 1500 Sq. ft. situated at on 4th
floor in proposed Group Housing Complex,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer
at IAC Acq. Range-I, New Delhi on October 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XVA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 401, measuring 1500 Sq. ft. on 4th floor in pro-
posed Group Housing Complex New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Ravindra Properties Pvt. Ltd.
2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Mr. Surinder Mahajan, 19,
Ring Road Lajpat Nagar-IV,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, /114-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/10-85/2159.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 412, measuring 1500 Sq. ft. situated at Group Housing Scheme/Mopplex, 2, Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi on October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 412, Measuring 1500 Sq. ft. on 4th Floor in the proposed Group Housing Scheme /Complex 2, Tilak Marg, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, /114-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/10-85/2183.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. A-3 on 5th floor and Garage No. S-14 situated at Lala Girdhar Lal Memorial Apartment at 28, Ferozeshah Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi on October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Lala Girdhar Lal Memorial,
Federation House, Tansen Marg,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Tata Iron & Steel Co. Ltd.
Bombay, through their local office,
Jeevan Tara Building,
5, Parliament Street,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential flat No. A-3 on 5th floor and Garage No. S-14 in the basement of Lala Girdhar Lal Memorial Apartment at 28, Ferozeshah Road, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, /114-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/10-85/2184.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Flat No. A13 5th floor and Garage No. S-14 situated at Lala Girdhar Lal Memorial Apartments at 28 Ferozeshah Road, New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi on October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Girdhar Lal Memorial,
Federation House, Tansen Marg,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Tata Iron & Steel Co. Ltd.,
Bombay, through their local office,
Jeevan Tara Bldg., 5,
5, Parliament street,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Residential flat No. A-3 on 5th floor and Garage No. S-14 in the basement of Lala Girdhar Lal Memorial Apartment at 28 Ferozeshah Road, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Lala Girdhar Lal Memorial,
Federation House, Tansen Marg,
New Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Tata Iron & Steel Co. Ltd.,
Bombay, through their local office,
Jeevan Tara Bldg., 5,
5, Parliament street,
New Delhi.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, /114-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/10-85/2185.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. A-3 on 4th floor and Garage No. S-13 situated at Lala Girdhar Lal Memorial Apartments at 28 Ferozeshah Road, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi on October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Residential flat No. A-3 on 4th floor and Garage No. S-13 in the basement of Lala Girdhar Lal Memorial Apartments at 28, Ferozeshah Road, New Delhi, Area 1604 Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/10-85/21888.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing W/69 Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi on October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1, Hauz Raj Pahwa C/o Avon Cycles (P) Ltd.
G.T. Road, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Cyarviz Investments &
Industries Ltd, 3370 Hauzqazi Delhi,
Flatted Residential Area Measuring aboue 5060 sq. ft.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

W/69 Greater Kailash-II, New Delhi. Entire Basement 3638 Sq. ft. Entire Barsati 992 Sq. ft. Entire Garage Block on Ground Floor measuring 430 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD.
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/10-85/2191.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6 on 5th Floor at Proposed multi-storeyed situated at Group Housing Scheme Adishwar Apartments at 34 Ferozeshah Road, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunga 18, Barakhamba Road, New Delhi.

(2) M/s. Golden Properties and Traders Limited, 24, Kalaka Street, Calcutta-7. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Residential flat Area 1600 Sq. ft. Flat No. 6 on 5th Floor at proposed multi-storeyed Group Housing Scheme Adishwar Apartments at 34, Ferozeshah Road, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
23—156GI/86

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/10-85/2194.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6 servant Qr. No. 6 situated at Gauri Apartments on 3 & 4 South End Lane, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi on October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Kailash Nath & Associates,
1006, Kanchenjunga 18,
Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Shanta Kothari and
Mr. Swaroop Z. Kothari
C/o Hemchandji Nahar,
Naughare 2001 Kinari Bazar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One resdl. Flat No. 6 (1580 S. Ft), one Servant Qr. No. 6, (130 S. ft), Open lawn (450 S. ft.) on ground floor and one open Car parking space in proposed Group Housing Scheme Gauri Apartments on 3 & 4 South End Lane, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 3-6-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/10-85/2197.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5-A, Admeasuring approx. 1600 Sq. ft. on 5th floor, Nilgiri Apartment at 9 Barakhambha Road, New Delhi. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I. T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi on October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) M/s. Kailash Nath & Associates,
1006, Kanchenjunga 18,
Barakhambha Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Prasar Builders Pvt. Ltd.
K-113 Hauz Khas, First Floor,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for Act, 1957 (27 of 1957);

One flat No. 5-A, admeasuring approx. 1600 Sq. ft. on 5th floor and one open Car parking space in proposed Group Housing Scheme Nilgiri Apartments at 9 Barakhambha Road, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM TINs—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI**

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/10-85/2198.—Whereas, I R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6-A, admeasuring approx 1600 sq. ft. situated at on 5th floor and one open car Parking Space Nilgiri at 9 B. K. Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Kailash Nath and Associates, 1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Libra Estates Private Ltd., K-113, Hauz Khas, First Floor, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One flat No. 6-A, admeasuring approx 1600 Sq. ft. on 5th floor and one open car parking Space in proposed Group Housing Scheme Nilgiri Apartments at 9, Barakhamba Road New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Chopra Promoters & Builders,
7A/27, W.E.A.,
Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

(2) M/s. Jay Shree Tea Industries
Lal Dwara Bldg.,
Swami Ram Tirath Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/10-35/2205.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. P-203, P-204 (1st floor) & P-303 situated at P-304
(2nd floor), Palam Apartments, Bijwasan, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act.
1961 IAC Range-I, New Delhi in October, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given to
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. P-203, P-204 (1st Floor) & P-303, P-304 (2nd
Floor) Palam Apartments, Bijwasan, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Ravindra Properties (P) Ltd.
2, Tilak Marg,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/10-85/2220A.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 710 at 2, Tilak Marg situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 710 at 2, Tilak Marg, New Delhi, Area 1500 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Bakshi Vikram Vikas Const. Co.
13, Tolstoy Marg.
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Yogini Trust
C/o S. P. Marwah & Co.
F-58, Connaught Place,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/10-85/2231.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1301 mg. 820 Sq. ft. at 13 Tolstoy Marg situated
at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act,
1961 IAC Range-I, New Delhi in October, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Booked of Office Flat No. 1301 measuring 820 Sq. ft. in
the proposed multi-storeyed building at 13, Tolstoy Marg,
New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 3-6-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/10-85/2232.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1302 Mg. 820 Sq. ft. at 13, Tolstoy Marg situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Bakshi Vikram Vikas Const. Co. (P) Ltd.
13, Tolstoy Marg.
New Delhi.
(Transferor)
- (2) Miss Meha Khunna
through father and natural guardian
Mr. Rajeev Khunna,
E-I, Maharani Bagh,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booking of Office Flat No. 1302 measuring 820 Sq. ft. in the proposed multi-storeyed building at 13, Tolstoy Marg, New Delhi,

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Mrs. Kanta Bahri &
Miss Rita Bahri
5/6, Roop Nagar,
Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Sood Family Trust
26, Siri Ram Road,
Civil Lines,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/10-85/2237.—Whereas, I
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 8-D, Hansalaya situated at 15, Barakhamba Road,
New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act.
1961 IAC Range-I, New Delhi in October, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—
24—156GI/86

THE SCHEDULE

Flat No. 8-D, Hansalaya, 15, Barakhamba Road, New
Delhi. Area 1168 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 3-6-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/10-85/2238.—Whereas, I
 R. P. RAJESH,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. C-595, Defence Colony situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act. 1961 IAC Range-I, New Delhi in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Col. Birender Singh Chimni
 C-6/57, Safdarjang Development Area,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jai Prakash Jain,
 Shri Magan Mala Jain and
 Shri Rajeev Jain
 R/o Jain Street,
 P.O. Kandhla,
 Dist. Muzaffar Nagar (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House, C-595, Defence Colony, New Delhi.
 Area Ground floor—1712 Sq. ft., First Floor—1712 Sq. ft.,
 Barsati—427 Sq. ft.

R. P. RAJESH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 Aggarwal House
 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 3-6-1986
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/10-85/2258.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 103, 39, Kusal House situated at Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act. 1961 (IAC Range-I), New Delhi in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Shri T. C. Jain &
Smt. Balbir Kumari Jain
S-341, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sukhnandan Mahen &
Smt. Raj Mahen
120, MIG Flat,
Prashad Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

(3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any ~~money or other assets which have not been or which~~ ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 39, Kusal House, Nehru Place, New Delhi.
Area (approx) 867.5 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Ruby Chemical Agency
1402/16, Tilak Bazar Chowk
Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Savitri Devi
W/o Shri Sajan Das Mulchandani,
BN-12, Poorvi Shalimar Bagh,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/10-85/2269.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 708, 7th floor, 7, Tolstoy Marg situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.T. Ac., 1961 IAC Range-I, New Delhi in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 708, 7th floor, 7, Tolstoy Marg, New Delhi, measuring 645 Sq. ft. possession yet to be handed over.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1986

Ref. No. IAC/Act-I/37EE/10-85/2270.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6, 1st Floor (Front) situated W-14, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. A.C. Range-I, New Delhi in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Broadway Towers (India Pvt. Ltd.
B-102, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Bhim Sain Khurana &
Mrs. Bhag Rani
3/1, Shivaji Nagar,
Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st Floor (Front) W-14, Greater Kailash-II
New Delhi, Area 2300 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Mrs. Veena Churamani &
2. Mr. J. K. Churamani
S-137, Panch Shilla Park,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Brij Bhushan &
Mrs. Jamil aBrij Bhushan
A-15/27, Vasant Vihar,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1986

Rcl. No. IAC/Acq-1/37EE/10-85/2272.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat at B-23, Gitanjali situated at (Rear Portion) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ground Floor Flat at P-23, Gitanjali (Rear Portion) Area 2950 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/10-85/226.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. P-186, Mg. 22, Sq. yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Rupinder Singh
S/o Shri Nopok Singh
through general attorney Gurcharan Parkash Singh
S/o S. Bhogat Singh
R/o 5, Rajdoot Marg,
Chanakyapuri,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Umesh Kumar Verma
S/o Shri Mathra Dass Verma
R/c E-303, East of Kailash,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. R-186, measuring 222 Sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri G. S. Kohli, HUF
A-77, Ashok Vihar, Phase-II,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashwini Kumar,
D-64, Panchsheel Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14 A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/10-85/268.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. M-113, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi on October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

M-113, Greater Kailash-II, New Delhi. Area 300 Sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1962 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14 A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chanan Singh Bohania
S/o Shri Udam Singh Bohania,
124, Saini Enclave,
Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Amarjit Singh Johar & Co.
C-139 Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/10-85/273.—

R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-59 Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule, annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at L.T. Act 1961 IAC Range-I, New Delhi in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

S. 59 Greater Kailash-II, New Delhi, Plot Area 300 Sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 5-6-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25—156GI/86

FORM ITNS

(1) Dr. S. Bazaz
F-44/A N.D.S.E. Part I
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mc Dowell & Co. Ltd.
3 Second Line Beach,
Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A part of the residential property bearing No. F-44/A N.D.S.E. Part-I consisting of West Half Wing Comprising of the Basement, Ground with land underneath as well as East Half Wing of the First Floor.

R. P. RAJESII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A A. Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/10-85/278.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 30, in Block 'R' 300 sq. yds. situated at
Greater Kailash-I, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act 1961
IAC Range-I, New Delhi in October, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Daya Wati Gupta,
W/o Shri Shiam Sunder Gupta
R/o F-52, Green Park,
New Delhi. (Transferor)
(2) M/s. Delite Builders
through its partner Sardar Surinder Singh,
S/o Sardar Dharam Singh,
R/o A-2/140, Safdarjung Enclave,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 30, in Block 'R' Greater Kailash-I, New Delhi.
Area 300 sq. yds.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/10-85/280.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Property No. N-118, mg. 300 Sq. yds.
situated at Greater Kailash-I, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act 1961
IAC Range-I, New Delhi in October 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object :—

(1) Shri Dalip Singh
S/o Late S. Sharma Singh
R/o N-118, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Tarlochan Singh Anand
S/o S. Natha Singh Anand
R/o A-3, Kailash Colony,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Property No. N-118, measuring 300 sq. yds., Greater
Kailash-I, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. JAC/Acq.I/SR-HI/10-85/281.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. M-88, Greater Kailash-II, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act 1961
JAC Range-I, New Delhi in October 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (1) 1. Mrs. Pushpa Chadha
2. Ina Khanna
3. Miss Neena Chadha &
4. Miss Ravija Chadha
all R/o A-8, Jawahar Quarters
Meerut.

(Transferor)

- (2) Shri K. L. Chopra and
Smt. Shashi Chopra
Both R/o B-29, Panchsheel Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. M-88, Greater Kailash-II, New Delhi Residential
Plot admeasuring 400 Sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 5-6-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Mrs. Neena Sethi, W/o
Shri Satish Sethi, R/o
G-1/16, Darya Ganj,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri R. K. Malik, S/o
Late Shri P. N. Mali, R/o
E-1/73, Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/10-85/287.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. K-21, measuring 311 Sq. yds. situated at Kailash Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act 1961 IAC Range-I, New Delhi in October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Property No. K-21, measuring 311 Sq. Yds. Kailash Colony, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI**

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/10-85/288.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 78, Block 'H' New Delhi South Extension Scheme, Part-I, at Village Mubarakpur Kotla on Ringh Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act 1961 IAC Range-I, New Delhi in October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Vaishno Dass Puri
S/o Late Shri Ramji Dass Puri,
R/o H-78, N.D.S.E. Part-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Kumar Jain,
RS/o Shri Mahabir Parsad Jain
R/o G-19, N.D.S.E. Part-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Single Storeyed Building with land underneath, measuring about 200 Sq. yds. bearing Plot No. 78, Block 'H' situated at in the Residential Colony, known as New Delhi South Extension Scheme, Part-I, at village Mubarakpur Kotla on Ring Road, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A. Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR III/10-85/289.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Unit No. C, Property No. M-178 Mg. 300 Sq. Yds. situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act 1961 IAC Range-I, New Delhi in October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Chander Kanta, W/o
Shri Ashok Kumar, R/o
A-2/35, Safdarjung Enclave,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Amarjit Singh Oberoi, S/o
Lt. Col. Teja Singh Oberoi, R/o
W-105, Greater Kailash I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. C, on Second floor, part of property No. M-178, measuring 300 Sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR III/10-85/293.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. S-141, Mg. 198 Sq. yds. situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrar Officer at I.T. Act 1961 IAC Range-I, New Delhi on October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) M/s. Khurana Builders through its partner Shri Gurvinder Singh Khurana, E-21-A, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Mala Kumar W/o Shri Sanjeev Kumar R/o 42, Bungalow Road, Kamla Nagar, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Second floor of Built up property No. S-141, measuring 298 Sq. yds. at Greater Kailash-II, New Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
26—156GI/86

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Devendra Pahl
26, Anand Lok,
New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/10 85/294.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. S-154, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act 1961 IAC Range-I, New Delhi in October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot No. S-154, Greater Kailash-II, New Delhi.
Area 306 Sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1986

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

(1) Shri Prem Kumar Malhotra
Shri P. L. Malhotra,
through attorney Shri P. L. Malhotra,
S/o Shri Mathura Dass
R/o L-12, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Chandra Verma
S/o Shri M. R. Verma,
R/o 3, Radha Niwas,
Khar Pali Road, Khar, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/10-85/296. —Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Plot No. E-497, situated at Greater Kailash-II, New Delhi-48
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act 1961
IAC Range-I, New Delhi, on October 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Plot No. E-497, Greater Kailash-II, New Delhi-48,
admeasuring 248 Sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Devi Joshi
 W/o Shri Keshab Dutt Joshi,
 Smt. Kamla Devi Joshi
 W/o Shri Jagdish Prasad Joshi and
 Smt. Ghahabi Joshi
 W/o Shri Badri Dutt Joshi
 through attorney Sh. Devi Dutt Joshi
 S/o Late Shri Amba Dutt Joshi
 R/o 179, Sukhdev Vihar, New Delhi.
 (Transferor)

(2) Shri O. P. Arora and Family (HUF)
 through its Karta O. O. Arora
 S/o late Devi Chand Arora
 R/o C-14, Anand Niketan,
 New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I
 AGGARWAL HOUSE
 4/14-A, ASAF ALI ROAD
 NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/10-85/297. —Whereas, I,
 R. P. RAJESH,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.
 Property No. C-4, Mg. 500 Sq. yds.
 situated at Greater Kailash-I, New Delhi.
 (and more fully described in the schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act 1961
 IAC Range-I, New Delhi in October 1985
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen
 percent of such apparent consideration and that the considera-
 tion for such transfer as agreed to between the parties
 has not been truly stated in the said instrument of transfer
 with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
 vable property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

R. P. RAJESH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 Aggarwal House
 4/14A, Asaf Ali Road
 New Delhi

Date : 5-6-1986
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. Mrs. Anjula Khanna,
J-17A, Hauz Khas Enclave,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Pd. Bhalotia,
5, Clive Rear, Calcutta -1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Rcf. No. IAC/Acq.I/SR-III/10-85/299.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

Agricultural land Village Bijwasan situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at I.T. Act.
1961, IAC Range I New Delhi on October 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land Village Bijwasan, 14 Bigha, 8 Biswas.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-6-1986

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
AGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. JAC/Acq.I/SR-III/10-85/303.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Agricultural land 10 Bigha 17 Biswas, Village Bijwasan situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.T. Act, 1961, IAC Range I New Delhi on October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Green Park Builders & Promoters (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16 K.G. Marg, New Delhi. (Transferor)

(2) Mrs. Abha Krishna
W/o Dr. K. S. Krishna,
707, Jangpura Road, Bhogal,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 10 Bigha 17 Biswas comprised in Rect. No. 44, Khasra No. 11 (2-08), Kaini No. 181 (8-09) situated in Village Bijwasan, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Khazan Singh
S/o Shri Ram Mehar,
R/o Village Bijwasan,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Khemka Aviation Private Ltd.,
41/2, 'M' Block, Speedbird House,
Connaught Circus, New Delhi,
through its Director
Shri Nand Khemka,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,
AGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-II/10-85/306.—Whereas, 1,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
Property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Agricultural land 28 Bigha and 2 Biswas situated at Village
Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at I.T. Act.
1961, IAC Range I New Delhi on October 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 28 Bigha and 2 Biswas, M. No.
73, Killa No. 13(1-18), 14(3-16), 15(0-9), 16(0-16), 17
(4-16), 18(4-16), 22 (1-4), 23(4-11), 27(0-5), Mustatil No.
88, Killa No. 1(1-3), 2(2-18), 3(1-10), Village Bijwasan,
Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 5-6-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/10-85/871.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 2, Shankaracharya Road, Civil Lines, Delhi (19286 sq. ft.) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Ajay Kumar
S/o Shyam Behari Lal,
2. Shri Mohit Kumar
S/o Ajay Kumar,
2, Shankra Charya Road,
Metcalfe Road, Civil Lines,
Delhi.

(Transferor)

- (2) S/Shri Dina Nath Anand & Darshan Lal Anand,
S/o S. Ram Chand Anand,
Shri Samer Anand, (minor)
S/o Shri Dina Nath Anand,
F-108, Ashok Vihar, Phase-I,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion 2, Shankra Charya Road (Area 19786 sq. ft.),
Civil Lines, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1986

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/10-85/873.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Entire Ground floor of 3-F Kamla Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Joginder Singh Chabra & Smt. Narender Kaur Chabra, R/o 8/5, Singh Sabha Road, Delhi-110006.

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Tyres, 873, S.P. Mukherjee Marg, Delhi-110006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire Ground floor of 3-F Kamla Nagar, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 5-6-1986

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras, the 4th June 1986

Ref. No. 70/October/85.—Whereas, I,
R. JANAKIRAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Door No. 36, Nowroji Road, Madras-31
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 1185/85) on October, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Syed Ameen Rahim
2. Syed Ibrahim Rahim,
25, Cemetery Road,
Washermanpet,
Madras-600 021.

(Transferor)

(2) Mrs. Khatija Begum,
W/o Sri S. M. Madhatullah,
No. 936, Periyar E. V. R. High Road,
Madras-600 084.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building at Door No. 36, Nowroji Road, Madras-31.

(Doc. No. 1184/86).

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-1986
Seal :